रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर राहुल गांधी फैलाना चाहते हैं अराजकता : राजनाथ - 12

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- एफटीए में डेयरी और एमएसएमई के हितों पर ध्यान - 12

न्यूयॉर्क का मेयर बनते ही ममदानी ने ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर दी चुनौती- 13

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी-20 मैच में गिल की निगाह बड़े स्कोर पर- 14

आज का मौसम

28.0⁰ अधिकतम तापमान

13.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.27

सूर्यास्त 05.24

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 02:55 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 6 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 347, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

बिहार में पहले चरण का मतदान आज 1,314 उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर

पटना, एजेंसी

- तेजस्वी, सम्राट व विजय सिन्हा समेत कई दिग्गज मैदान में

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए गुरुवार को 121 सीटों पर मतदान डाले जाएंगे। इस चरण में कुल 3.75 करोड़ मतदाता 1,314 उम्मीदवारों की चुनावी किस्मत का फैसला करेंगे।

बिहार संग्राम

इस चरण में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे तेजस्वी यादव और भाजपा के उम्मीदवार एवं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ-साथ 16 मंत्रियों की किस्मत भी दांव पर है। राजद के नेता तेजस्वी यादव राघोपुर सीट से लगातार तीसरी जीत दर्ज करने की कोशिश में हैं। उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा के सतीश कुमार हैं, जिन्होंने 2010 में जनता दल (यूनाइटेड) के टिकट पर तेजस्वी की मां और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को पराजित किया था। राघोपुर सीट से जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने तेजस्वी के खिलाफ चुनाव लड़ने का ऐलान किया था, लेकिन बाद में उन्होंने मैदान में उतरने से परहेज किया और उनकी पार्टी ने चंचल सिंह को उम्मीदवार बनाया। राघोपुर सीट से सटी महुआ सीट पर तेजस्वी के बड़े भाई और जनशक्ति जनता दल के संस्थापक तेज प्रताप यादव बहुकोणीय मुकाबले में फंसे हैं। तेज प्रताप इस सीट पर राजद विधायक मुकेश रौशन को चुनौती दे रहे हैं।

आयोग ने बूथों पर शत प्रतिशत वेबकास्टिंग, नई वीआईएस पर्ची की सुविधा और ईवीएम नेट ऐप के माध्यम से मतदान रिपोर्टिंग जैसे नवाचारों को लागू किया है। पहले चरण में तीन करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाता मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र होंगे।

प्रधानमंत्री से मिलीं चैंपियन बेटियां, मिला सम्मान

- खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के दौरान अपने अनुभवों को प्रधानमंत्री के साथ किया साझा

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में विश्व कप विजेता भारतीय महिला टीम और ट्रॉफी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम से अपने निवास पर मुलाकात की। उन्होंने विश्व कप में लगातार तीन हार के कठिन दौर से गुजरने के बाद दृढ़ता और शानदार वापसी के लिए खिलाड़ियों की तारीफ भी की।

प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार हार के बाद सोशल मीडिया पर हुई ट्रोलिंग के बारे में भी खिलाड़ियों से बात की और जबर्दस्त मानसिक दृढ़ता का परिचय देकर शानदार वापसी करने और इतिहास रचने के लिए उनकी सराहना भी की। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 2017 में ट्रॉफी के बिना प्रधानमंत्री से हुई मुलाकात को भी याद किया। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि अब वे और सफलता अर्जित करके आगे भी मिलते रहना चाहेंगे। उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें प्रेरित किया है और उन सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहे हैं। भारत ने रविवार को नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार आईसीसी खिताब जीता। बातचीत के दौरान दीप्ति शर्मा ने प्रधानमंत्री को बताया कि वह 2017 से उनसे मिलने का इंतजार कर रही थी।

प्रधानमंत्री ने उनके इंस्टाग्राम बायोडाटा पर जय श्रीराम और उनके हाथ पर हनुमान जी के टैटू का जिक्र किया तो दीप्ति ने मुस्कुराकर कहा कि इससे उन्हें ताकत मिलती है।

ब्रीफ न्यूज

नेटवर्क समस्या से एअर इंडिया की चेक-इन प्रणाली प्रभावित

नई दिल्ली। दिल्ली तथा देश के कुछ अन्य हवाई अड्डों पर बुधवार को टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एअर इंडिया की चेक-इन प्रणाली प्रभावित होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। एअरलाइंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि तीसरे पक्ष द्वारा प्रबंधित कनेक्टिविटी नेटवर्क की समस्या के कारण कुछ हवाई अड्डों पर चेक-इन प्रणाली प्रभावित हुई है। इसके कारण एयर इंडिया समेत कुछ विमान सेवा कंपनियों की उड़ानों में देरी हो रही है। जिसे बाद में ठीक कर लिया गया।

सीमा विवाद को लेकर हिंसक झड़प, कई घायल

भुवनेश्वर। ओडिशा के खुर्दा जिले में दो गांवों के निवासियों के बीच बुधवार को सीमा विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प में कई लोग घायल हो गए और तीन से चार दुकानों में आगजनी की गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा हटाए जाने के कुछ दिन बाद हुई। इस मुद्दे पर पहले भी हिंसा हो चुकी थी, जिसके बाद इस क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू की गई थी।

धमकाया, अवैध कब्जा किया तो खैर नहीं

सीएम योगी की माफिया को चेतावनी, कब्जामुक्त कराई जमीन पर बनाए गए फ्लैट परिवारों को सौंपे

- मुख्यमंत्री ने लाभार्थी परिवारों से की मुलाकात, उन्हें गृह प्रवेश का सामान किया भेंट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में महिला को फ्लैट का आवंटन पत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। ● अमृत विचार

अमृत विचार: धमकाया, अवैध कब्जा किया तो लेने के देने पड़ जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया और उनके गुर्गों को इस चेतावनी के साथ दुर्बल आय वर्ग के 72 परिवारों को दिए फ्लैट की चाबी सौंपी। कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर मुख्यमंत्री ने लखनऊ में माफिया से मुक्त कराई गई भूमि पर सरदार वल्लभभाई पटेल आवासीय योजना का लोकार्पण किया। जियामऊ, डालीबाग स्थित एकता वन में आयोजित समारोह में सीएम ने दुर्बल आय वर्ग के परिवारों को फ्लैट के आवंटन पत्र वितरित किए।

इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि यह केवल आवास वितरण नहीं, बल्कि संदेश है कि माफिया से छीनी गई भूमि पर गरीबों का आशियाना बनेगा। उन्होंने कहा कि यह उन लोगों के लिए चेतावनी है जो माफिया को शागिर्द बनाते हैं, उनकी कब्र पर फातिहा पढ़ते हैं, वे गरीबों का शोषण करवाते हैं। अब यूपी में ऐसा नहीं चलेगा। योगी ने कहा कि अगर कोई गरीबों की जमीन पर कब्जा करेगा, अगर कोई सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा करके समाज को डराने-धमकाने का काम करेगा, तो लेने के देने पड़ जाएंगे। यह सरकार जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी दृढ़ता के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि यही नए भारत और नए उत्तर प्रदेश की पहचान है, जहां विकास के साथ धर्म, संस्कृति और परंपरा का संगम है।

मुख्यमंत्री ने लाभार्थी परिवारों से मुलाकात की, उन्हें गृह प्रवेश का सामान भेंट किया, नन्हीं बच्चियों को गोद में लेकर दुलार किया और चॉकलेट बांटी। इस दौरान आवास परिसर में सीएम योगी ने वृक्षारोपण भी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 8000 आवेदनों में 5700 आवेदन योग्य लोगों का था, इसमें से 72 को पहले आवंटन मिला है। मुख्यमंत्री ने सभी 72 लाभार्थियों को आवास की सुविधा मिलने पर उन्हें और उनके परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि इन लोगों को अब अपना सिर उठाकर सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर मिला है। यह प्रधानमंत्री आवास योजना से कवर होगा तो यह और सस्ता व लाभकारी होगा।

सभी जिलों में खुलेगा सरदार वल्लभभाई पटेल इंप्लॉयमेंट सेंटर

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में सरदार वल्लभभाई पटेल इंप्लॉयमेंट सेंटर खुलेगा। क्लस्टर विकसित कर युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट कर उनके लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। जिससे नौजवान रोजी-रोटी की तलाश में बाहर न जाएं। वहीं, राज्यसभा सांसद और उप्र. के पूर्व डीजीपी बृजलाल ने यहां कहा कि आज मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में वह माफियागिरी समाप्त हो चुकी है। कुछ अपराधी मारे जा चुके हैं, कुछ जेल में हैं, कुछ प्रदेश छोड़ भाग गए हैं और कुछ अब माला जप रहे हैं। योगी सरकार में कानून राज स्थापित हुआ है, इसलिए आज निवेशक भी उत्तर प्रदेश पर भरोसा कर रहे हैं। कभी जहां रंगदारी और अपहरण उद्योग चलता था, वहीं आज 40 लाख करोड़ से अधिक का निवेश आ रहा है।

महादेव सट्टेबाजी एप मामले में फरार आरोपी का पता लगाए ईडी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर नाराजगी जताई, कहा- यह अदालत के विवेक को झकझोरता है

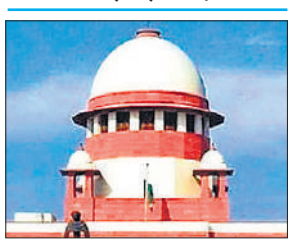

शीर्ष कोर्ट ने ईडी को महादेव सट्टेबाजी ऐप के सह-संस्थापक रवि उप्पल का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। वह दुबई से भागकर किसी अज्ञात स्थान पर चला गया है। न्यायालय ने कहा कि सफेदपोश अपराध के आरोपियों के लिए अदालतों और जांच एजेंसियों को खिलौना बनाने नहीं दिया जा सकता है।

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने आरोपी उप्पल के कानून से बचने पर गंभीर नाराजगी जताई और कहा, यह अदालत के विवेक को झकझोरता है, अब कुछ करना ही होगा। बताया जाता है कि भारत में प्रवर्तन एजेंसियों से बच रहा उप्पल दुबई से किसी अज्ञात स्थान पर भाग गया है, जिसकी वजह से संयुक्त अरब अमीरात प्राधिकारियों ने उसकी प्रत्यर्पण प्रक्रिया रोक दी। न्यायालय ने कहा, ऐसे अपराधियों के लिए अदालतें और एजेंसियां खिलौना नहीं हैं। ईडी उसे जल्द खोजे और गिरफ्तार करे। शीर्ष अदालत उप्पल की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उसने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के 22 मार्च के आदेश को चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने उसे रायपुर की निचली अदालत में लंबित धन शोधन मामले की सुनवाई में शामिल होने का निर्देश दिया था। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने न्यायालय को बताया कि उप्पल 2023 में दुबई में हिरासत में था लेकिन अब वहां से भाग निकला है।

यूपी बोर्ड : परीक्षाएं 18 फरवरी से, पहला पेपर हिंदी का

लखनऊ। एशिया के सबसे बड़े शिक्षा बोर्ड के रूप में शामिल उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल (10वीं) और इंटरमीडिएट (12वीं) बोर्ड परीक्षाओं की तिथि बुधवार को घोषित कर दी है। परिषद की सचिव भावना सिंह के स्तर से जारी आदेश के अनुसार, आगामी वर्ष की परीक्षाएं 18 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर 12 मार्च 2026 तक चलेंगी।

माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट दोनों परीक्षाएं दो पालियों में आयोजित की जाएंगी।

पहली पाली सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक होगी। हाईस्कूल (कक्षा 10) की परीक्षा का पहला प्रश्नपत्र हिंदी का होगा, जो 18 फरवरी को पहली पाली में आयोजित किया जाएगा। इंटरमीडिएट (कक्षा 12) की परीक्षा का आरंभ भी 18 फरवरी को सामान्य हिंदी विषय से होगा।

(विस्तृत पेज-8)

दरोगा ने बसपा नेता को पीटा, छत से नीचे फेंका, अस्पताल में मौत

संवाददाता तिलहर/शाहजहांपुर

- बेटे को पकड़ने गई थी पुलिस दरवाजा तोड़ घर में घुसने का आरोप
- पत्नी ने थाने में दरोगा समेत एक सिपाही पर दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार : पुलिस ने मंगलवार शाम बसपा नेता के बेटे की तलाश में उसके घर पर दबिश दी। आरोप है दरोगा ने मकान की छत पर उन्हें पीटा और छत से धकेल दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज लाया गया जहां उनकी मौत हो गई।

मृतक की पत्नी की तहरीर पर दरोगा राहुल सिसौदिया और एक अन्य साथी पर गैर इरादन हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। वहीं मरने से पहले बसपा नेता का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह दरोगा पर मारपीट और छत से फेंकने का आरोप लगा रहे है। सत्यभान कटरा नंबर तीन से बसपा के जोन प्रभारी थे। तिलहर थाना क्षेत्र के गांव मौजमपुर निवासी रेखा देवी पत्नी सत्यभान ने बताया उसके पुत्र अभिषेक के खिलाफ धारा 307 के तहत अमन शुक्ला, पिंकी शुक्ला, रमनपाल, रामगोपाल निवासी निजामगंज थाना तिलहर ने मुकदमा दर्ज कराया था। मंगलवार शाम 7:30 बजे दरोगा राहुल सिसौदिया अपने एक साथी के साथ बाइक से आए। आरोप है दरोगा और उसके साथी ने दरवाजा तोड़कर घर में घुस गए और बेटे अभिषेक के बारे में पूछा। इसके बाद दोनों लोग छत पर चढ़ गए। आरोप है दरोगा और उसके साथी ने उनके पति सत्यभान सिंह (47) को पकड़ लिया और जाति सूचक शब्द कहते हुए मारने पीटने लगा था।

> सत्यभान की मौत में दरोगा और उसके एक साथी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस अपने स्तर से विवेचना कर रही है।
> – ज्योति यादव, सीओ तिलहर

आस्था की डुबकी

अमरोहा : कार्तिक पूर्णिमा पर तिगरी गंगा में स्नान करने को उमड़े श्रद्धालु। यहां करीब 40 लाख श्रद्धालुओं के स्नान करने का अनुमान है। ● अमृत विचार

ट्रेन की चपेट में आने से 6 महिलाएं कटीं

मिर्जापुर, एजेंसी

- मिर्जापुर में ट्रैक पार कर गंगा स्नान करने जा रही थीं तभी हुआ हादसा

मिर्जापुर में चुनार रेलवे स्टेशन पर बुधवार को ट्रेन की चपेट में आने से छह महिलाओं की मौत हो गई। रेलवे के उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुई जब यात्री 13309 चौपन प्रयागराज पैसेंजर ट्रेन से पटरी वाली तरफ उतर गए।

उन्होंने कहा कि इस दौरान वे सामने से आ रही 12311 नेताजी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए। त्रिपाठी ने बताया कि ये लोग कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए यहां आए थे। पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रशांत वर्मा ने बताया, मरने वालों में सभी महिलाएं हैं, जिनमें से पांच की पहचान हो गई है। अधेड़ उम्र की एक महिला का शव बुरी तरह से क्षत-विक्षत है और उसकी पहचान नहीं हो पाई है।

उन्होंने बताया कि पांच की पहचान सविता (37), साधना (16), शिव कुमारी (12), अंजू देवी (20), और कलावती (50) के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि सभी शव पोस्टमार्टम के लिये मिर्जापुर भेज दिये गए हैं। रेलवे ने कहा कि चौपन प्रयागराज पैसेंजर ट्रेन प्लेटफॉर्म संख्या चार पर रुकी और यात्री फुटओवर ब्रिज होने के बावजूद दूसरी तरफ पटरी वाली ओर उतरने लगे। प्रयागराज मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने कहा, ये यात्री कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए मिर्जापुर आए थे। फुटओवर ब्रिज होने के बावजूद, वे पटरियों से प्लेटफार्म पार कर रहे थे, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई।

मुख्यमंत्री योगी ने पीड़ितों के परिजन के प्रति संवेदना व्यक्त की और अधिकारियों को तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव व राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। राष्ट्रीय और राज्य आपदा मोचन बलों को दुर्घटनास्थल पर पहुंचने का आदेश दिया गया है। केंद्रीय मंत्री और मिर्जापुर की सांसद अनुप्रिया पटेल ने 'एक्स' पर एक संदेश में घटना को लेकर दुख व्यक्त किया।

गर्व के पल

अमेरिका के कई राज्यों के प्रमुख शहरों में हुए मेयर पद के लिए चुनाव

भारतवंशियों का परचम, ममदानी बने न्यूयॉर्क के मेयर

- सिनसिनाटी शहर में आफताब पुरेवैल दूसरी बार मेयर बने

न्यूयॉर्क, एजेंसी

जोहरान ममदानी

आफताब पुरेवैल

गजाला हाशमी

अमेरिका के कई राज्यों के प्रमुख शहरों में मंगलवार को मेयर पद के लिए चुनाव हुए जिनमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने पसंदीदा नेता को चुना लेकिन सबसे दिलचस्प मुकाबला न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के लिए हुए चुनाव में देखने को मिला जिसमें भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने विजयी होकर इतिहास रच दिया। वह अमेरिका के सबसे बड़े शहर के मेयर पद पर आसीन होने वाले पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम व्यक्ति बन गए हैं। वहीं, सिनसिनाटी शहर में आफताब पुरेवैल भी दूसरी बार मेयर चुने गए। वर्जीनिया में गजाला हाशमी लेफ्टिनेंट गवर्नर चुनी गईं।

ममदानी ने 9,48,202 वोट (50.6 प्रतिशत) प्राप्त कर न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का चुनाव जीता, जिसमें 83 प्रतिशत वोट पड़े। वह कई महीनों से न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव की दौड़ में सबसे आगे थे और मंगलवार को उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा तथा दिग्गज नेता एवं न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया, जो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। कुओमो को चुनाव की पूर्व संध्या पर ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त हुआ था। कुओमो को 7,76,547 वोट (41.3 प्रतिशत) मिले जबकि स्लिवा को 1,37,030 वोट मिले। उनकी प्रचार टीम ने कहा था, जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के कामकाजी वर्ग के लोगों के लिए जीवनयापन की लागत कम करने के वास्ते मेयर पद का चुनाव लड़ रहे हैं।

युवा नेता ममदानी को युवाओं और कामकाजी वर्ग के न्यूयॉर्कवासियों के बीच भरपूर समर्थन मिला, जो देश में कठिन आर्थिक और राजनीतिक माहौल के बीच महंगाई और नौकरी की असुरक्षा के बोझ तले दबे हुए हैं। भारतीय मूल के ममदानी प्रसिद्ध फिल्म निर्माता मीरा नायर और कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर महमूद ममदानी के पुत्र हैं। उनका जन्म युगांडा के कंपाला में हुआ था और सात साल की उम्र में वह अपने परिवार के साथ न्यूयॉर्क सिटी आ गए थे।

ममदानी 2018 में ही अमेरिकी नागरिक बने थे। ओहायो के सिनसिनाटी शहर के मेयर पद के लिए भी मंगलवार को चुनाव हुए जिनमें डेमोक्रेट आफताब पुरेवैल ने रिपब्लिकन उम्मीदवार कोरी बोमैन को शिकस्त दी और इस पद पर अपना वर्चस्व बरकरार रखा।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार,6 नवंबर 2025

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

रामकथा के विश्राम के बाद कराया भंडारा

खुटार, अमृत विचार : गांव रुजहा कलां में सिल्हुआ रोड पर कोल्ड स्टोर के समीप बाबा खाटू श्याम का भूमि पूजन होने के बाद मंगलवार रात को रामकथा का आयोजन हुआ। रामकथा में आचार्य अजय कौशल ने भगवान राम के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राजा दशरथ के घर में चार पुत्र राम, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न हुए। चारों पुत्रों ने एक साथ महर्षि वशिष्ठ के आश्रम पर शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद भगवान राम का विवाह, वनवास, सीता हरण प्रसंग सुनाया। उधर, गांव सौफरी निवासी जिला पंचायत सदस्य आनंद पटेल ने बुधवार दिन में ग्यारह बजे से भंडारे का आयोजन कराया। भंडारे में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। साथ ही सेवादारों ने प्रसाद परोसकर पुण्य लाभ अर्जित किया। भंडारे में क्षेत्रवासियों ने सहयोग कर शामिल हुए। इस दौरान भंडारे में भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

मेले में घूम रहे सोहदों को पुलिस ने धुना

कलान, अमृत विचार : रामलीला मेला के मीनाबाजार में बड़ी संख्या में महिलाएं खरीदारी करने के लिए पहुंच रही है। यहां महिलाओं से छेड़छाड़ करने के उद्देश्य से सोहदे पहुंचे रहे है। सूचना पर पहुंचकर पुलिस ने ऐसे लोगों को खोजकर जमकर क्लास लगाई। थाना प्रभारी प्रभाष चंद्र हेड कांस्टेबल मनोज राजपूत एवं कांस्टेबल देवेंद्र चौधरी के साथ पहुंचकर ऐसे युवाओं की धुनाई कर दी, जिससे मेले में हड़कंप मच गया।

ग्राहक बुलाने के विवाद में चले लाठी-डंडे

कलान, अमृत विचार : साप्ताहिक बाजार में दो सब्जी विक्रेता ग्राहक को बुलाने को लेकर आपस में भिड़ गए और जमकर लाठी डंडा बेलचा चले जिसमें दो लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार शाम 3 :30 बजे साप्ताहिक बाजार में जबर सिंह राठौर एवं राजीव राठौर दोनों सब्जी बेचने का काम करते हैं। बताया जाता है कि ग्राहक को बुलाने को लेकर दोनों में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। नगर के ही मोहल्ला धूमनाथ निवासी राजीव राठौर एवं मोहल्ला शांति नगर निवासी जबर सिंह के वृद्ध पिता खुशीराम घायल हो गए। पुलिस घायलों को इलाज के लिए सीएचसी लाई। जहां खुशीराम की हालात नाजुक होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वही मारपीट में घायल राजीव राठौर ने थाने पर प्रार्थना पत्र दे दिया है जबकि खुशीराम की तरफ से अभी तक किसी तहरीर नहीं दी गई है।

रामगंगा तट पर उमड़ा आस्था का सैलाब

कार्तिक पूर्णिमा पर बेला डांडी और खुबपुर अचिंतपुर घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं ने किया स्नान

संवाददाता, जैतीपुर

अमृत विचार: कार्तिक पूर्णिमा पर बुधवार को रामगंगा तट श्रद्धा और आस्था से सराबोर रहा। बेला डांडी, खुबपुर और अचिंतपुर घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हजारों की संख्या में लोगों ने स्नान कर दान-पुण्य अर्जित किया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

मेले में बच्चों और महिलाओं ने चाट-पकौड़ी का आनंद लिया। झूले झूले, खिलौनों की दुकानों पर खरीदारी की और उत्सव का आनंद लिया। पूरे दिन घाटों पर धार्मिक माहौल बना रहा। रामगंगा के बढ़े जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए नदी के किनारे बांस लगाकर रस्सी से बैरीकेटिंग की व्यवस्था की। वहीं मेले में सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस बल की तैनाती की गई। अधिकारियों ने लगातार घाटों का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया।

रामगंगा तट पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर स्नान करते श्रद्धालु और मेले में उमड़ी भीड़। ● अमृत विचार

- दान-पुण्य और भक्ति में डूबे श्रद्धालु, बच्चों ने मेले में उठाया झूले का आनंद

भक्तों ने खमरिया घाट पर लगाई डुबकी

कलान, अमृत विचार : गंगा ढाई घाट एवं अटैना घाट पर बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा गंगा पर्व पर भक्तों ने आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान अव्यस्थाएं एवं जाम की स्थिति बनने से लोगों को परेशानी हुई। अव्यवस्था के कारण ढाई घाट एवं अटैना घाट जाने वाले भक्तों ने खमरिया गंगा तट पर पहुंच कर डुबकी लगाई।

गर्रा नदी में श्रद्धालुओं ने किया स्नान, खिचड़ी भोज का लिया आनंद

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर गर्रा नदी के घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। आसपास के गांवों के सैकड़ों ग्रामीणों ने ब्रह्म मुहूर्त में हर-हर गंगे और जय मां गंगे के जयकारों के साथ पवित्र स्नान कर दान-पुण्य किया। ग्रामीणों का मानना है कि इस दिन गंगा स्नान करने से सभी पापों का नाश होता है और परिवार में सुख-समृद्धि आती है। गांव भरगवां और नागरपाल में लगे पारंपरिक मेलों में स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने प्रसाद खरीदा और गर्रा नदी में अर्पित कर पुण्य अर्जित किया। मेला परिसर में लगी खिलौनों, झूलों, बिसातखानों और मिट्टी के बर्तनों की दुकानों पर बच्चों, महिलाओं और पुरुषों की भीड़ लगी रही। लोग मेले में घूमते और खरीदारी करते हुए उल्लास से सराबोर नजर आए। इस अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस टीम नदी के किनारे और मेला स्थल पर तैनात रही। पुलिस ने सतर्कता के साथ पूरे आयोजन को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया। इस दौरान जगह- जगह खिचड़ी भोज भी हुआ।

उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण कराना अनिवार्य

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड ने मुतवल्लियों से की समय पर रजिस्ट्रेशन की अपील
- शाहजहांपुर में 2500 से अधिक वक्फ संपत्तियों का होना है पंजीकरण

अमृत विचार: जनपद में स्थित सभी वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण भारत सरकार द्वारा विकसित 'उम्मीद पोर्टल' पर 5 दिसंबर तक कराना अनिवार्य कर दिया गया है। जिले में करीब 2500 से अधिक वक्फ संपत्तियां दर्ज हैं, जिनमें मस्जिद, कर्बला, इमामबाड़ा, ईदगाह, दरगाह और कब्रिस्तान जैसी धार्मिक संपत्तियां शामिल हैं।

हालांकि विडंबना यह है कि अधिकांश संपत्तियों के मुतवल्ली (प्रबंधक) को इस बात की जानकारी ही नहीं है कि वे संपत्ति के मुतवल्ली हैं। वहीं कई मामलों में मुतवल्लियों का निधन हो चुका है और वक्फ बोर्ड के अभिलेखों में मृतकों के नाम अब भी दर्ज हैं, जिससे उम्मीद पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया चुनौतीपूर्ण बन गई है। इस संबंध में ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष इकबाल हुसैन उर्फ फूल मियां ने जनपद के तमाम मुतवल्लियों से अपील की है कि वे समय रहते पंजीकरण कार्य पूर्ण कर लें। उन्होंने बताया कि जनपद में कई हेल्प सेंटर बनाए गए हैं, जहां से मुतवल्ली आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। हेल्प सेंटर निम्न स्थानों पर स्थापित किए गए हैं। कोरोकुईया में हाफिज इब्ने अली, तिलहर में इमरान अख्तर एडवोकेट व सैय्यद मतलूब अली, मीरानपुर कटरा में डॉ. असद मियां, तथा मदरसा नुरुल हुदा बिजलीपूरा में जानकारी दी जा रही है। फूल मियां ने कहा कि जो मुतवल्ली अपनी संपत्ति का पंजीकरण निर्धारित समय में नहीं कराएंगे, उनसे सरकार द्वारा जुर्माना वसूला जाएगा। उन्होंने सभी मुतवल्लियों से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर उम्मीद पोर्टल पर संपत्तियों का पंजीकरण कराकर कानूनी जटिलताओं से बचें।

स्मार्ट मीटर के बारे में दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- 400 से अधिक उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं पर ली जानकारी

अमृत विचार: कांट के रामलीला ग्राउंड में मंगलवार को मध्यांचल वन इंफ्रा द्वारा स्मार्ट चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपभोक्ताओं द्वारा किया गया। इस दौरान आम उपभोक्ताओं की स्मार्ट मीटर से जुड़ी शंकाओं का समाधान एक ही मंच पर किया गया। कार्यक्रम में उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के फायदे, बिजली उपयोग में पारदर्शिता, राज्य और देश के विकास में स्मार्ट मीटर की भूमिका और यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप के जरिए बिजली उपभोग की निगरानी करने की जानकारी दी गई।

जोन हेड राजीव रंजन सिंह ने बताया कि स्मार्ट मीटर समय की मांग है। यह योजना न केवल बिजली वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाएगी बल्कि बिजली चोरी जैसी समस्याओं को समाप्त करने में सहायक होगी। उन्होंने कहा कि हर घर में स्मार्ट मीटर लगना तकनीकी विकास की दिशा में बड़ा कदम है। इससे न केवल उपभोक्ता बल्कि राज्य और देश दोनों आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। डीटी मीटरिंग जोन हेड संदीप शर्मा ने कहा कि स्मार्ट चौपाल उपभोक्ताओं के बीच फैली भ्रांतियों को दूर करने में अहम भूमिका निभा रही है। इस कार्यक्रम में 400 से अधिक उपभोक्ता अपनी समस्याएं लेकर आए और सभी का समाधान एक ही मंच पर किया गया। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है कि जल्द ही हर उपभोक्ता के मन का संशय दूर हो जाएगा।

कार्यक्रम में पहुंचे कांट निवासी प्रदीप वर्मा ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उन्हें आशंका थी कि बिजली बिल ज्यादा आने लगेगा, लेकिन स्मार्ट चौपाल में यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप पर वास्तविक खपत दिखाकर स्पष्ट किया गया कि जितनी बिजली की खपत होती है, उतना ही बिल बन रहा है। वहीं विनीत प्रजापति ने कहा कि उनके बिल से जुड़ी शंकाएं भी दूर हो गई हैं। ऐसे सहायता केंद्र उपभोक्ताओं के लिए बहुत जरूरी हैं। कार्यक्रम में रामलीला समिति के अध्यक्ष राम मुरारी मिश्र, भाजपा नगर पंचायत कांट के पूर्व प्रत्याशी योगेश शर्मा, पार्षद लाल जी राठौर, सर्कल इंचार्ज अमित राज समेत सैकड़ों उपभोक्ता उपस्थित रहे। स्मार्ट चौपाल मध्यांचल वन इंफ्रा की एक अभिनव पहल है, जिसमें बिजली विभाग के अधिकारी, स्मार्ट मीटर इंस्टॉल करने वाली कंपनी के प्रतिनिधि और उपभोक्ता एक ही मंच पर संवाद करते हैं। यहां उपभोक्ताओं की समस्याओं और शंकाओं का समाधान तुरंत किया जाता है ताकि उपभोक्ताओं और विभाग के बीच पारदर्शिता और विश्वास कायम रह सके।

सपा ने बैठक में नए वोट बनवाने पर दिया जोर

जैतीपुर, अमृत विचार: समाजवादी पार्टी द्वारा कटरा विधानसभा की मासिक बैठक क्षेत्र के गांव मगनपुर में आयोजित की गई। बैठक में पार्टी की नीतियों और संगठन को मजबूत करने के लिए विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। साथ ही सपा सरकार द्वारा किए गए जनकल्याणकारी कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी कार्यकर्ताओं को दी गई।

विधानसभा अध्यक्ष जितेंद्र पाल श्रीवास्तव ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे गांव-गांव जाकर नए वोटरों को जोड़ने का काम तेज करें। जो भी युवक-युवती 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं, उनके वोट बनवाना सुनिश्चित करें ताकि वे लोकतंत्र की भागीदारी निभा सकें। साथ ही फर्जी वोटरों पर नजर रखने और निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने का भी आग्रह किया।

जिला कारागार में मनाई देव दीपावली

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- दीपों से जगमग हुई जेल, सत्संग और खेल प्रतियोगिता से खुश हुए बंदी

अमृत विचार: जिला कारागार शाहजहांपुर में बुधवार को गुरुनानक जयंती एवं देव दीपावली पर आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कुटिया साहब गुरुद्वारा से आए ग्रंथियों ने बंदियों के बीच गुरु वाणी सत्संग कराया और जीवन में सदाचार, सेवा तथा भाईचारे का संदेश दिया।

सत्संग के दौरान कारागार परिसर में भक्ति भाव का माहौल रहा। इसके बाद देव दीपावली के उपलक्ष्य में पूरी जेल में दीप प्रज्वलन किया गया, जिससे पूरा परिसर दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। बंदियों ने भी उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया और कारागार को स्वच्छ व सुंदर बनाया। उत्सव के क्रम में बंदियों की दो टीमों के बीच मैत्री वालीबॉल मैच भी आयोजित किया गया, जिसमें टीम बिस्मिल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम अशफाक को पराजित किया। जीत के बाद बंदियों में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर जेल अधीक्षक जे.पी. तिवारी, जेलर कृष्ण मुरारी गुप्ता, डिप्टी जेलर सुभाष यादव, राघवेंद्र वर्मा, कृष्ण कुमार पांडे और पूनम तिवारी मौजूद रहे।

गुरुनानक जयंती और देव दीपावली पर दीप प्रज्वलन करते बंदी व जेल अधिकारी।

अधिकारियों ने बंदियों के उत्साह की सराहना करते हुए उन्हें सुसंस्कार और अनुशासन के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

हनुमत धाम में दीपदान के साथ हुई सामूहिक प्रार्थना

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- मंत्री सुरेश खन्ना और एसपी ने लिया सुरक्षा का जायजा
- दीपदान कर मंदिर परिसर को दीपमालाओं से आलोकित किया
- शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ भव्य आयोजन

अमृत विचार: देव दीपावली पर्व के पावन अवसर पर बुधवार को कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत स्थित हनुमत धाम मंदिर परिसर में दीप प्रज्वलन, दीपदान व सामूहिक प्रार्थना कार्यक्रम भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना तथा पुलिस अधीक्षक शाहजहांपुर ने दीप प्रज्वलन कर देव दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

मंत्री सुरेश खन्ना और पुलिस अधीक्षक ने प्रदेश व जनपद के लिए शांति, सौहार्द, समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकारी नगर, क्षेत्राधिकारी ट्रैफिक सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु, भक्तजन तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

देव दीपावली के इस अवसर पर मंत्री व एसपी ने पर्व के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक व सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाज में शांति, आपसी भाईचारे और धार्मिक सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया। उपस्थित जनसमुदाय ने पारंपरिक ढंग से दीपदान कर मंदिर परिसर को दीपमालाओं से आलोकित किया। समारोह पूर्णतः शांतिपूर्ण, गरिमामय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा पर्व के दौरान प्रभावी गश्त बनाए रखने के निर्देश प्रदान किए।

मेले का निरीक्षण करते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना। ● अमृत विचार

शालिग्राम तुलसी का कराया विवाह

शाहजहांपुर, अमृत विचार: शालिग्राम तुलसी का विवाह हर्षोल्लास और श्रद्धाभाव के साथ कराया गया। मंदिर परिसर में भगवान श्री शालिग्राम और माता तुलसी के फेरे कराए गए और वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार समस्त विवाह रस्में पूरी की गईं।

मंदिर से शालिग्राम की बरात निकाली गई जो नगर भ्रमण करती हुई पुनः मंदिर पहुंची। नगरवासियों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ बरात का स्वागत किया। वधू पक्ष की ओर से वर पक्ष का फूलों की वर्षा और हार पहनाकर अभिनंदन किया गया। इस दौरान जय श्री शालिग्राम तुलसी विवाह और राधा नाम संकीर्तन के स्वर गूंजते रहे। विवाह के बाद मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

समायोजित शिक्षकों की वापसी पर जताई आपत्ति

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- न्यायालय के आदेशों के पालन की मांग, बीएसए को सौंपा पत्र

अमृत विचार: समायोजित शिक्षकों की वापसी को लेकर चल रही प्रशासनिक प्रक्रिया पर शिक्षक संगठन ने कड़ा विरोध जताया है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, शाहजहांपुर ने उच्चतम न्यायालय के यथास्थिति बनाए रखने के आदेश का हवाला देते हुए कहा है कि इसके बावजूद जिले के कुछ खंड शिक्षा अधिकारी शिक्षकों पर कार्यस्थल पर लौटने का दबाव बना रहे हैं।

संघ ने इस स्थिति को गंभीर बताते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को एक पत्र सौंपकर न्यायालय के आदेशों के पालन की मांग की है। संघ के जिलाध्यक्ष मुनीश मिश्रा और जिला मंत्री देवेश वाजपेई ने कहा जब तक उच्चतम न्यायालय से कोई नया निर्देश पारित नहीं होता, तब तक किसी भी शिक्षक की नियुक्ति या कार्यस्थल परिवर्तन न्यायालय की अवमानना मानी जाएगी। दोनों पदाधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि शिक्षकों पर इस तरह का दबाव बनाना न केवल नियम विरुद्ध है बल्कि न्यायालय के प्रति असम्मान भी है। उन्होंने अपेक्षा जताई कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी तत्काल मामले का संज्ञान लेकर सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करें ताकि शिक्षकों में असमंजस और भय की स्थिति समाप्त हो सके।

गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व मनाया

पुवायां, अमृत विचार: गुरुद्वारा श्री सिंह सभा में प्रथम सिख गुरु श्री गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से मनाया गया। प्रभात फेरी गुरुद्वारा श्री सिंह सभा से प्रारंभ होकर गुरु नानक बाग तक पहुंची, जिसमें बड़ी संख्या में संगत ने शबद-कीर्तन गाते हुए हिस्सा लिया। फेरी के दौरान "जो बोले सो निहाल" के जयकारों से नगर गूंज उठा।

गुरुद्वारे में दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। दूर-दराज से आई संगत ने गुरुवाणी कथा, शबद-कीर्तन व अरदास में भाग लेकर गुरु नानक देव के उपदेशों का स्मरण किया। इस अवसर पर गुरु का अटूट लंगर चलता रहा, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। बाहर से आए रागी जत्थों ने मधुर शबद-कीर्तन प्रस्तुत कर वातावरण को पूर्णतः भक्तिमय बना दिया।

व्यापारी से फिरौती मांगने वाला नाबालिग गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी, लारेंस गैंग से प्रभावित था

अमृत विचार: पुलिस ने एक व्यापारी से 50 लाख रुपये की फिरौती मांगने के आरोप में एक नाबालिग को बैंगलोर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने खुद को लारेंस विश्नोई गैंग का सदस्य बताया है। पुलिस ने एक मोबाइल बरामद किया है।

निगोही थाना क्षेत्र के सतवां बुजुर्ग गांव के व्यापारी रंजीत सिंह को 31 अक्टूबर को फेसबुक मैसेजर पर काल आई थी। काल करने वाले ने खुदको लारेंस विश्नोई गैंग का ओम सिंह बताते हुए 50 लाख की फिरौती की मांगी थी, न देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने व्यापारी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। पुलिस की जांच में आरोपी की पहचान फतेहपुर निवासी 15 वर्षीय नाबालिग के रुप में हुई। पुलिस की एक टीम बैंगलोर गई।

> आरोपी ने लारेंस विश्नोई गैंग प्रभावित होकर व्यापारी को काल किया था। पूछताछ में उसका लारेंस विश्नाई गैंग से कोई सीधा संबंध नहीं है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।
> -राजेश द्विवेदी एसपी

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान नाबालिग ने बताया कि वह लारेंस विश्नोई की इस्टाग्राफ रील्स से प्रभावित था। उसने फेसबुक पर व्यापारी का मोबाइल नंबर तलाश किया और धमकाना शुरु कर दिया। आरोपी ने बताया कि उसका एक साथी इसी गैंग का सदस्य बनकर लोगों को धमकाता है, जिससे प्रेरित होकर उसने यह कदम उठाया है। आरोपी हाई स्कूल तक पढ़ा है। टीम में एसओजी प्रभारी धर्मेंद्र कुमार उप निरीक्षक मनोज कुमार, वरिष्ठ उप निरीक्षक अमित कुमार थे।

पहल | खिरनीबाग चौराहे पर चला यातायात जन-जागरुकता अभियान

नियमों का पालन करने वालों को मिला सम्मान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: यातायात माह-नवंबर के तहत बुधवार को शाहजहांपुर पुलिस ने खिरनीबाग चौराहे पर विशेष यातायात जन-जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक शाहजहांपुर ने किया, उनके साथ अपर पुलिस अधीक्षक नगर और प्रभारी यातायात भी मौजूद रहे। अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा को मजबूत करना, नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सुरक्षित यातायात की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। अभियान के दौरान यातायात नियमों का पालन कर रहे वाहन चालकों को गुलाब का फूल देकर सम्मानित किया गया, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित हो सके, वहीं नियमों का उल्लंघन करने वालों को विनम्रता पूर्वक जागरूक किया गया और नियमों के पालन की अपील की गई।

हेलमेट लगाने वाले बाइक चालक को फुल देते एसपी। ● अमृत विचार

अभियान में लोगों को हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग, ओवरस्पीडिंग से बचने, नशे में वाहन न चलाने और मोबाइल फोन का प्रयोग न करने के संबंध में विस्तार से समझाया गया। पुलिस अधीक्षक ने मौके पर कहा कि सड़क सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यातायात नियमों का पालन कर हम न केवल स्वयं को बल्कि अपने परिवार और समाज को भी सुरक्षित रखते हैं। सुरक्षित यातायात ही सुरक्षित जीवन की कुंजी है।

अभियान में जनपद व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और सदस्यों ने पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर सक्रिय सहयोग दिया। उपस्थित पदाधिकारियों में सचिन बाथम, रेहान मिर्ज़ा, सरताज अली, लकी खाँ, विनय कुमार गुप्ता, शादान खान, अजमल खान, अशोक गुप्ता, मलिक, दानिश खान, नदीम मियां, आमिर खान, आदिल, ज्ञान चन्द्र, तनवीर, अभिषेक जायसवाल, विनीत अवस्थी, विवेक सहगल, अनीस रज़ा, फुरकान अली, शील गुप्ता, महेन्द्र कुमार दुबे, मधुरेश गुप्ता, अक्षय कदम, शिवांश गुप्ता, सरताज हसन, मजहर आलम, सुहैल, फरीद, संजय सक्सेना सहित अन्य व्यापारीगण उपस्थित रहे।

शाहजहांपुर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करें, मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए वाहन न चलाएं, नशे की हालत में वाहन न चलाएं और स्वयं जागरूक बनकर दूसरों को भी प्रेरित करें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शाहजहांपुर पुलिस सुरक्षित यातायात और जनसहयोग से सुरक्षित समाज निर्माण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

झंडा कलां में मनाया गया तीन दिवसीय उर्स

संवाददाता, शाहजहांपुर

- कुल शरीफ की शुरुआत कुरान ए पाक की तिलावत से हुई

अमृत विचार: महानगर के मोहल्ला झंडा में आस्ताना आलिया झंडा कलां के बुजुर्गाने दीन का तीन दिवसीय सालाना उर्स अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया। इस दौरान जायरीन ने मजार पर गुलपोशी व चादरपोशी कर देश में अमन चैन की दुआएं मांगी।

बुधवार सुबह 10 बजे कुल शरीफ की शुरुआत कुरान ए पाक की तिलावत से हुई। आस्ताना आलिया झंडा कलां के सज्जादा नशीन सैयद जुन्नूरैन उर्फ इम्मू मियां ने बताया कि यहां आस्ताना आलिया झंडा कलां के बुजुर्ग हज़रत सैयद शाह फतेह अली मियां, सैयद तजम्मुल हुसैन उर्फ जम्मन मियां, शाह सैयद अहमद हुसैन मियां बेबाक, सैयद ज़हूरुल हसनैन उर्फ कल्लन मियां, सैयद मोहम्मद अहमद उर्फ जीलानी मियां, सैयद अहमद उर्फ सद्दू मियां रहमतुल्लाह अलैह का तीन दिवसीय सालाना उर्स मनाया गया है।

उन्होंने बुजुर्गाने दीन के आदर्श जीवन और दीनी व इल्मी सेवाओं पर प्रकाश डाला। हाफिज मोहम्मद आलम बरकाती ने कहा कि अल्लाह के वलियों के प्रति अकीदत और मोहब्बत रखना खुश नसीबी की बात है। इस दौरान नात व मनकबत पेश की गई। इस मौके पर हाफ़िज़ मोहम्मद असलम, हाफ़िज़ मोहम्मद कामिल, सैयद गुफरान, सैयद इमरान, सैयद उस्मान, नसीम खां, सिराजुद्दीन खां, वसीम निजामी, जाने आलम, शकील खां, कामरान खान, मोहम्मद जुबैर खान, डाक्टर अब्दुल रशीद, खलीक शौक आदि पहुंचे।

न्यूज ब्रीफ

खेत से पम्प सेट चोरी किसान ने दी तहरीर

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : गांव दारापुर निवासी किसान योगेन्द्र कुमार के खेत से सोमवार की रात चोरों ने सिंचाई के लिए लगी पंप सेट चोरी कर ली। मंगलवार सुबह जब योगेन्द्र खेत पहुंचे तो पंप सेट उन्हें नहीं मिला। उन्होंने आस-पास के गांवों और खेतों में तलाश की, लेकिन पम्प सेट का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना थाना पुलिस को दी और तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। थाना प्रभारी उमेश कुमार मिश्र ने बताया कि चोरी की घटना के खुलासे के लिए मुखबिरों का जाल बिछा दिया गया है और जल्द ही चोरों का पता लगा लिया जाएगा। वहीं पंपिंग सेट चोरी होने से किसान के सामने सिंचाई का संकट आ गया।

किशोरी को भगाने के मामले में पांच पर रिपोर्ट

जलालाबाद, अमृत विचार : किशोरी को भगाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत पांच लोगों के खिलाफ अपहरण की रिपोर्ट दर्ज की है। किशोरी की मां ने बताया 28 अक्टूबर की शाम 4 बजे वह बेटी के साथ जलालाबाद बाजार आई थीं। इसी दौरान बरेली के फतेहगंज पूर्वी थाना क्षेत्र के टिसुआ गांव निवासी युवक रोहित उनकी बेटी को भगाकर ले गया। रोहित जलालाबाद थाना क्षेत्र के अमापुर गांव में अपने मौसा हरीशंकर जाटव के यहां अक्सर आता-जाता था। वहीं उसकी मुलाकात किशोरी से हुई थी। वह लगातार मोबाइल फोन से बात करता था और चोरी-छिपे मिलत भी था। पीड़िता की मां ने आरोप लगाया इस घटना में रोहित के पिता नरेश, मौसा हरीशंकर जाटव, मौसा का बेटा अरविंद, फूफा और उसका दोस्त वासिब भी शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर नाबालिग किशोरी की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तलाश शुरू कर दी है।

तमंचा-कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

तिलहर, अमृत विचार : पुलिस ने गश्त के दौरान एक युवक कोतमंचा -कारतूस के साथ गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि नगरिया चौकी प्रभारी विशेष कुमार मंगलवार शाम 6 :45 बजे पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे। इसी दौरान हाईवे पर गांव कपसेड़ा निवासी रजनीश कुमार उर्फ रंजीत बाबा संदिग्ध हालात में दिखाई दिया। पुलिस ने उसे घेराबंदी कर दबोच लिया। जामा तलाशी के दौरान उसके पास से 315 बोर का तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए।

रुबी की गला दबाकर की थी हत्या

शाहजहांपुर, अमृत विचार : नाबालिग बेटी के प्रेमी से बात करने से नाराज पिता ने मंगलवार को बेटी की डंडा मारकर हत्या कर दी थी। बुधवार को पुलिस ने मृतका का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह गला दबाने से आई। रोजा थाना क्षेत्र के गांव सुतनेरा निवासी रुबी के शव का पुलिस ने पोस्टमार्टम से पैनल कराया। एक महिला डॉक्टर और दो डॉक्टरों ने पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम के समय वीडियो ग्राफी कराई गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसके गले पर डंडा रखकर गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई है। जबकि पुलिस ने आरोपी पिता नूर मोहम्मद को जेल भेज दिया है।

मेरे पति ने क्या बिगाड़ा था, पुलिस ने क्यों की हत्या

मृत बसपा नेता की पत्नी ने पुलिस अधिकारियों से विलाप करते हुए कहा, आरोपी दरोगा को सजा मिलनी चाहिए

संवाददाता तिलहर/शाहजहांपुर

अमृत विचार: बसपा नेता सत्यभान की पत्नी रेखा सिंह मेडिकल कॉलेज के पोस्टमार्टम हाउस पर पुलिस अधिकारियों के सामने फफक-फफक कर रोते हुए कह रही थी कि मेरे पति ने क्या बिगाड़ा था, जो दरोगा और उसके साथी उनकी जान ले ली। पुलिस से कहा था कि बेटे को हाजिर करा देंगे। पुलिस रोजाना घर पर आकर परेशान कर रही थी।

मृतक बसपा नेता सत्यभान की पत्नी सीओ तिलहर और तिलहर प्रभारी निरीक्षक के सामने काफी चीख-चीखकर रो रही थी। वह कह रही थी कि मेरे बेटे अभिषेक ने कोई फायर नहीं किया था, पुलिस ने साठगांठ करके उसके बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। पुलिस अधिकारियों के पास गयी और किसी ने नहीं सुनी। दरोगा राहुल सिसोदिया रोजाना उसके घर पर आकर कहते थे कि बेटा कहां है। दरोगा ने नाम निकालने के लिए सुविधा शुल्क की मांग की थी। वह रोते कहे रही थी कि उसका बेटा बाहर गया है और आ जाने पर हाजिर करा दूंगा। आरोपी दरोगा ने उसकी एक नहीं सुनी और जबरन घर में घुस गए। दरोगा ने मेरे पति को मारा पीटा और छत से धक्का दे दिया, जो पड़ोसी की छत जाकर गिरे। दरोगा बेवजह घर आकर परेशान कर रहे थे। साहब मेरे पति ने क्या बिगाड़ा था, जो दारोगा और उसके साथी ने जान ले ली। उसने मांग का सिन्दुर उजाड़ दिया और घर बर्बाद कर दिया।सीओ ज्योति यादव और तिलहर प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार उससे पूछताछ कर रहे थे। लेकिन पति की मौत में उसके आंसू नहीं रुक रहे थे। पुलिस अधिकारी के सामने बेहोश हो गई। लोगों ने उसे पकड़कर एक स्थान पर बैठा दिया। पति का शव सामने देखकर उसके आंसू नहीं रुक रहे थे। कई बार बेहोश हो जाने पर उसकी सास व अन्य लोगों ने उसको पानी पिलाया।

पत्नी पर टूटा दुखों का पहाड़

मृतक बसपा नेता सत्यभान के परिवार उनकी पत्नी रेखा सिंह, तीन बेटे कुलदीप, अभिषेक और अनमोल है। कुलदीप फोटोग्राफर है, जो शादी में गया था। अभिषेक डेढ़ महीने से बाहर है और अनमोल दिल्ली में है। बसपा नेता कपड़े की फेरी लगाकर परिवार का पालन पोषण करते थे। मृतक बसपा नेता के दो भाई और है। उनकी मां का नाम रीता देवी है। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया।

> पुलिस ने हत्या के प्रयास के आरोपी के घर पर दबिश देने गई थी। आरोपी के पिता घायल हो गए और अस्पताल में मौत हो गयी। मुकदमा दर्ज करके जांच कराई जा रही है।
>
> -राजेश द्विवेदी एसपी

मृतक की पत्नी विलाप करतीं हुई।

पोस्टमार्टम हाउस पर खड़े बसपा नेता। ● अमृत विचार

बसपा नेता एफआईआर के लिए भिड़े रहे

बसपा नेता एफआईआर के लिए अधिकारियों से भिड़े रहे। बसपा नेताओं और मृतक के परिवार वालों ने कहा कि रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई तो अस्पताल गेट पर जाम लगा देंगे। पुलिस अधिकारी वरिष्ठ अधिकारियों से बराबर फोन पर बात करते रहे। आखिर में रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश हुए। बसपा नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल को घटना से अवगत करा दिया था। बसपा जिलाध्यक्ष उदयवीर गौतम, मंडल कोआर्डिनेटर राजेश्वर सिंह, महानगर अध्यक्ष राशिद कुरैशी, हरिराम कश्यप, चंद्र केतु मौर्य, नेत्रपाल गंगवार आदि मौजूद रहे।

सीओ ज्योति यादव बसपा नेताओं से बातचीत करती हुई। ● अमृत विचार

लोडर की टक्कर से ई-रिक्शा पलटा आठ लोग घायल

खुटार, अमृत विचार: गांव नवदिया नवाजपुर निवासी ई-रिक्शा चालक फरमान (24) ने बताया वह गांव से एक ही परिवार के सात लोगों को ई-रिक्शा में बैठाकर खुटार खरीदारी करने के लिए लाया था। दोपहर बाद 3 बजे वापस गांव जा रहा था। खुटार-पूरनपुर रोड निर्माणाधीन ओवरब्रिज के पास मैलानी रोड की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार डीसीएम ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा पर सवार गांव नवदिया नवाजपुर निवासी हसबुन्ना, मफरत जहां (10), अफसाना पत्नी पप्पू, अफसाना पत्नी सब्बू, और डेढ़ वर्षीय पुत्री गुदा, सीमा, सीमा की पुत्री अनन्या घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने घायलों को खुटार सीएचसी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने हसबुन्ना पत्नी जब्बार व मफरत जहां की हालत गंभीर देख जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। ई-रिक्शा चालक फरमान सहित छह लोगों को डॉक्टर ने मरहम पट्टी कर छुट्टी दे दी।

घायल चालक।

लापता राजमिस्त्री का शव झाड़ी में मिला

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● चेहरे पर मिले चोट के निशान पुलिस कर रही जांच

अमृत विचार: घर से दो दिन से लापता राजमिस्त्री का शव शव गर्रा और खन्नौत नदी में हाईवे पर सड़क के किनारे झाड़ियों में मिला है। उसके चेहरे पर चोट के निशान है।

चौक कोतवाली के मोहल्ला नवादा इंदेपुर निवासी विशंभर दयाल (55) राजमिस्त्री का काम करता था। वह काफी समय से बीमार चल रहे थे। 2 नवंबर की रात किसी समय घर से बिना बताए निकले थे। परिवार वालों ने सुबह देखा तो मकान का मुख्य दरवाजा खुला हुआ था और विशंभर दयाल घर पर नहीं थे। परिवार वालों ने उनकी तलाश की और पता नहीं चला। अनिल ने भाई के लापता होने की सूचना चौक कोतवाली पर दी। उनका शव गर्रा और खन्नौत नदी पुल के बीच सड़क के किनारे झाड़ियों में बुधवार सुबह मिला। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक और परिवार वाले मौके पर पहुंच गए। मृतक राजमिस्त्री के चेहरे पर चोट के निशान थे। उनकी शादी नहीं हुई थी। दो भाइयों में बड़े थे। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मेडिकल कॉलेज गेट पर हुआ महिला का प्रसव

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● मृत भ्रूण को गेट पर छोड़कर महिला गई निजी अस्पताल

● पुलिस ने महिला को खोजकर मेडिकल कॉलेज में कराया भर्ती

अमृत विचार: राजकीय मेडिकल कॉलेज के गेट के बाहर एक महिला का प्रसव हो गया, उसने एक मृत भ्रूण को जन्म दिया। महिला की बिगड़ती हालत देखकर परिजन ने उसे एक निजी अस्पताल में ले गए। इस दौरान भ्रूण अस्पतात गेट के पास पड़ा रहा। मेडिकल कॉलेज के स्टाफ ने भ्रूण को उठाया। इससे मेडिकल कालेज प्रशासन में हड़कंप मच गया। पुलिस ने महिला को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया।

रोजा थाना क्षेत्र के मठिया कॉलोनी निवासी धर्मेंद्र कुमार ट्रक चलाता है। उसकी 26 वर्षीय पत्नी लक्ष्मी घर पर रहती है, जो छह माह की गर्भवती थी। कुछ दिनों से उसे पीड़ा हो रही थी। सोमवार को मेडिकल कॉलेज में आई और महिला डॉक्टर को दिखाने के बाद घर चली गई। बुधवार सुबह 11 बजे उसके पेट में फिर दर्द उठा और ननद नीरजा और बेटी के साथ ई-रिक्शे पर बैठकर मेडिकल कॉलेज के लिए निकली। वह दोपहर 12 बजे मेडिकल कॉलेज गेट पर पहुंची। यहीं पर उसका प्रसव हो गया। उसने एक मृत भ्रूण को जन्म दिया। उसकी ननद घबरा गई। उसने लोगों की मदद से एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। इस दौरान मृत भ्रूण मेडिकल कॉलेज गेट की दीवार के पास पड़ा रहा। लोगों ने मेडिकल कालेज प्रशासन को सूचना दी। मेडिकल कालेज का स्टाफ आया और मृत भ्रूण को ट्रे में रखकर ले गया। इधर पुलिस को सूचना दी गयी। पुलिस ने महिला का पता करके उसको मेडिकल कालेज में लाकर भर्ती कराया। महिला का इलाज चल रहा है। मेडिकल कालेज प्रशासन ने मृत भ्रूण की सूचना कोतवाली को दे दी है।

> महिला की मेडिकल कॉलेज के गेट के बाहर डिलीवरी हुई थी। वह मेडिकल कॉलेज के अंदर नहीं पहुंच पाई थी। उसका मेडिकल कॉलेज से ट्रीटमेंट नहीं चल रहा था। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में महिला को घर से जल्दी अस्पताल के निकलना चाहिए, जिससे डिलीवरी अस्पताल में हो सके।
>
> -डॉ. राजेश कुमार प्राचार्य राजकीय मेडिकल कॉलेज

ठेला चालक का शव पेड़ पर फंदे से लटका मिला

संवाददाता, शाहजहांपुर

● परिजनों के अनुसार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था दीपक

अमृत विचार: खुदागंज क्षेत्र में एक सब्जी विक्रेता का शव पुरानी बाजार में टावर के पास पेड़ से लटका मिला है। लोगों की भीड़ जमा हो गई। परिवार वाले मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

कस्बा खुदागंज निवासी दीपक निगोही (35) मोड़ पर ठेला लगाकर सब्जी बेचता था। बुधवार की सुबह सात बजे वह ठेली लेकर घर से निकला। एक घंटे बाद उसका शव पुरानी बाजार के निकट एक आम के पेड़ से रस्सी से लटका हुआ मिला। शव लटका देखकर लोगों की भीड़ लग गई। मृतका की पत्नी रानी देवी परिवार वालों के साथ मौके पर पहुंची और देखा कि उसके पति का शव लटका हुआ है। उन्होंने खुदागंज थाना पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतार लिया। उसकी जेब से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिवार वालों ने बताया मृतक दीपक कई दिन से आर्थिक तंगी के कारण मानसिक रूप से परेशान था। परिवार वालों को कोई आरोप नहीं है। मृतक की पत्नी और दो बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

स्नान करने जा रहे श्रद्धालुओं का ई-रिक्शा पलटा, कई लोग घायल

जैतीपुर, तिलहर

● ओवर टेक करते समय ट्रक ने मारी साइड

अमृत विचार: दातागंज स्टेट हाईवे पर बुधवार सुबह लगभग10 बजे बड़ा हादसा हो गया। खैरपुर की ओर से गंगा स्नान को जा रहे श्रद्धालुओं से भरा एक ई-रिक्शा नौगवा गोविंदपुर के पास स्थित बालाजी मंदिर के निकट पलट गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया किसी वाहन को ओवरटेक कर रहे ट्रक ने ई-रिक्शा को साइड मार दी, जिससे वह असंतुलित होकर हाईवे के किनारे पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा में सवार कई श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए और ई-रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद ई- रिक्शा में सवार लोगों में चीख- पुकार मच गई। घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल पहुंचकर किसी तरह ई-रिक्शा में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और प्राथमिक सहायता दी। सूचना मिलने पर नवादा मोड़ चौकी प्रभारी इतेश तोमर मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक घायल एंबुलेंस से अस्पताल भेजे जा चुके थे। चौकी प्रभारी ने बताया कि घायलों की संख्या और नाम-पते की जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बीपीएम राशिद खान ने बताया कि अस्पताल में इस हादसे से संबंधित कोई घायल नहीं लाया गया है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में एक निजी एंबुलेंस संचालित होती है, जो दुर्घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर घायलों को सरकारी एंबुलेंस से पहले बरेली के निजी अस्पतालों में ले जाती है। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जबकि पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। वहीं लोगों ने आरोप लगाया मेला होने के बाद भी बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक नहीं लगाई गई।

मरघट की भूमि खाली करने को पुलिस ने कराई मुनादी

संवाददाता, जलालाबाद

● अवैध कब्जों को लेकर प्रशासन हुआ सख्त, अधिकारियों ने किया स्थल निरीक्षण

अमृत विचार: गांव रौली बौरी में मरघट की भूमि पर किए गए कब्जों को लेकर प्रशासन सख्त हो गया है। सोमवार तक भूमि खाली करने की चेतावनी देते हुए मुनादी कराई गई है। निर्धारित समय सीमा के बाद भी अतिक्रमण न हटाए जाने पर प्रशासन ने बुलडोजर चलाने की चेतावनी दी है।

गांव की मरघट भूमि पर दूसरे संप्रदाय के लोगों ने कब्जा कर लिया है, जिसे लेकर भारतीय बजरंग दल पिछले तीन साल से आंदोलन कर रहा है। आंदोलन के दबाव और बढ़ते विवाद को देखते हुए अपर जिलाधिकारी प्रशासन रजनीश कुमार, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दीक्षा अरुण भामरे, उप जिलाधिकारी प्रभात राय तथा थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मौके पर चिन्हित अतिक्रमण को देखते हुए संबंधित व्यक्तियों को स्वयं हटाने के निर्देश दिए। साथ ही सोमवार तक भूमि खाली करने की मुनादी कराई गई। प्रशासन ने स्पष्ट कहा है कि यदि सोमवार तक अवैध निर्माण नहीं हटाए गए तो बलपूर्वक कार्रवाई कर कब्जे ध्वस्त कर दिए जाएंगे।

उधर, भारतीय बजरंग दल के कार्यकर्ता इस प्रकरण को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं। संगठन ने 17 नवंबर को तहसील मुख्यालय पर विशाल धरना-प्रदर्शन का ऐलान किया है। इसके लिए कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर जनसमर्थन पदयात्रा कर रहे हैं। बढ़ती हलचल को देखते हुए प्रशासन ने सक्रियता दिखाई और अतिक्रमण हटवाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। इस संबंध में तहसीलदार अनुराग द्विवेदी ने बताया कि प्रशासनिक टीम ने मरघट की भूमि पर कब्जों को लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है और चिन्हित अतिक्रमणकारियों को भूमि तत्काल खाली करने का निर्देश दिया गया है।

रौली बौरी गांव में मरघट की भूमि पर हुए अवैध कब्जों का निरीक्षण करते अधिकारी।

आयोजन

स्वामी शुकदेवानंद खेल महोत्सव में छात्रों संग स्टाफ ने भी दिखाया अपना कौशल

तीसरे दिन खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, उत्साह से भरा रहा मैदान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: स्वामी शुकदेवानंद खेल महोत्सव के तीसरे दिन खेल मैदानों में जोश और प्रतिस्पर्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। मुमुक्षु शिक्षा संकुल की सभी संस्थाओं के खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। फुटबॉल प्रतियोगिता श्री शंकर मुमुक्षु विद्यापीठ के परिसर में आयोजित हुई, जबकि लंबी कूद, रिले दौड़, 200 मीटर और 400 मीटर दौड़ की प्रतियोगिताएं स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज परिसर में हुईं।

खिलाड़ियों की हौसला अफजाई के लिए रूहेलखंड विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार सिंह मौजूद रहे। उन्होंने प्रतिभागियों को अनुशासन, लगन और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। प्रतियोगिताएं खेल एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अजीत सिंह चारग और कार्यक्रम संयोजक डॉ प्रांजल शाही के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुईं।

प्रतियोगिताओं के दौरान डॉ अवनीश मिश्र, डॉ संजय सिंह, मनोज पांडेय, ज्ञानेन्द्र सिंह, प्रो देवेंद्र सिंह, डॉ जयशंकर ओझा, प्रो अनुराग अग्रवाल, डॉ आलोक सिंह, डॉ शालीन सिंह, डॉ रमेश चंद्रा, डॉ सुजीत वर्मा, डॉ संदीप अवस्थी, मेजर अनिल मालवीय, अक्षत दीक्षित और अरुण कुमार समेत अनेक शिक्षाविद मौजूद रहे। फुटबॉल प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में एसएसएमवी और सीनियर वर्ग में एस एस कॉलेज विजेता रहे। 100 मीटर दौड़ में जूनियर बालक वर्ग में अंश मोहन मिश्रा स्वामी धर्मानंद सरस्वती इंटर कॉलेज और जूनियर बालिका वर्ग में अनुष्का कटारिया एसएसएमवी ने बाजी मारी। 200 मीटर दौड़ में सीनियर बालक वर्ग में सत्येंद्र यादव एसएस लॉ कॉलेज, सीनियर बालिका वर्ग में दुर्गा एसएस कॉलेज, जूनियर बालक वर्ग में उदय राज स्वामी धर्मानंद सरस्वती इंटर कॉलेज और जूनियर बालिका वर्ग में शगुन कुमारी एसएसएमवी प्रथम रहीं।

400 मीटर दौड़ में सीनियर बालक वर्ग में अभिषेक एसएस कॉलेज, सीनियर बालिका वर्ग में गुनगुन एसएस कॉलेज तथा जूनियर बालक वर्ग में उस्मान अली स्वामी धर्मानंद सरस्वती इंटर कॉलेज विजेता रहे। लंबी कूद में सीनियर बालक वर्ग में सत्येंद्र यादव एसएस कॉलेज, सीनियर बालिका वर्ग में वृंदा एसएस कॉलेज, जूनियर बालक वर्ग में विशाल राठौर स्वामी धर्मानंद सरस्वती इंटर कॉलेज और जूनियर बालिका वर्ग में पल्लवी एसएसएमवी विजेता घोषित की गईं। 4×100 मीटर रिले में सीनियर बालक वर्ग में एस एस लॉ कॉलेज, सीनियर बालिका वर्ग में एस एस कॉलेज, जूनियर बालक वर्ग में स्वामी धर्मानंद सरस्वती इंटर कॉलेज और जूनियर बालिका वर्ग में एसएसएमवी विजेता रहे। वहीं 4×200 मीटर रिले में सीनियर बालक और बालिका दोनों वर्गों में एस एस कॉलेज ने जीत दर्ज की, जबकि जूनियर बालक वर्ग में स्वामी धर्मानंद सरस्वती इंटर कॉलेज विजेता रहा। स्टाफ प्रतियोगिताओं में भी शिक्षकों ने उत्साह के साथ भाग लिया। रस्साकशी में एसएस कॉलेज विजेता रहा। 50 मीटर दौड़ में 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में डॉ मृदुल पटेल, 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में डॉ बलवीर शर्मा और 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में मेजर अनिल मालवीय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक प्रतियोगिता में महिला वर्ग में अनामिका शुक्ला एसएस कॉलेज और पुरुष वर्ग में अमित कुमार एसएस लॉ कॉलेज विजेता रहे। खेल महोत्सव के तीसरे दिन कॉलेज परिसर में उत्साह और खेल भावना का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर सभी को प्रेरित किया और प्रतियोगिताओं के माध्यम से खेल की सच्ची भावना का परिचय दिया।

रस्साकशी प्रतियोगिता में हिस्सा लेता कॉलेज स्टाफ। ● अमृत विचार

फुटबॉल प्रतियोगिता में हिस्सा लेते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

सड़क हादसों में महिला समेत दो लोगों की मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● हादसे के बाद वाहन छोड़कर भाग निकला ट्रक चालक

अमृत विचार: जिले में अलग-अलग स्थानों पर सड़क दुर्घटनाओं में महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। अल्हागंज क्षेत्र में खड़ी महिला की ट्रक से टक्कर से मौत हो गई। कलान क्षेत्र में अज्ञात वाहन से टकराकर बाइक सवार की मौत हो गई।

कटरा थाना क्षेत्र में गांव जल्लापुर निवासी 22 वर्षीय रवि कुमार दो दिन पहले किसी काम से कलान क्षेत्र में गए थे। वह बाइक से कलान से कटरा लौट रहे थे। रास्ते में अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार रवि घायल हो गया। परिवार वालों ने उसे फर्रुखाबाद के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया था। परिवार वाले उसे लेकर बरेली जा रहे थे, रास्ते में मौत हो गई। उसकी शादी नहीं हुई थी और दो भाइयों में बड़ा था। मौत की खबर से परिवार में रोना- पीटना मच गया। चालक वाहन लेकर भाग गया। परिवार वाले उसका शव लेकर कलान थाना पहुंचे। कलान थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं अल्हागंज थाना क्षेत्र के गांव दहेना निनासी रामवीर की पत्नी बिटाना देवी (42) सोमवार को बैंक आफ बड़ौदा के सामने सड़क के किनारे खड़ी थी। इस दौरान अल्हागंज से जलालाबाद की ओर आ रहे ट्रक ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गई, उसे सीएचसी पर लाया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

न्यूज ब्रीफ

मोबाइल लूट के दो आरोपी गिरफ्तार

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कटरा प्रभारी निरीक्षक जुगुल किशोर ने बताया नरेंद्र निवासी बिल्लीगंज थाना कटरा और विनोद कश्यप निवासी तहबरगंज थाना तिलहर के खिलाफ मोबाइल लूट का मुकदमा दर्ज था। दोनों तभी से फरार चल रहे थे। पुलिस ने दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और दो मोबाइल बरामद किए है। पुलिस ने दोनों का चालान कर दिया।

बाइक समेत चोर को पकड़ा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : बंडा पुलिस ने बताया कि आलोक शुक्ला निवासी धुंधवाई थाना बंडा के खिलाफ साइकिल चोरी का मुकदमा दर्ज था, जो फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपी आलोक को गिरफ्तार कर चोरी की पांच बाइक बरामद की है। आरोपी का चालान कर दिया।

तमंचा समेत बदमाश गिरफ्तार

शाहजहांपुर, अमृत विचार : तिलहर पुलिस के उप निरीक्षक विशेष कुमार ने रजनीश कुमार निवासी कपसेड़ा थाना तिलहर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से तमंचा और दो कारतूस बरामद किए है। पुलिस ने अभियुक्त का चालान कर दिया।

गुरु नानक देव का 556 वां प्रकाश पर्व मनाया

विशेष गुरमत समागम में दरबार अमृतसर से आए रागी जत्थे ने किया शबद कीर्तन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: गुरु नानक देव के 556 वें प्रकाश पर्व के अवसर पर बुधवार को गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा कचहरी में विशेष गुरमत समागम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दरबार अमृतसर से पधारे रागी भाई पलविंदर सिंह ने संगत के बीच श्री गुरु नानक देव की वाणी का मधुर कीर्तन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत श्री अखंड पाठ के भोग से हुई, जिसे सरदार राजेंद्र सिंह पमाया द्वारा प्रारंभ कराया गया था। स्त्री सुखमनी सेवा सोसायटी द्वारा पांच श्री जपुजी पाठ किए गए। इसके उपरांत हजूरी रागी भाई बेयंत सिंह और भाई जसपाल सिंह ने भी गुरबाणी कीर्तन कर संगत को निहाल किया। दीवान का संचालन करते हुए सरदार जगजीत सिंह ने गुरु नानक देव के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका अवतार इसी दिन राय भोए दी तलवंडी, जो अब पाकिस्तान में श्री ननकाना साहिब के नाम से प्रसिद्ध

माथा टेकने पहुंचे एसपी राजेश द्विवेदी। ● अमृत विचार

श्री गुरु सिंह सभा में कीर्तन करते रागी भाई। ● अमृत विचार

● डीएम और एसपी ने माथा टेका संगत ने लिया आशीर्वाद

● गुरुद्वारे को झालरों और पुष्पों से सजाया गया, चला अखंड लंगर

है, में मेहता कालू के घर हुआ था। उन्होंने चार बड़े धार्मिक यात्राओं के माध्यम से विश्वभर में सत्य, सेवा और नाम-सुमिरन का संदेश दिया। रागी भाई पलविंदर सिंह ने कीर्तन के दौरान बताया कि गुरु नानक देव ने प्रत्येक स्थान पर जाकर पापियों का उद्धार किया और मानवता को किरत करो, नाम जपो, वंड छको का उपदेश दिया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह एवं पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने गुरुद्वारा पहुंचकर माथा टेका और गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। संस्था अध्यक्ष कमलेश कौर माटा, वरिष्ठ मीत प्रधान सरदार जुझार सिंह मोंगा, महासचिव हरभजन सिंह दुआ और जगजीत सिंह ने अतिथियों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। गुरुद्वारा परिसर को रंग-बिरंगी झालरों और पुष्पों से सजाया गया था। पालकी को विशेष रूप से फूलों से सुसज्जित किया गया, जिसमें श्री गुरु ग्रंथ साहिब विराजमान रहे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ सुबह से ही दर्शन के लिए उमड़ पड़ी। लंगर सेवा में सरदार मंजीत सिंह, जसपाल सिंह, गुरमीत सिंह गांधी, मनमीत सिंह, राजेंद्र कौर, रानी ढींगरा, कीरत माटा, जैस्मिन कौर, अरविंदर कौर, मनमोहन कौर, जसमीत सिंह, मनदीप कौर, मनी बग्गा आदि का विशेष सहयोग रहा। जोड़ो की सेवा अरविंदर सिंह, हरमीत सिंह और सुरेंद्र सिंह ने निभाई। कार्यक्रम में परमजीत सिंह बग्गा, गुरबचन सिंह माटा, हरजीत कौर, डिम्पल होरा, नवनीत कौर, रघुबीर कौर, राजेंद्र सिंह मिंटू, बिट्टू बजाज, अवतार सिंह मोंगा, गोबिंद सिंह, दलजीत सिंह, कुलदीप सिंह, शरणजीत कौर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में संस्था अध्यक्ष कमलेश कौर माटा ने संगत, सेवादारों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया और सभी को गुरु नानक देव के उपदेशों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया।

दरोगा पर व्यापारी को चांटा मारने का आरोप

बदायूं,अमृत विचार : उझानी के एक सर्राफा व्यापारी प्रखर अग्रवाल ने मंगलवार रात रेलवे स्टेशन पर दरोगा पर उनके साथ अभद्र व्यवहार करने और चांटा मारने का आरोप लगाया है। दोनों के बीच नोकझोंक का वीडियो भी सामने आया है। मामले की जांच सीओ रेलवे करेंगे।

कस्बा उझानी के मोहल्ला श्रीनारायणगंज निवासी प्रखर अग्रवाल सर्राफा व्यापारी हैं। वह पुरानी अनाज मंडी के पास दुकान चलाते हैं। व्यापारी का आरोप है कि वह अपने दोस्त के साथ टहलने के लिए रेलवे स्टेशन गए थे। उन्होंने प्लेटफार्म टिकट भी खरीदा था। वह प्लेटफार्म पर एक बेंच पर बैठ गए। प्रखर के अनुसार एक दरोगा उनके पास पहुंच गए। व्यापारी से पूछा कि रेलवे स्टेशन पर क्या कर रहे हो। व्यापारी ने टहलने आने की बात कही तो आरोप है कि दरोगा ने उनके साथ गाली-गलौज की।

गुरु नानक जयंती पर दी बधाई

कार्यक्रम में शामिल होते सपा जिलाध्यक्ष तनवीर खान व अन्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● गुरुद्वारा पहुंचकर सपा नेताओं ने सिख समाज से की मुलाकात

अमृत विचार: सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर बुधवार को सपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन तनवीर खान और सपा महानगर अध्यक्ष चौधरी रामकुमार भोजवाल ने शाहजहांपुर कचहरी स्थित गुरुद्वारे में आयोजित गुरु नानक जयंती कार्यक्रम में शामिल होकर सिख समाज के लोगों से मुलाकात की और सभी को गुरु नानक जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

इस मौके पर गुरुद्वारे में श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा। कार्यक्रम में व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष सरदार कुलदीप सिंह दुआ, सरदार जवाहर सिंह टुटेजा, सरदार प्रेम सिंह, सरदार डिंपल सिंह, सपा महानगर उपाध्यक्ष असलम खान, सिद्दीक खान, सत्यपाल मेहता, नीलम, सरदार पारस टुटेजा, सरदार गगन टुटेजा, हरप्रीत कौर, चरनजीत कौर, प्रेमजीत कौर, रानू खान, आरिफ खान और यश मौर्य सहित कई समाजवादी कार्यकर्ता मौजूद रहे। नेताओं ने गुरु नानक देव के उपदेशों को समाज में एकता, प्रेम और भाईचारे का प्रतीक बताया और सभी से उनके दिखाए मार्ग पर चलने की अपील की।

श्रीराम -रावण में हुआ भीषण संग्राम

संवाददाता, अल्हागंज

● बुराई पर अच्छाई की जीत के जयकारों से गूंज उठा अल्हागंज

अमृत विचार: कार्तिक मास की पूर्णिमा पर अल्हागंज नगर में भगवान श्रीराम और लंकाधिपति रावण के मध्य भीषण संग्राम का ऐतिहासिक मंचन किया गया। रावण दहन के दृश्य ने दशहरा मैदान को जय श्रीराम और हर-हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान कर दिया। नगर के फर्रुखाबाद बाईपास मार्ग से शुरू हुआ यह प्रतीकात्मक संग्राम मध्य बाजार होते हुए रामलीला ग्राउंड तक पहुंचा, जहां भगवान श्रीराम द्वारा रावण वध का दृश्य प्रस्तुत किया गया।

रामलीला के इस मंचन में श्रीराम की सेना और रावण के सैनिकों के बीच धनुष, बाण और भाले से युद्ध हुआ। रावण मारे जाने पर उसके पुतले को जलाया गया, जो धू-धूंकर जल उठा और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक बना।

मेले की व्यवस्था में मेला अध्यक्ष और भाजपा जिला महामंत्री अनिल गुप्ता, प्रबंधक गौरव गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष रमेश अग्निहोत्री, संयोजक राम लखन मिश्रा सहित पूरी समिति और थाना प्रभारी ओम प्रकाश पुलिस बल के साथ पूरे समय स्थल पर मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था के बीच रावण दहन का कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ।

रामलीला मैदान में जलता रावण।

संभल में बदायूं के युवक की गंगा में डूबकर मौत

संभल,अमृत विचार: संभल के जुनावई क्षेत्र स्थित असदपुर गंगा घाट पर कार्तिक पूर्णिमा स्नान के दौरान बदायूं का युवक डूब गया। कई घंटे बाद उसका शव मिला।

मंगलवार को असदपुर गंगा घाट पर कार्तिक पूर्णिमा मेले का आयोजन था, जहां हजारों श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंचे थे। बदायूं जनपद के थाना इस्लामनगर क्षेत्र के गांव गढ़ी खानपुर निवासी जसवंत का 25 वर्षीय बेटा जतनवीर उर्फ भूरा अपने गांव के साथियों के साथ स्नान करने आया था। वह गंगा में उतरा और अचानक तेज बहाव की चपेट में आकर डूब गया। घटना के बाद वहां अफरातफरी मच गई। उसके साथ आए ग्रामीणों ने उसकी तलाश शुरू कर दी।

14.98 करोड़ से चौड़ा होगा रायपुर धीरपुर-सिमरिया मार्ग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● शासन से जारी किया गया पत्र जल्द शुरू कराया जाएगा कार्य

● निर्माण के लिए अवमुक्त किए गए 1.47 करोड़ रुपये

अमृत विचार : दातागंज विधानसभा में कुछ सड़कों को दुरुस्त कराने का शुरू कर दिया गया है। अब तक दातागंज से रायपुर धीरपुर होते हुए सिमरिया मझरा को जाने वाले मार्ग की स्थिति खराब है। दातागंज विधायक के प्रस्ताव पर शासन ने इस मार्ग का संज्ञान लिया है। 14 करोड़, 97 लाख 82 हजार रुपये से 5.7 किलोमीटर मार्ग के इस मार्ग का चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण का काम होगा। अनु सचिव अभिषेक गंगवार की ओर से लोक निर्मण विभाग को पत्र जारी कर दिया गया है। जल्द ही काम शुरू कर दिया जाएगा।

ज्यादातर विधानसभाओं में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। नई सड़कों के निर्माण के अलावा मरम्मत भी तेजी से कराई जा रही है। दातागंज विधानसभा क्षेत्र के इस मार्ग पर आवागमन ज्यादा होने की वजह से परेशान होती थी। जिसके चलते शासन को प्रस्ताव भेजा गया था। जो स्वीकृत हो गया है। कुल लागत की धनराशि के सापेक्ष शासन से एक करोड़ 46 लाख 80 हजार रुपये अवमुक्त किए जा चुके हैं। अनु सचिव की ओर से जारी निर्देश के अनुसार लोक निर्माण विभाग तय करेगी कि इस मार्ग पर पहले से तो कोई स्वीकृति नहीं है। अगर हुई तो स्वीकृति निरस्त करके आवंटित धनराशि शासन को समर्पित की जाएगी। चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण के लिए रास्ते में आने वाले पेड़ों को काटने के लिए अनुमति ली जाएगी। राज्य सड़क निधि के अंतर्गत पूरा काम कराया जाएगा।

क्षतिग्रस्त पुलिया के पास से गुजरता ट्रक। ● अमृत विचार

बेलाडांडी मार्ग पर पुलिया क्षतिग्रस्त: म्याऊं से दातागंज-बेलाडांडी मार्ग पर दातागंज से पांच किमी आगे पुरानी पुलिया क्षतिग्रस्त होने से राहगीरों की परेशानी बढ़ गई है। पुलिया के क्षतिग्रस्त होने से मार्ग पर भारी वाहनों का आवागमन सुरक्षित नहीं है। जिससे कभी भी दुर्घटना हो सकती है।

लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता ने सीओ यातायात से पत्राचार करके इस मार्ग पर भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित करने को कहा है। पत्र में कहा गया है कि इस मार्ग पर चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और पुलियों के निर्माण का आगणन मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग की ओर से मुख्यालय भेजा गया है। दातागंज एसडीएम धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि पत्र प्राप्त होने के बाद इस मार्ग पर भारी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया गया है। फिर भी अगर वाहन चल रहे हैं तो इसे दिखवाया जाएगा। मार्ग को पूरी तरह से बंद कराया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

बालाजी महाराज का मनाया जन्मोत्सव

बिल्सी, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के गांव गुधनी-खौंसारा स्थित बलदेव धाम बालाजी मंदिर पर श्री बालाजी महाराज का जन्मोत्सव यहां बड़ी श्रद्धा से मनाया गया। मंदिर के प्रधान महंत ललितेश्वराचार्य ने बताया कि श्री हनुमान जन्मोत्सव हर वर्ष पांच नवंबर को धूमधाम से मनाया जाता है। इस उपलक्ष्य में मंदिर में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जाते है। जिसमें क्षेत्र के हजारों लोग पहुंच कर पूजा-अर्चना में हिस्सा लेते है। बाबा के दरबार में विभिन्न व्यंजनों से भोग लगाया गया। उन्होंने बताया कि यहां पर श्री हनुमान सर्व कष्ट निवारण तीन दिवसीय यज्ञ का आयोजन किया गया। बुधवार की रात को यहां बाबा का विशाल संकीर्तन का आयोजन किया गया। जिसमें देश के प्रसिद्ध भजन गायक शिरकत कर रहे हैं। इस संकीर्तन कार्यक्रम में गाजियाबाद के भजन सम्राट रामकुमार लक्खा तथा कानपुर की भजन गायिका रुचि किनकर अपने मधुर स्वर में सुंदर-सुंदर भेंट प्रस्तुत करती रहीं। इस मौके पर कई सेवादार मौजूद रहे।

शहर में सड़कें रहीं सूनी, बाजार बेरौनक

सड़कों पर पसरा सन्नाटा।

बदायूं, अमृत विचार : मेला ककोड़ा के लिए घोषित किए गए अवकाश के चलते शहर की सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। शहर में कुछ वाहन इधर से उधर जाते दिखाई दिए। बाजारो में भी भीड़ नहीं दिखी। ककोड़ा मेला के कारण गांव देहात से आने वाले लोग आज नहीं पहुंची जिससे हर तरफ सन्नाटा सा बना रहा। शहर के परशुराम चौक से कचहरी को जाने वाली सड़क सुनसान सी रही। शहर के अंदर का नजारा भी इसी तरह का रहा।

ककोड़ा मेले में रेत की चादर पर बसा तंबुओं का शहर। ● अमृत विचार

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा में स्नान करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

मेला ककोड़ा : कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगाई गंगा में डुबकी

ब्रह्म मुहूर्त से ही श्रद्धालुओं के जत्थे पहुंचने लगे गंगा घाट पर, उत्साह और उल्लास का अनोखा संगम, दीपदान से रौशन हो उठे घाट, भंडारे में बांटा प्रसाद

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सुप्रसिद्ध मिनी कुंभ मेला ककोड़ा में कार्तिक पूर्णिमा पर आस्था, श्रद्धा और भक्ति का महासागर उमड़ पड़ा। ब्रह्म मुहूर्त से ही श्रद्धालुओं का सैलाब पतित पावनी मां गंगा के तट पर पहुंचने लगा। हर-हर महादेव के जयघोषों से पूरा ककोड़ा धाम गूंज उठा। चारों दिशाओं में घंटियों की ध्वनि, भजन-कीर्तन और आरती की गूंज से वातावरण आध्यात्मिक हो उठा। लाखों की संख्या में श्रद्धालु मां गंगा में पवित्र स्नान कर अपने पापों से मुक्ति और मोक्ष की प्राप्ति की कामना करते दिखाई दिए। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने मां गंगा की पूजा-अर्चना, दीपदान और सूर्य को अर्घ्य दिया। परिवार की सुख-समृद्धि और कल्याण हेतु यज्ञ, कथा और भजन संकीर्तन का आयोजन हुआ।

बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर मेला ककोड़ा में श्रद्धालुओं का उत्साह और उमंग का संगम देखने को मिला। कदम कदम पर गंगा मैया का जयघोष सुनाई दे रहा था। आज मुख्य स्नान पर्व पर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था भी अभूतपूर्व रही। गंगा घाटों पर अलख सुबह साधु संतों ने पतित पावनी में आस्था की डुबकी लगाई। उसके बाद कल्पवासी गंगा में स्नान करने को उतर गए। गंगा के शीतल जल ने श्रद्धालुओं में जोश भर दिया। दूर दराज से आए श्रद्धालुओं ने परिवार के साथ गंगा में स्नान किया। छोटे बच्चों के मुंडन कराए गए। स्नान घाटों पर भारी जनसैलाब देखने को मिला। गंगा की धार में पानी का बहाव भी तेज रहा जिससे सुरक्षा के इंतजाम भी किए गए। जगह जगह गोताखोर लगाए गए। आस्था और उल्लास का संगम देखने को मिला। मेला ककोड़ा में गंगा तट पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए वेरीकेटिंग भी की गयी, जिससे स्नान करने वालों को गंगा तट तक पहुंचने में कोई दिक्कत न हो। गंगा किनारे साफ सफाई करने को सौ से अधिक सफाई कर्मचारी तैनात किए गए। जबकि मेला स्थल पर अन्य स्थानो पर भी सफाई का विशेष ध्यान रखा गया।

मीना बाजार में उमड़ी रौनक, झूले और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बढ़ाया आकर्षण गंगा स्नान के बाद श्रद्धालु मीना बाजार में जमकर खरीदारी करते दिखे। ग्रामीणों ने घरेलू उपयोग की वस्तुएं खरीदीं। महिलाओं ने जमकर खरीदारी की। झूले, जादू के खेल, कठपुतली नृत्य और सांस्कृतिक मंचों पर प्रस्तुत श्री कृष्ण लीला, श्री राम कथा और लोकगीतों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

गंगा स्नान करने के बाद ट्रैक्टर ट्राली से लौटते ग्रामीण। ● अमृत विचार

गंगा तट पर बच्चे का मुंडन कराती महिला। ● अमृत विचार

दुकान से मिष्ठान खरीदते लोग। ● अमृत विचार

भंडारे लगा कर खिलाया प्रसाद

गंगा तट पर कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर सैकड़ों लोगों ने भंडारे लगा कर लोगों को प्रसाद बांटा। भंडारा स्थल पर भीड़ को देखते हुए लोगों को बिठा कर प्रसाद दिया गया। पूड़ी सब्जी के साथ हलवा और कचौड़ी का स्वाद भी लोगों ने चखा। कुछ जगहों पर फल वितरित किए गए। जबकि कुछ स्थानो पर चावल बना कर बांटे गए। भंडारे में प्रसाद लेने वाले श्रद्धालुओं ने गंगा मैया का जयघोष किया।

कन्या भोज और दान-दक्षिणा का भी विशेष आयोजन

मेला ककोड़ा में गंगा तट पर कन्याओं को पूरी सब्जी खिलाकर पुण्य कमाया, श्रद्धालुओं ने कन्याओं को पूरी-सब्जी, दही-जलेबी का भोजन कराकर दक्षिणा दी। गंगा तट पर हजारों की संख्या में आए छोटे बच्चों को फल वितरित किए गए। बच्चों को खेलने के लिए लोगों ने खिलौने भी दिए जिससे बच्चों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। मनोना धाम के पूज्य ओमेंद्र महाराज ने मां गंगा की आरती की। गंगा तट पर भक्तों ने बताशे, इलायची दाना और बूंदी लड्डू का प्रसाद अर्पित किया। इस दौरान स्काउट दलों और पुलिस प्रशासन ने वॉच टावरों से सुरक्षा व्यवस्था की बारीकी से निगरानी की। मेले में रेत की सुनहरी चादर पर तंबुओं का शहर बसाया गया है। जो सनातन परंपरा की झलक से जीवंत हो उठा। श्रद्धालुओं ने अपने मान पक्ष का तिलक लगाकर स्वागत-सत्कार किया और उन्हें भोजन कराकर ससम्मान विदाई दी।

स्नान के बाद सुतिया पुल से गंगापुर पुख्ता तक लगा जाम, प्रशासन ने किया कुशल प्रबंधन

मेला ककोड़ा में मुख्य स्नान पर्व पर गंगा तट की ओर निकले श्रद्धालुओं के वाहनों की रफ्तार धीमी कर दी। जाम लगने से लोगों को दिक्कत हुई लेकिन पुलिस की सख्ती के चलते वाहनों को पास करा दिया गया। गंगा स्नान के उपरांत श्रद्धालुओं के एक साथ लौटने से सुतिया पुल से लेकर गंगापुर पुख्ता तक यातायात जाम की स्थिति बन गई। ट्रैक्टर-ट्रॉलियां, कारें और टेंपो घंटों फंसे रहे, लेकिन पुलिस बल और प्रशासनिक टीम ने अथक प्रयासों से यातायात को शीघ्र सुचारू किया।

शिविर में योग करते साधक। ● अमृत विचार

महावा नदी में लगाई डुबकी

सहसवान में भी महावा नदी पर दिखाआस्था, परंपरा और समरसता का अद्भुत संगम कार्तिक पूर्णिमा का पर्व आस्था, सनातन संस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक बनकर उभरा। लाखों श्रद्धालुओं ने मां गंगा के चरणों में नमन कर मोक्ष, शांति और समृद्धि की कामना की। पूरा क्षेत्र भक्ति रस में सराबोर रहा।

अपने घरों को लौटते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

मनौना धाम के महंत ने किया ककोड़ा में स्नान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : रुहेलखंड के मिनी कुंभ मेला ककोड़ा में देश विदेश में जीवन धाम के नाम से प्रसिद्ध बरेली के श्री श्याम मंदिर मनौना धाम के महंत ओमेंद्र ने गंगा स्नान किया। मां गंगा के तट पर आगमन पर रवि प्रताप सिंह के कैंप पर स्वागत हुआ। श्याम भक्तों ने महंत का आशीर्वाद लिया।

महंत दो साल से लगातार मिनी कुंभ में गंगा स्नान और पूजा अर्चना करते आ रहे हैं। कार्तिक पूर्णिमा के दिन वह बुधवार को मेला पहुंचे। महंत ने कहा कि गंगा किनारे लगने वाला यह मिनी कुंभ तंबुओं का शहर है। यह भारतीय संस्कृति की पहचान है।

मेला सामाजिक एकता, आपसी सौहार्द, पारस्परिक मेल जोल की आस्था का केंद्र है। स्वच्छ मन व पवित्र भावना से गंगा में डुबकी लगाने वालों के सारे पाप धुल जाते हैं। श्यामेन्द्र चौहान, आर्येन्द्र चौहान, महेन्द्र सिंह कठेरिया, मीडिया प्रभारी वेदपाल सिह, सचिन सक्सेना, धीरेन्द्र सिंह, अमित सिंह, शिवेन्द्र सिंह, संजीव सिंह, संजय राजपूत आदि उपस्थित रहे।

जायजा लेने के दौरान मौजूद डीएम अवनीश कुमार राय, एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह, एडीएम डॉ. वैभव शर्मा व अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

डीएम और एसएसपी ने देखी शांति और सुरक्षा व्यवस्था

बदायूं, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर डीएम अवनीश कुमार राय और एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने मेला ककोड़ा का भ्रमण किया। मेला का जायजा लेकर शांति और सुरक्षा व्यवस्था जांची। ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्कता बरतने समेत विभिन्न निर्देश दिए। साथ में एडीएम वित्त एवं राजस्व डॉ. वैभव शर्मा, एसडीएम सदर मोहित कुमार, सीओ दातागंज केके तिवारी आदि उपस्थित रहे।

कछला घाट पर मनाया गया भव्य गंगा उत्सव

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : गंगा नदी को राष्ट्रीय नदी घोषित किए जाने के उपलक्ष्य में जिला गंगा समिति के तत्वावधान में बुधवार को भागीरथी गंगा घाट, कछला पर गंगा उत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में एसकेएलएम पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यालय द्वारा गणेश बंदना सरस्वती वंदना व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, साथ ही रंगोली व चार्ट प्रतियोगिता के माध्यम से गंगा को साफ रखने को प्रेरित किया गया। विभागों एवं शैक्षणिक संस्थानों के अधिकारियों, अध्यापकों, विद्यार्थियों तथा स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ प्रातः 11 बजे मुख्य अतिथि प्रभागीय निदेशक निधि चौहान, कछला चेयरमैन जगदीश सिंह, पूर्व डी सी वी चेयरमैन उमेश सिंह राठौर, ममता शाक्य ने संयुक्त रूप से मां गंगा के चित्र पर माल्यार्पण एवं प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में रंगोली, चित्रकला, निबंध लेखन, पेंटिंग एवं गंगा क्विज गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण पर सेमिनार, हस्ताक्षर अभियान, जागरूकता रैली आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

गंगा तट पर जगमगाती दीपों की रंगोली। ● अमृत विचार

गंगा को साफ बनाए रखने की शपथ लेते स्कूली बच्चे। ● अमृत विचार

● 5100 जलाए दीप, जगमगा उठा भागीरथी का तट

सांस्कृतिक संध्या उत्सव में छात्र छात्राओं ने गंगा संरक्षण पर आधारित मनमोहक गीत, नृत्य और नाट्य की प्रस्तुतियां के साथ सभी का मन मोह लिया। सायंकाल गंगा के घाट पर 5100 दीपक प्रज्वलित किए गए एवं गंगा आरती का आयोजन किया। आरती में छात्र-छात्राओं सहित 1000 के करीब लोगों ने प्रतिभाग किया। जिला परियोजना अधिकारी अनुज प्रताप सिंह ने गंगा स्वच्छता की शपथ दिलाई, एसकेएलएम पब्लिक स्कूल के सभी प्रतिभागियों व अतिथियों को प्रभागीय निदेशक निधि चौहान तथा डी पी ओ अनुज प्रताप सिंह ने प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। विद्यालय के डायरेक्टर पीडी सिंह ने सभी बच्चों को बताया कि हमें खुद व अन्य लोगों को जागरूक करने की जरूरत है।

प्रधानाचार्य रजनी शर्मा ने बताया कि गंगा को साफ रखना हमारी सबकी जिम्मेदारी है। संचालन एवं सफल आयोजन में पी डी सिंह डायरेक्टर एस के एल एम पब्लिक स्कूल, रजनी शर्मा प्रधानाचार्य, डॉ निधि सिंह, उपदेश कुमार, रणजीत सिंह बिना सिंह सोनू सिंह कमलेश कुमारी, अनम सैफी, कंचन तोमर, सपना, अंजलि सिंह, वीना कुमारी, आदि लोग मौजूद रहे।

गंगा नदी नहीं संस्कृति है, भारत मां का...

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मेला ककोड़ा में गांव दहेमी निवासी अवधेश राठौर की ओर से मां गंगा को समर्पित आध्यात्मिक कवि सम्मेलन का आयोजन कराया गया। जिले के वरिष्ठ कवियों ने अपनी कविताओं से मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि राज्य सूचना आयुक्त स्वतंत्र प्रकाश गुप्ता रहे।

गजलकार शैलेंद्र देव ने सरस्वती वंदना की। कवि चंद्रपाल सरल ने पढ़ा कि गंगा के पावन चरणों ने कर दिया धरा को हरा भरा, क्या कल कल करती भगीरथी सरगम तो इसकी सुनो जरा। अरविंद धवल ने सुनाया कि गंगा नदी नहीं संस्कृति है, भारत मां का प्राण है गंगा, रोग शोक भव भय इन सब से, जन मानस का तृाण है गंगा। सुनील शर्मा समर्थ ने कहा कि भारत की इस तपो भूमि पर देख दशा सुर सरिता की, आंखें छलक उठी होंगी, उस शृष्टि के निर्माता की। शायर सुरेंद्र नाज ने कहा कि वो यमुना, नर्मदा, गोदावरी, सतलज या नंदा हो, सभी ने सीखी बहने की अदा गंगा के पानी से।

फकत मैं ही नहीं ये हिंद की तारीख़ कहती है, बहुत गहरा है रिश्ता हिंद का गंगा के पानी से। छंदकार कामेश पाठक ने सुनाया कि केवल कोरी बातों से मत गंगा का अपमान करो, गंगा जी के भक्त आज कुछ गंगा मां का ध्यान करो। शैलेंद्र मिश्र देव ने पढ़ा कि निर्धन या धनवान सभी को पास बुलाती है गंगा, अपने जल का अमृत देकर प्यार दिखाती है गंगा। देर रात तक चले आयोजन मे अवनेश्वर सिंह पटेल, लखन सिंह, संजीव सिंह, अनुज, संतोष कुमारी, डॉ. रक्षपाल सिंह, अमित कुमार का योगदान रहा।

मेला ककोड़ा में आयोजित कवि सम्मेलन में काव्य पाठ करते कवि शैलेंद्र।

● मेला ककोड़ा में देर रात तक आयोजित किया गया कवि सम्मेलन

सतगुरु नानक परगटिया मिटी धुंध जग चानंण होआ

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जोगीपुरा स्थित गुरुद्वारा में गुरु नानक का गुरुपर्व मनाया गया। बुधवार को सुबह से गुरुद्वारा में विशेष कीर्तन दरबाज सजा। जिसमें सबसे पहले श्री अखंड पाठ साहिब की समाप्ति हुई। फिर गुरुद्वारा लोटनपुरा की संगत के की ओर से प्रभात फेरी निकाली गई। जिसके बाद कीर्तन दरबार शुरू हुआ। जिसमें हरदीप सिंह लुधियाना वालों ने कीर्तन की हाजिरी भरी। कहा कि सतगुरु नानक परगटिया, मिटी धुंध जग चानंण होआ। साथ ही इंद्रजीत सिंह खालसा ने गुरुवाणी से विचार प्रस्तुत किए।

ज्ञानी कुलदीप सिंह, जसप्रीत सिंह सागर ने शबद कीर्तन कर अरदास करके संगत को गुरुपर्व की बधाई दी। सभी संगत ने गुरू महाराज का लंगर छका। जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। गुरुद्वारा जोगीपुरा की प्रबंधक कमेटी के प्रधान प्रतिपाल सिंह दुआ ने सभी को गुरु पर्व की बधाई दी। गुरु नानक देव के बताए हुए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। सभी कार्यक्रमों में वरिष्ठ समाजसेवी अशोक खुराना का विशेष योगदान रहा। संगत ने एक-दूसरे को गुरुपर्व की बधाई दी।

गुरुद्वारा में आयोजित कार्यक्रम।

अटेना घाट पर श्रद्धालुओं ने किया स्नान

संवाददाता, उसहैत

अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा पर मुख्य गंगा स्नान पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। क्षेत्र के अटेना, कटरा, पथरामई, भुंडी, बेहटी, आदि गंगा घाटों पर हजारो श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। प्रसाद बांट कर पुण्य लाभ कमाया। मुख्य स्नान पर्व पर पुलिस की गश्त से सुरक्षा व्यवस्था भी पुख्ता रही।

बुधवार को गंगा घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। वहीं थाना प्रभारी निरीक्षक अजय पाल सिंह ने एसआई अरविंद कुमार चौकी इंचार्ज अन्य पुलिस कर्मियों के साथ पूर्णिमा से एक दिन पहले अटेना सहित सभी घाटों का निरीक्षण किया। गहरे जलस्तर में बेरिकेडिंग कराई गयी। गंगा स्नान के समय गोताखोरों को गंगा तट पर तैनात किया गया। कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह चार बजे से साधु संतों ने स्नान शुरू कर दिया उसके बाद क्षेत्र से आए श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। गंगा किनारे हवन-पूजन कर दीप जलाये, गंगा मैया को प्रसाद चढ़ा कर सही सलामती की दुआ मांगी। लौटते समय श्री काल सेन बाबा पक्का पुल हनुमान मंदिर में मत्था टेका, प्रसाद चढ़ाया, श्रद्धालुओं का कहना है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करने से भगवान शिव के साथ-साथ भगवान विष्णु की असीम कृपा मिलती है। कार्तिक पूर्णिमा की पूजा लोगों ने विधि विधान से की। गंगा घाटों पर पुलिस की निगरानी रही। जिससे श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत नहीं हुई।

अटेना गंगा घाट पर स्नान करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

● सुबह से शाम तक पुलिस रही तैनात, सीओ गंगा तट पर रहे मौजूद

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 6 नवंबर 2025

बदायूं

न्यूज ब्रीफ

जहरीले कीड़े के काटने से महिला की मौत

बदायूं, अमृत विचार : उघैती थाना क्षेत्र के गांव मोहम्मदगंज गोबरा निवासी किशन पाल की पत्नी कमलेश (35) बुधवार सुबह लगभग नौ बजे पुआल लेने के लिए खेत पर गई थीं। जहां उन्हें किसी जहरीले कीड़े ने काट लिया। कुछ ही देर के बाद वह बेसुध होने लगीं। घर पहुंचकर उन्होंने परिजनों को इस बारे में बताया। परिजन महिला को इलाज के लिए ले जा रहे थे लेकिन महिला ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। अस्पताल में चिकित्सक ने मौत की पुष्टि कर दी। मौत की सूचना पर पुलिस गांव पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दहेज हत्या के आरोपी पिता-पुत्र गिरफ्तार

बदायूं, अमृत विचार : जरीफनगर पुलिस ने दहेज हत्या के वांछित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गांव वाजिदपुर मजरा भोयस निवासी पुष्पेंद्र उर्फ पप्पू और उसके पिता शेर सिंह दहेज हत्या में फरार चल रहे थे। पुलिस ने बुधवार को दोनों आरोपियों को शेखूपुरा चौराहे से गिरफ्तार करके जेल भेज दिया।

नगला गांव का रेलवे अंडरपास बन कर तैयार

विभाग ने नहीं किया उद्घाटन, ग्रामीण कर रहे इंतजार, गांव में जलभराव से नहीं मिली निजात

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शहर के निकटवर्ती गांव नगला में रेलवे प्रशासन द्वारा अंडरपास बना कर तैयार कर दिया गया है लेकिन अभी रेलवे ने अंडरपास का उद्घाटन नहीं किया है जिससे गांव के लोग बड़े वाहन अंडरपास से नहीं निकाल पा रहे हैं। गांव में जलभराव की समस्या से निजात दिलाने को कोई प्रबंध नहीं किया गया है, जिससे बारिश के समय भारी परेशानी झेलनी पड़ती है।

नगला गांव शहर से सटा हुआ है। रेलवे स्टेशन से मात्र दो सौ मीटर की दूरी पर बरेली रेल मार्ग पर स्थित है। गांव पर रेलवे क्रासिंग है। ट्रेन के आने जाने के समय क्रासिंग बंद रहता है जिससे गांव के लोग मुख्य रूप से स्कूली बच्चे क्रासिंग खुलने का इंतजार करते रहते हैं। ग्रामीणों ने रेलवे प्रशासन से कई बार यहां पर अंडरपास बनाने की मांग की थी। रेलवे द्वारा पिछले एक साल से अंडरपास का निर्माण कराया जा रहा था। अब अंडरपास बन कर तैयार हो चुका है। गांव के दो पहिया वाहन चालक अंडरपास से ही आते जाते हैं। दो माह से बन कर तैयार खड़ा अंडरपास का रेलवे द्वारा अभी तक उद्घाटन नहीं किया गया है। जिससे गांव के बड़े वाहनों को अंडरपास से नहीं निकलने दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि अंडरपास बन कर तैयार है। लेकिन अभी रेलवे द्वारा वाहनों के आने जाने को नहीं खोला गया है। कुछ दो पहिया वाहन व पैदल यात्री आते जाते हैं। उदघाटन होने के बाद ही आम लोगों को अंडरपास खोल दिया जाएगा।

रेलवे द्वारा बना कर तैयार किया गया अंडरपास। ● अमृत विचार

ग्राम प्रधान पति रजनीश सिंह ने कहा कि गांव में अब तक नाले नहीं थे। नाला निर्माण करा दिए गए। अब नाले के पानी को पास कराने को जगह का प्रबंध भी किया जाएगा। अंडरपास के निकट ही जगह देखी जाएगी जिस पर बड़ा सा नाला बना कर गांव का पानी बाहर तक पहुंचाया जा सके।

अब तक लोग रेलवे क्रासिंग से आते जाते थे। अब अंडरपास बन गया है तो रेलवे क्रॉसिंग बंद कर दिया जाएगा। रेलवे प्रशासन द्वारा बताया गया है जब तक उद्घाटन नहीं होता तब तक यह खुला है। बाद में बंद ही रहेगा।

दिनेश – ग्रामीण

जलभराव से निजात दिलाने की मांग

ग्रामीणों का कहना है कि जिस जगह पर गांव का पानी जाता था वहां पर अब अंडरपास बन गया है इसलिए गांव की नालियों का पानी बाहर जाने का रास्ता बंद हो गया है। गांव का पानी बाहर नहीं जाएगा तो मुख्य चौराहे पर जलभराव होगा। पिछले दिनों बारिश के समय जलभराव हुआ भी था। गांव के पानी के निकास की व्यवस्था भी की जाए। रेलवे लाइन के दोनो ओर पानी के लिए जगह नहीं है। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान से मांग की है कि इसके लिए कोई ठोस कदम उठाया जाए।

अंडरपास तो बन गया लेकिन अभी तक इसका उद्घाटन नहीं किया गया है जिससे गांव के बड़े वाहन नहीं निकल पा रहे हैं। अब गांव के किसान ट्रैक्टर ट्राली से गन्ना लेकर निकलेंगे तो उन्हें दिक्कत होगी।

सरजू– ग्रामीण

नगला गांव में रेलवे ने अंडरपास बना कर एम समस्या से निजात दिला दी है लेकिन गांव के पानी का निकास बंद हो गया है जिससे बारिश के समय पूरे गांव में जलभराव हो जाता है। ग्राम प्रधान को इसका भी समाधान करना चाहिए। **बाबू अली**– ग्रामीण

रेलवे के अंडरपास बन जाने से आने जाने में सुविधा होगी। लेकिन क्रासिंग बंद कर दिया जाएगा यह ठीक नहीं है। क्रॉसिंग से आने जाने में समय कम लगता है। ऑटो इ रिक्शा चालकों को अब दिक्कत होगी। **मोहम्मद कैफ** – ग्रामीण

नशा मुक्ति को लेकर चलाया अभियान

मेला ककोड़ा में साधुओं को ध्यान कराते क्षेत्रीय समन्वयक अनुज सक्सेना।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- हार्टफुलनेस ध्यान शिविर में ध्यान करना भी सिखाया

अमृत विचार : मेला ककोड़ा में आयोजित पांच दिवसीय हार्टफुलनेस ध्यान शिविर के दूसरे दिन में नशा मुक्त भारत जन जागरुकता अभियान रैली हुई। एसडीएम न्यायिक राजेश सिंह ने फीता काटा। हार्टफुलनेस संस्था द्वारा नशा मुक्त अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया गया। हार्टफुलनेस के प्रशिक्षक लखन सिंह ने बताया कि पिछले साल संस्था के स्वयंसेवकों ने मेला ककोड़ा में पर्यावरण बचाओ और वृक्ष लगाओ अभियान चलाया था।

इस बार रैली में विकसित भारत बनाना है, युवाओं को नशा मुक्त करना है, हार्टफुलनेस परिवार में प्रेम लाना है, नशे की लत छुड़ाना है आदि स्लोगन के साथ लोगों को जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त शिविर में दिनभर श्रृद्धालुओं का ध्यान अभ्यास सीखने के लिए आवागमन चलता रहा। मैनपुरी जिले के जिला पूर्ति अधिकारी रमन मिश्रा, मोहन स्वरूप गंगवार, धर्मपाल सक्सेना, राकेश पाल, सोनल गोयल, कीर्ति अग्रवाल, अशोक कुमार सिंह, नीरज कुमार, रनवीर सिंह, सुरेश पाल, सूरज पाल सिंह, विपिन त्रिपाठी, गुलवीर सिंह, सुरेंद्र पाल जोशी आदि ने ध्यान किया। क्षेत्रीय समन्वयक अनुज सक्सेना ने मेला में आए साधुओं को ध्यान कराया।

अखिल भारतीय मंजरी काव्य उत्सव आठ को

कार्यालय संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : हिंदी साहित्य सेवा समिति की बिल्सी शाखा की ओर से अखिल भारतीय मंजरी काव्य उत्सव आठ नवंबर को सुबह 10 बजे मनाया जाएगा। जिसको लेकर यहां ओजस्वी जौहरी के आवास पर एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें बताया कि काव्य उत्सव नौ नवंबर की दोपहर तक चलेगा।

समिति के संस्थापक अचिन मासूम एवं अध्यक्ष विष्णु असावा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक हरीश शाक्य, विशिष्ट अतिथि चेयरमेन ज्ञानदेवी सागर आदि रहेंगे। इसके अलावा इसमें भारत के अन्य प्रदेश राजस्थान, मध्य प्रदेश, जम्मू, बिहार आदि अन्य प्रदेशों से भी 101 कवि गण आकर अपना काव्यपाठ करेंगे। इस मौके पर सोमेंद्र सोम, नरेंद्र गरल, दिनेश चंद असावा, अशोक खुराना, शमशेर बहादुर आंचल, ममता नौगरैया, सुरेंद्र नाज, राहुल चौबे, डॉ श्रीकृष्ण गुप्ता, अमन मयंक शर्मा, ओजस्वी जोहरी, संदीप मिश्रा, अभिषेक मिश्रा, अमित वर्मा अंबर, प्रेम दक्ष, विवेक यादव, प्रशांत जैन, ध्रुव यदुवंशी, पंकज मतलबी, जुगेंद्र सिंह जुगनू, नंदलाल मणि त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

स्काउट ने खोए बच्चों को परिजनों से मिलाया

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : भारत स्काउट गाइड संस्था की ओर से मिनी कुंभ मेला ककोड़ा में चल रहे खोया पाया समाजसेवा शिविर में मेले में 250 से अधिक खोये बच्चों और बुजुर्गों को उनके परिजनों से मिलाया। स्काउट संस्था के प्रादेशिक वरिष्ठ उपाध्यक्ष और जिला मुख्यायुक्त अधिवक्ता महेश चंद्र सक्सेना ने कहा कि देश भक्ति और निस्वार्थ सेवा का जज्बा स्काउट में ही देखने को मिलता है।

पूर्व जिला मुख्यायुक्त डॉ. वीरपाल सिंह सोलंकी ने कहा कि स्काउट देश के श्रेष्ठ नागरिक है। अपने कर्त्तव्य का ईमानदारी से पालन करते हैं। जिला संगठन कमिश्नर मोहम्मद असरार, डीटीसी सत्यपाल गुप्ता, जिला स्काउट प्रशिक्षण नंदराम शाक्य के मार्गदर्शन में स्काउट मेले में सेवा कार्य कर रहे हैं। पूर्व जिला ट्रेनिंग कमिश्नर संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि मिनी कुंभ मेला ककोड़ा में स्काउट द्वारा 250 खोये बच्चों और बुजुर्गों को उनके परिजनों से मिलाया। स्काउट की मेले के मुख्य मार्ग, गंगा तट, मेले के पूर्वी और पश्चिमी तरफ, कोतवाली के समीप, बरेली मेला, कुर्मियान मेला, मीना बाजार, रोडवेज बस स्टैंड के समीप स्काउट की ड्यूटी लगाई गई। शिक्षक सुरेश बाबू शाक्य, अनार सिंह शाक्य, राजकुमार, शिव कुमार, मोहम्मद हसन, रवि प्रताप सिंह ने कार्यालय संभाला। स्काउट में कैंपफायर में शानदार प्रस्तुतियां दी।

इस मौके पर डॉ. डीबी शाक्य, राजकुमार, डॉ. राकेश जयसवाल, संजय शर्मा, गोपाल सिंह चौहान, निर्दोष शर्मा, महिपाल सिंह तोमर, संजीव सक्सेना, अनूप सक्सेना, कमल सक्सेना आदि मौजूद रहे।

शिविर में स्काउट्स के साथ मौजूद मेला में खोए हुए बच्चे। ● अमृत विचार

- भारत स्काउट गाइड संस्था की ओर से मेला में लगाया गया है खोया-पाया शिविर

ककोड़ा मेले में डायरिया के प्रति किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- पीएसआई इंडिया व केनव्यू के सहयोग से बनाया गया ओआरएस कार्नर

अमृत विचार : मेला ककोड़ा में स्वास्थ्य विभाग की ओर से पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआईआई) और केनव्यू के सहयोग से डायरिया के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया। डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम के तहत मेले में ओआरएस कार्नर बनाया गया है। जिसको डायरिया सम्बन्धी पोस्टर-बैनर से भव्य तरीके से सजाते हुए सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया है। लोगों को ओआरएस के पैकेट व जिंक के टेबलेट प्रदान की। डायरिया होने पर इसका उपयोग समझाया गया।

ओआरएस कार्नर का केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा, सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव गुप्ता, पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव, सीएमओ डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने उद्घाटन किया। सीएमओ ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों की कुल मौत का एक प्रमुख कारण डायरिया भी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस पर नियन्त्रण के लिए स्टॉप डायरिया कैम्पेन (डायरिया रोको अभियान) चलाया जा रहा है। जिसे डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम से और बल मिल रहा है।

आशा कार्यकर्ताओ, सेवा प्रदाताओं और देखभालकर्ताओं का क्षमतावर्धन किया गया है। जो कि दस्त प्रबन्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बच्चों में ओआरएस और जिंक का वितरण सुनिश्चित कराया जा रहा है।

डायरिया की शुरुआत में ही पहचान कर ओआरएस का घोल दिया जाए तो गंभीर स्थिति तक पहुंचने से बच्चे को बचाया जा सकता है। 24 घंटे में यदि तीन बार पतले दस्त आ रहे हैं तो यह डायरिया के लक्षण हो सकते हैं। पीएसआई इंडिया के प्रतिनिधि शशांक दुबे ने बताया कि ककोड़ा मेले के समापन तक ओआरएस कार्नर के जरिए डायरिया के प्रति जागरुकता का यह अभियान चलाया जाएगा।

मेला में लगे ओआरएस कार्नर पर सेल्फी लेते सीएमओ डॉ. रामेश्वर मिश्रा।

कल होगी हॉकी प्रतियोगिता, तैयार की रूपरेखा

बदायूं, अमृत विचार : शहर के राजमहल गार्डन में बदायूं हॉकी एसोसिएशन की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष नीरज कुमार शर्मा ने भारतीय हॉकी के शताब्दी वर्ष समारोह मनाए जाने के रुपरेखा तैयार करने के लिए विचार-विमर्श किया। बताया कि उत्तर प्रदेश हॉकी एसोशिएशन के निर्देश पर सात नवंबर को स्टेडियम में हॉकी की प्रतियोगिता कराई जाएगी। इसी दिन पूरे देश में प्रतियोगिता होगी। जिला स्तर पर बालक व बालिका वर्ग की प्रतियोगिता के बाद विजेता और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया जाएगा। बैठक में सचिव मधुकर मिश्र, उपाध्यक्ष सरदार अजय पाल सिंह, डॉ. अकील इस्माइल, विजय पाल चौधरी, सुरेंद्र गुप्ता, हॉकी कोच आबिद अली, प्रमोद कुमार शर्मा, अरमान इस्माइल आदि उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान मौजूद बदायूं हॉकी एसोसिएशन के पदाधिकारी व अन्य।

अवकाश के चलते स्वास्थ्य सेवाएं ठप, मरीज परेशान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मेला ककोड़ा को लेकर दो दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। अवकाश के चलते जिले भर में स्वास्थ्य सेवाएं ठप हो गयी हैं। सीएचसी और पीएचसी बंद हैं। जिला महिला अस्पताल व जिला अस्पताल में इमरजेंसी सेवाएं वहाल हैं जबकि दो दिन तक ओपीडी बंद रहेगी। अस्पताल में आज सन्नाटा पसरा रहा।

जिला प्रशासन द्वारा मेला ककोड़ा का दो दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। दो दिन तक सभी कार्यालय स्कूल कालेज और सरकारी अस्पताल बंद रहेंगे। मेले के अवकाश को लेकर जिला अस्पताल में बुधवार को सन्नाटा पसरा रहा। सुबह से दोपहर तक ओपीडी बंद रहीं। अस्पताल की आपातकालीन सेवा को छोड़कर अन्य सभी कर्मचारी और डॉक्टर छुट्टी पर रहे। जिससे अस्पताल परिसर में सन्नाटा पसरा रहा। अस्पताल में भर्ती मरीज भी मंगलवार की शाम को अपने घर चले गए। अस्पताल में मात्र 11 मरीज भर्ती रहे। जो गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे। जबकि बुखार और श्वास रोगियों की एक दिन पहले ही छुट्टी कर दी गयी। हड्डी वार्ड में दो मरीज और टीबी वार्ड मे तीन मरीज भर्ती रहे जबकि कुछ मरीज अन्य भी भर्ती हैं। एक्सरे और पैथोलॉजी विभाग में ताला लटका रहा।

जिला अस्पताल प्रशासन द्वारा इमरजेंसी सेवा के लिए दो डॉक्टरों को तैनात किया है। जो अस्पताल में भर्ती मरीजों को भी देख रहे हैं और दुर्घटना व अन्य आपातकालीन सेवाएं दे रहे हैं। गुरुवार को भी अस्पताल बंद रहेगा।

महिला अस्पताल में भी नहीं बैठे डॉक्टर: जिला महिला अस्पताल में भी पूरी तरह सन्नाटा पसरा रहा। प्रसव को आने वाली महिलाएं ही वार्ड में भर्ती की गयी। बुधवार को सुबह से शाम पांच बजे तक चार महिलाओं का प्रसव कराया गया। उन्हे ही भर्ती किया गया है। जबकि ऑपरेशन कराने वाली आठ प्रसूताएं पहले से भर्ती हैं। अन्य प्रसूताओं की छुट्टी कर दी गयी है। ओपीडी में कोई डॉक्टर नही बैठा। केवल एसएनसीयू वार्ड में स्टाफ तैनात रहा।

जनपद के सभी पन्द्रह सामुदायिक केंद्र भी बंद रहे। अवकाश होने के कारण कुछ देर को केंद्र प्रभारी बैठे जबकि डॉक्टर और अन्य स्टाफ छुट्टी पर रहा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी आज मरीजों को दवा नहीं मिली। न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तो कभी कभी खुलते हैं लेकिन आज हर केंद्र पर सन्नाटा पसरा रहा।

जिला अस्पताल में पसरा सन्नाटा। ● अमृत विचार

मेला ककोड़ा का अवकाश होने के कारण सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर और कर्मचारी छुट्टी पर हैं। जबकि आपातकालीन सेवाएं बहाल हैं। जिला अस्पताल में दो डॉक्टरों को लगाया गया है जो हर समय मौजूद रहेंगे। सीएमएस भी खुद अस्पताल का दौरा करते रहेंगे। व्यवस्था ठीक हैं कहीं से कोई दिक्कत नहीं है।

–डॉ. मोहन झा, एसीएमओ।

बवासीर भगन्दर
ऑपरेशन से बचें
दर्द रहित उपचार
डॉ. एस.के. गुप्ता
(गुप्त रोग चिकित्सक)
बवासीर भगन्दर रोग विशेषज्ञ
ऑपरेशन से बचें # दर्द रहित उपचार
सैक्स
रोगियों का यूनानी आयुर्वेदिक इलाज
बवासीर को अनदेखा करना घातक हो सकता है
● मस्से होना ● सूजन होना
● जलन होना ● उठाने-बैठने में तकलीफ होना
● खूनी बवासीर होना
धात, स्वप्नदोष, सुस्ती, कमजोरी, शीघ्र पतन होना, जोश में कमी, रूकावट, बवासीर, भगन्दर, ल्यूकोरिया, महावारी का न होना, शुक्राणुओं की कमी, नि:सन्तान रोगी (नशा छुड़वायें), सोराइसिस, नलों का बंद होना, कैंसर, शुगर, इन्द्री का लंबापन, मोटापन, 50 साल से ऊपर वाले मर्दों का सैक्स पावर खत्म होना, गुर्दे का क्रीटानीन, प्रोस्टेट, अल्सर, योनि का ढीलापन, पेशाब बार-बार आना, पेशाब में खून आना।
नशा छुड़ाए? नशे से कुछ ही दिनों में छुटकारा पायें।
नोट:- हर जगह से निराश रोगी एक बार अवश्य मिलें।
सुबह 10:30 से 2:30 तक, शाम 6:30 से 8:30 तक
रविवार 10:30 से 2:30 तक
डॉ. सी.पी. गुप्ता
क्लीनिक
स्थापित 1960
माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड आफिस के सामने, चौपुला से कुतुबखाना रोड, बरेली।
मो. 9259082174

Rohilkhand
INFERTILITY & IVF CENTRE
Creating life.... completing families.
दिल्ली का जाना-माना IVF सैन्टर
RISAA IVF
Creating life.... completing families.
अब अधूरे सपने होंगे पूरे
नि:सन्तानता निवारण टेस्ट ट्यूब सैन्टर
परामर्श शुल्क
₹200/- ₹100/-
दिन : प्रत्येक सोमवार व शुक्रवार
समय : प्रातः 10:00 से 02 बजे तक
उपलब्ध सुविधायें :-
★ नि:सन्तानता सम्बन्धित जाँचें
★ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF) रियायती दरो पर
★ लैब टेस्ट भारी छूट पर
★ इन्फर्टीलिटी अल्ट्रासाउंड मात्र 200/- में
अपनी नन्हीं खुशियों को आज ही अपने घर लाये हमारे साथ !
विशेषतायें:-
★ 25 वर्षों के अनुभव के साथ।
★ ICSI, I.U.I., लेप्रोस्कॉपी हिस्ट्रोस्कोपी (दुरबीन द्वारा बच्चेदानी व अंडेदानी की जाँच)
★ उच्चतम सफलता दर ★ विश्वस्तीय आधुनिकतम IVF लैब
देश विदेश में हजारों दम्पत्ति हुए लाभान्वित आइये आप भी यह उम्मीद पाएं.....
स्थान :
IVF सैन्टर Ist Floor न्यू बिल्डिंग कमरा नं. 106
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सुरेश शर्मा नगर चौराहा, डेंटल कॉलेज रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं० 6398018900
पूर्ण एन.ए.बी.एच (NABH) से मान्यता प्राप्त हॉस्पिटल

न्यूज ब्रीफ

घर में घुसकर हमला महिला समेत 3 चोटिल

बदायूं, अमृत विचार : फैजगंज थाना क्षेत्र के गांव तर्क परौली निवासी सरोज देवी ने तहरीर देकर बताया कि 21 अक्टूबर की रात लगभग 8 बजे गांव निवासी रूम पुत्र नन्हें, धर्मपाल पुत्र नन्हें, अजय व अतुल लाठी-डंडे व धारदार हथियार लेकर उनके घर पर आ गए और गाली-गलौज करने लगे। उन्होंने हमला कर दिया। जिससे सरोज देवी के अलावा उनका बेटा पिंटू व बेटी लक्ष्मी भी चोटिल हो गए। शोर सुनकर मोहल्ले के लोग एकत्र हो गए। हमलावर जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। जिससे उनका परिवार सहमा हुआ है। तहरीर में अपने साथ अनहोनी का डर भी बताया। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू की।

पुलिस परामर्श केंद्र पर दो मामलों में समझौता

बदायूं, अमृत विचार : रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित पुलिस परिवार परामर्श केंद्र के सहयोग से आपसी कलह और मतभेद में आकर बिखरते परिवारों को एक डोर से बांधने का पुलिस सहारा बनी है। काउंसर एसडी शर्मा और पुलिस के अधिकारी व कर्मचारी उपनिरीक्षक माया देवी, हेड कांस्टेबिल कुमुद, डोली के सामने 17 फाइलें आईं। जिसमें 12 फाइलों पर काउंसलिंग हुई। दोनों पक्षों को सुना गया। समस्याओं के निवारण पर विचार किया। दो फाइलों में समझौता हुआ और दो फाइलें निरस्त हुईं। शेष को अग्रिम तिथि दी गई है।

असदपुर गंगा में डूबा बदायूं का युवक

संभल, अमृत विचार : संभल के जुनावई क्षेत्र स्थित असदपुर गंगा घाट पर कार्तिक पूर्णिमा मेले का आयोजन था, जहां हजारों श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंचे थे। बदायूं जनपद के थाना इस्लामनगर क्षेत्र के गांव गढ़ी खानपुर निवासी जसवंत का 25 वर्षीय बेटा जतनवीर उर्फ भूरा अपने गांव के साथियों के साथ स्नान करने आया था। वह गंगा में उतरा और अचानक तेज बहाव की चपेट में आकर डूब गया। घटना के बाद वहां अफरातफरी मच गई। उसके साथ आए ग्रामीणों ने मौके पर ही उसकी तलाश शुरू कर दी। सूचना पाकर थाना पुलिस पहुंची। देरक तक मशक्कत के बाद गोताखोरों ने उसे तलाश लिया। जुनावई सीएचसी लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अनुकृति शर्मा भी पहुंचीं। युवक के साथी संयम चौधरी ने बताया कि जतनवीर खाना खाने के बाद स्नान करने गया और डूब गया।

उसावां के युवक की गोली मारकर हत्या

जमीन संबंधी बताई जा रही है रंजिश, पुलिस कर रही आरोपी की जानकारी

संवाददाता, उसावां

युवक की हत्या के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीण। ● अमृत विचार

अमृत विचार: खेत की मेड़ के विवाद में शाहजहांपुर के थाना परौर क्षेत्र में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। विवाद के बाद आरोपी ने अपने घर से तमंचा मंगाया और युवक को गोली मार दी। युवक की मौके पर मौत हो गई। सूचना पर परौर और उसावां पुलिस पहुंची। परौर की पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराएगी। घटना के पीछे जमीन की पुरानी रंजिश बताई जा रही है। गांव में पुलिस को तैनात किया गया है।

● परिजनों का कहना, कहीं और हत्या करके ट्यूबवैल के पास रखा गया शव

मृतक अरवेश यादव।

उसावां थाना क्षेत्र के कस्बा के वार्ड चार निवासी अरवेश यादव (28) पुत्र सिपट्टर खेती करके परिवार का पालन पोषण करते थे। उनकी जमीन बदायूं और शाहजहांपुर जिले की सीमा पर है। बुधवार शाम वह बाजरा के पुआल बांधने के लिए अपने खेत पर गए थे। जहां वह कुछ समय के लिए अपने चाचा के ट्यूबवैल पर बैठ गए। इसी दौरान जमीन की मेड़ काटने को लेकर पड़ोस के खेत मालिक से कहासुनी हो गई। काफी देर तक गाली-गलौज होती रही। इसी दौरान खेत मालिक ने अपने घर से तमंचा मंगवा लिया। अरवेश यादव को मामला सामान्य लगा। वह ट्यूबवैल पर ही रुके रहे। कुछ ही देर के बाद पड़ोसी खेत मालिक ने तमंचे से अरवेश यादव को गोली मार दी। गोली उनके सीने के बायीं ओर लगी। मौके पर ही उनक मौत हो गई। आसपास खेतों पर काम कर रहे किसानों ने उसावां पुलिस और उनकी परिजनों को सूचना दी। रोते बिलखते परिजन मौके पर पहुंचे। पड़ोस के खेत मालिक पर हत्या करने का आरोप लगाया।

उसावां के प्रभारी निरीक्षक वीरपाल सिंह तोमर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जानकारी करने पर पता चला कि घटना क्षेत्र शाहजहांपुर के परौर क्षेत्र का है। प्रभारी निरीक्षक ने परौर पुलिस को सूचना देकर बुलाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। आरोपी की तलाश की जा रही है। वहीं परिजनों का आरोप है कि अरवेश यादव की हत्या करके शव वहां रखा गया है। उसावां के प्रभारी निरीक्षक वीरपाल सिंह तोमर ने बताया कि घटनास्थल शाहजहांपुर के परौर क्षेत्र का है। वहीं की पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराएगी। आरोपी की जानकारी की जा रही है।

तालाब में फेंके गायों के शव, बीडीओ से शिकायत

बदायूं, अमृत विचार : म्याऊं विकास क्षेत्र के एक गांव में गोवंश के शवों को तालाब में फेंकने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने बीडीओ से शिकयत की है। बीडीओ ने जांच कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। मामले का वीडियो सोशल साइट्स पर वायरल हुआ है।

ग्राम पंचायत लभारी के ग्रामीणों ने गोशाला के प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए शिकायत की है। ग्रामीणों का आरोप है कि गोशाला में गायों की स्थिति दयनीय है। अक्सर ही गोवंश की मौत हो रही हैं। गायों की मौत होने के बाद शवों को तालाब में फेंका जा रहा है। जिससे दुर्गंध आती रहती है और पानी भी दूषित है। बीमारियां होने का खतरा बना रहता है। वायरल हुई वीडियो में शवों को देखा जा सकता है। बीडीओ का कहना है कि प्रकरण की जानकारी नहीं है। मामले की जांच कराकर आरोपी सही पाए जाने पर कार्रवाई होगी।

खाद्यान्न की कालाबाजारी कोटेदार पर रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● एक नवंबर दोपहर में पूर्ति निरीक्षक ने किया था दुकान का निरीक्षण

अमृत विचार : निरीक्षण के दौरान उझानी क्षेत्र की एक दुकान पर अनियमितता मिली। पूर्ति निरीक्षक ने डाटा का मिलान किया तो दुकान पर गेहूं, चावल और चीनी होने चाहिए थे लेकिन वहां खाद्यान्न मौजूद नहीं था। जिसके चलते पूर्ति निरीक्षक योगेंद्र पाल ने खाद्यान्न की कालाबाजारी मानते हुए ग्राम पंचायत कुआडांडा के उचित दर विक्रेता अरविंद कुमार पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पूर्ति निरीक्षक ने तहरीर देकर बताया कि एक नवंबर दोपहर लगभग दो बजे उन्होंने अरविंद कुमार की दुकान का निरीक्षण किया था। जहां वह उपस्थित मिले। स्टाक और वितरण अभिलेख मांगने के बाद भी उपलब्ध नहीं कराए गए। सिर्फ ई-पास मशीन ही उपलब्ध कराई। पूर्ति निरीक्षक ने मशीन में प्रदर्शित रिपोर्ट और विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन रिपोर्ट का मिलान किया। जिसके अनुसार गेहूं, चावल और चीनी का अवशेष होना चाहिए था लेकिन दुकान पर खाद्यान्न नहीं था। दुकान में एक और इलेक्ट्रॉनिक कांटा व ई-पास मशीन मिली।

पूछने पर अरविंद कुमार ने लिखकर दिया कि निरीक्षण के समय दुकान पर खाद्यान्न नहीं था। ऐसे में पूर्ति निरीक्षक ने माना कि कोटेदार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम का उल्लंघन किया है। 52.87 कुंतल चावल, 42.46 कुंतल गेहूं अंत्योदय व पात्र गृहस्थी योजना के राशन कार्ड धारकों को वितरण करने की बजाय मुनाफाखोरी के उद्देश्य से कालाबाजारी कर बेच दिया। संबंधित के अनुबंध पत्र के निलंबन की संस्तुति की गई है। पूर्ति निरीक्षक ने वहां मिली ई-पास मशीन, चार्जर, आइरिस स्कैनर, इलेक्ट्रॉनिक कांटा अपनी अभिरक्षा में लेकर ललुईया के उचित दर विक्रेता ओमबाबू के सुपुर्द कर दी।

रथ पर सवार होकर जैन मंदिर पहुंचे भगवान जिनेंद्र

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● उझानी में चल रहा जैन समाज का आयोजन समाप्त

अमृत विचार : जैन समाज के चार दिवसीय श्री आदिनाथ मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के आखिरी दिन तीर्थंकर भगवान के मोक्ष कल्याणक को धूमधाम से मनाया गया। भगवान के मोक्ष प्राप्त होने के बाद दोपहर एक बजे भव्य रथ यात्रा के माध्यम से सभी ने जिनेंद्र भगवान साहूकारा स्थित जैन मंदिर के लिए प्रस्थान किया गया। जहां मंदिर पहुंचते ही नवनिर्मित चौबीसी व मान के स्तम्भ में भगवान को धार्मिक अनुष्ठान के साथ विराजमान किया गया।

परम तपस्यी आचार्य रत्न श्री 108 वसुनंदी सागर ने उपस्थित जैन धर्मावलंबियों को संबोधित करते हुए कहा कि पंच कल्याणक के माध्यम से सभी पाषाण व रत्नों की मूर्तियों को सूर्य मंत्र देकर प्राण प्रतिष्ठा की प्रक्रिया संपन्न हो गई है। आयोजक की ओर से नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष पूनम अग्रवाल, उनके बेटे नीलांशु अग्रवाल और खंड शिक्षा अधिकारी उझानी प्रशांत सिंह, मीडिया प्रभारी प्रशांत जैन को जैन ध्वज का पटका व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मंदिर में सभी धार्मिक क्रियाएं क्षुल्लक रत्न 105 विशंक सागर के दिशा निर्देशन में संपन्न कराई गईं। आचार्य श्री 108 वसुनंदी मुनिराज अपने ससंघ सहित कछला की ओर पैदल बिहार कर गए। सात नवंबर को कासगंज में जैन समाज के कार्यक्रमों में हिस्सा लेते हुए फिरोजाबाद में 17 तारीख को पंच कल्याणक संपन्न कराएंगे। अनूप जैन, मृगांक जैन, निखिल जैन, सोनल जैन, साजन जैन, कुलदीप जैन, प्रियांक जैन, पवन जैन, प्रिंस जैन, काजोल जैन, तृप्ति जैन, संगीता जैन, ममता जैन आदि उपस्थित रहे।

गन्ना माफिया पर अंकुश लगाना बड़ी चुनौती

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● जिले में गन्ना माफियो का मकड़जाल, दर्जनों बनते हैं खरीद केंद्र

अमृत विचार : जनपद में हर साल गन्ना माफिया गन्ना विभाग को चुनौती बनते हैं। सख्ती के बाद भी जगह जगह अवैध गन्ना खरीद केंद्र चलते हैं। इस साल 11 नवम्बर से बिसौली की चीनी मिल में गन्ना पेराई सत्र शुरू हो रहा है। साथ ही गन्ना माफिया भी सक्रिय हो रहे हैं। गन्ना विभाग का कहना है कि इस बार गन्ना माफियाओं पर कड़ी नजर रहेगी।

जिले मे 17 हजार हेक्टेयर से अधिक गन्ना खेती का रकबा है। इसमें 60 प्रतिशत गन्ना बिसौली की चीनी मिल खरीदती है। जबकि 40 प्रतिशत गन्ना पांच अन्य चीनी मिलें खरीदती हैं। बिसौली की चीनी मिल पर गन्ना किसानों का अभी भी करीब 25 करोड़ बकाया है। किसानों का भुगतान न करने पर बिसौली चीनी मिल के नौ गन्ना क्रय केंद्र काट दिए गए हैं। यह क्रय केंद्र दूसरे जिले की चीनी मिल को दिए गए हैं। इसलिए बिसौली चीनी मिल के पास खरीद केंद्र कम हो गए हैं।

बिसौली चीनी मिल को पर्याप्त गन्ना नहीं मिल पाएगा। उधर अन्य चीनी मिलों के गन्ना क्रय केंद्र नवम्बर के प्रथम सप्ताह में ही खोल दिए जाने की बात कही जा रही है। जिले में हर साल गन्ना माफिया सक्रिय रहते हैं। यह माफिया जगह जगह अपने खरीद केंद्र खोल लेते हैं और किसानों से औने पौने दामों पर गन्ना खरीदते हैं। गुलड़िया, आमगांव, लखनपुर सहित करीब पचास गांवों में 80 प्रतिशत किसान गन्ना की खेती करते हैं।

इनमें से सैकड़ों किसान गन्ना समिति के सदस्य नहीं हैं जो अपना गन्ना निजी खरीद केंद्र पर बेचते हैं। सूत्रों की माने तो इस क्षेत्र में

हर जनपद में गन्ना माफिया।

माफिया गन्ने की खरीद के लिए जगह तलाश रहे हैं। कुछ स्थानों पर खरीद करने की पूरी तैयारी भी कर ली गयी है।

गन्ना विभाग की ओर से कहा गया है कि इस बार जिले में कही भी माफिया गन्ना नहीं खरीद पाएंगे। हर क्षेत्र में गन्ना किसानों को सूचित कर दिया गया है कि यदि कोई माफिया अपना खरीद केंद्र बनाता है तो इसकी सूचना दी जाए। बिसौली, क्षेत्र में अवैध रूप से गन्ना खरीद करने वालो पर नजर है। कादरचौक गुलड़िया और लखनपुर गांवों में रात्रि गश्त की जाएगी।

गन्ना विभाग के कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वह नियमित गश्त करें और गन्ना किसानों के संपर्क में रहें।

पिछले साल पकड़े गए थे गन्ना माफिया

पिछले साल गुप्त सूचना पर गन्ना विभाग ने बिसौली से चंदौसी की ओर जा रहे गन्ना से लदे ट्राला पकड़ लिए। ट्राला के साथ जा रहे माफिया को भी पकड़ लिया गया। उनका गन्ना जब्त कर उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी गयी थी। यह प्रकरण शासन स्तर तक पहुंच गया था। जिसके बाद गन्ना विभाग ने जिले भर में चेकिंग अभियान चला कर अवैध गन्ना खरीद पर रोक लगाने का प्रयास किया था।

शिक्षिका ने इंचार्ज प्रधानाध्यापक पर दर्ज कराई रिपोर्ट

बदायूं, अमृत विचार : विकास क्षेत्र आसफपुर के एक परिषदीय विद्यालय की शिक्षिका ने तहरीर देकर बताया कि 31 अक्टूबर को सुबह पौने आठ बजे वह विद्यालय में उपस्थित हुईं।

गेट पर खड़ी होकर विद्यालय खुलने का इंतजार कर रही थीं। बच्चे भी धीरे-धीरे आने लगे। इंचार्ज प्रधानाध्यापक काफी समय तक नहीं पहुंचीं तो अभिभावक भी जानकारी करने लगे। शिक्षिका ने बताया कि चाबियां इंचार्ज प्रधानाध्यापक के पास रहती हैं। साढ़े नौ बजे इंचार्ज प्रधानाध्यापक और उनके पति विद्यालय पहुंचे। शिक्षिका ने कहा कि एक चाबी उन्हें भी दे दें।

बच्चों को बहुत इंतजार करना पड़ता है। जिस पर इंचार्ज प्रधानाध्यापक आक्रोशित हो गईं। उनके शिक्षक पति ने शिक्षिका से अभद्र भाषा का प्रयोग किया। विरोध करने पर गाली दी। शिक्षिका से धक्का-मुक्की और छेड़छाड़ की। मारपीट पर उतारू हो गए। पुलिस ने इंचार्ज प्रधानाध्यापक और उनके शिक्षक पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

दहगवां में सड़कों पर दुकानदारों का कब्जा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● संकरी हुई सड़कें, दिन भर जाम से जूझते रहे लोग

अमृत विचार : दहगवां में दुकानदारों द्वारा सड़कों पर किए गए कब्जे से यातायात व्यवस्था बदहाल होती जा रही है। हर दिन जाम से लोगों को जूझना पड़ता है। सड़क संकरी होने से बुधवार को तीस किमी तक जाम लगा रहा, जिससे घंटों तक बसें व अन्य वाहन जाम में फंसे रहे।

दहगवां नगर पंचायत की लापरवाही के चलते कस्बे के दुकानदारों ने अपनी दुकानों का अधिकांश सामान सड़क पर रख लिया है जिससे सड़क संकरी हो गयी है। दिल्ली रोड से आने वाले वाहनों को हर दिन यहां पर जाम से जूझना पड़ता है। सड़क संकरी होने से बुधवार को सुबह लंबा जाम लग गया। वाहन इधर उधर से किसी तरह चक्कर काट कर बाहर निकले। कस्बे में सड़कों, चौराहों और बाजारों में अक्सर लंबी कतारें देखी जाती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से खरीदारी के लिए आने वाले लोग अपने वाहन दुकानों के सामने ही खड़े कर देते हैं, जिससे मुख्य बाजार में यातायात बाधित होता है। सड़कों पर जाम के चलते स्थानीय लोगों के साथ ही बाहर से आने वालों को भारी दिक्कत होती है।

कस्बे में पार्किंग की व्यवस्था न होने से लोग इधर उधर वाहन खड़े कर देते हैं जिससे वाहनों को निकलने में दिक्कत होती है। बाइक सवार, ई-रिक्शा और साइकिल चालक संकरी गलियों से निकल कर बाहर आते हैं। जाम के चलते कस्बे के लोगों को हर दिन घंटों का समय जाया करना पड़ता है। कस्बे के लोगों का कहना है कि जाम से निजात दिलाने को नगर पंचायत प्रशासन को कई वार पत्र दिए गए। अतिक्रमण हटाने की मांग की गयी मगर आज तक कार्यवाही नहीं की गयी है। हर दिन समस्या बढ़ती जा रही है।

दहगवां नगर पंचायत के ईओ डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि कस्बे की मुख्य सड़क पीडब्ल्यूडी विभाग के अंतर्गत आती है। विभाग ने हाल ही में सड़क का निर्माण कराया है। सड़क के दोनों ओर नाले और पटरी का निर्माण किया जाएगा, जिससे स्थिति ठीक हो जाएगी।

हादसे में पिता पुत्र घायल। संभल, अमृत विचार : थाना कैला देवी क्षेत्र के ग्राम मंडावली निवासी हरज्ञान अपने बेटे योगेंद्र के साथ बुधवार शाम बाइक से गुन्नौर तहसील जा रहा था। गुन्नौर पेट्रोल पंप के पास साइकिल सवार से टक्कर हो गई। अधिक गति होने के कारण बाइक असंतुलित होकर गिर गई और पिता-पुत्र गंभीर रूप से चोटिल हो गए। पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हरज्ञान की हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर कर दिया।

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
विशाल चिकित्सा शिविर
हड्डी रोग विभाग | स्त्री रोग विभाग | बाल रोग विभाग
शल्य रोग (सर्जरी) विभाग | मेडिसिन विभाग | चेस्ट एवं टी.बी विभाग
नेत्र रोग विभाग | मानसिक रोग विभाग | चर्म रोग विभाग | नाक, कान, गला रोग विभाग
यह सुविधा 10 नवम्बर 2025 से 20 नवम्बर 2025 तक
समस्त रोगों के इलाज की उच्च स्तरीय सुविधाएं
रजिस्ट्रेशन शुल्क मात्र 20/- रूपये
डॉक्टर द्वारा परमार्श मुफ्त | भर्ती एवं पलंग मुफ्त | भर्ती मरीजों का एक्स-रे मुफ्त
भर्ती मरीजों की सामान्य जाँचें मुफ्त | डिलीवरी मुफ्त | भर्ती मरीजों का ब्रेन एमआरआई 1500/- में स्पाईन एमआरआई 2000/- में
भर्ती मरीजों का अल्ट्रासाउण्ड मुफ्त | भर्ती मरीजों का सी.टी. 20% की छूट पर एवं ईको 500/-में
भर्ती मरीजों की दवाईयाँ भारी छूट पर
रोहिलखण्ड हॉस्पिटल में इम्पैनल्ड संस्थायें
इम्पेनलमेंट संस्थाओं के नाम (कैशलेस-इलाज)
1. आयुष्मान भारत योजना
2. राष्ट्रीय अन्धता नियंत्रण कार्यक्रम (NBCP)
3. हौसला साझेदारी (परिवार नियोजन)
4 – सी.ए.आई.आई. (CARI)
5. एक्स-सविसमैन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम (ESIC)
6. आई.वी.आर.आई. (IVRI)
7. कर्मचारी राज्य बीमा कारपोरेशन (ESIC)
8. बी.एस.एन.एल.
9. प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान
10. सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (CAPF)
11. सेंट्रल गर्वमेन्ट हैल्थ स्कीम
इम्पैनलमेंट टी.पी.ए. कंपनी (कैशलेस-इलाज)
1. एचडीएफसी एर्गो
2. एरिकसन इंश्योरेंस प्राइवेट लिमिटेड
3. सेफवे इंश्योरेंस टी.पी.ए. प्राइवेट लिमिटेड
4. रिलायंस हेल्थ इंश्योरेंस
5. आदित्य बिरला ग्रुप जनरल इंश्योरेंस कंपनी मिमिटेड
6. जेनिन्स इंश्योरेन्स कंपनी लिमिटेड
9. युनिवर्सल सोम्पो जनरल इन्श्योरेन्स
10. एसबीआई इन्योरेन्स
11. आईसीआईसीआई लोम्बार्ड
12. रिलायन्स जनरल इन्योरेन्स कं. लि.
*इनवेजस रेडियोलॉजी की जाँचें छोड़ कर *T&C Apply
हैल्पलाइन नं. : 9520876140, 8534088093, 9520876145
इमरजेंसी भर्ती की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध अनुभवी डाक्टरों की देख-रेख में
एन.ए.बी.एच.* 'राष्ट्रीय स्तर' द्वारा प्रमाणित संस्था *एंट्री लेवल

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404
Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines
● Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
● Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
● Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
● Humanities and Journalism English
● Faculty of Pharmacy
● Faculty of Management
● Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)
Application Fee
■ For Indian Candidate Rs. 2000/-
■ NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD
Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025
Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

अमृत विचार एक सशक्त अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
मैंने अपने पुत्र रंजीत एवं उसकी पत्नी लवली को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। कौशल्या देवी पत्नी स्व. प्रेमपाल निवासी मो. लठैता कस्बा व थाना आंवला जिला बरेली

आवश्यकता है
सेल्समैन और सेल्सगर्ल एवं गार्ड की,
गर्म कपड़ों के शोरूम
ओसवाल कलैक्शन
46, सिविल लाईस, होटल ओबराय आनंद बेसमेंट हाल, हनुमान मंदिर के सामने, बरेली।
मो. 8847392798

आवश्यकता है
अनुभवी व्यक्तियों की
● लाइब्रेरियन (अनुभवी)
● लैब टेक्नीशियन (अनुभवी)
● ओ टी टेक्निशियन (फीमेल)
● नर्सिंग स्टाफ (मेल)
● कैंटीन (कुक)
● सफाईकर्मी/स्वीपर
वेतनः- योग्यतानुसार
सम्पर्क करें:-
रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड बरेली
मो:- 8077808309, 9837357497

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार,6 नवंबर 2025

देव दीपावली पर लाखों दीपों से जगमगाए गंगा घाट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

काशी में नमो घाट पर देव दीपावली की विधिवत शुरुआत करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में मंत्री जयवीर सिंह व अन्य।

- नमो घाट पर मुख्यमंत्री ने प्रज्ज्वलित किया पहला दीप
- क्रूज पर सवार होकर योगी ने देखी गंगा आरती

अमृत विचार : देव दीपावली की शुरुआत बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी के नमो घाट पर पहला दीप जलाकर किया। उनके साथ पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, राज्य मंत्री रविन्द्र जायसवाल, विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, महापौर अशोक तिवारी ने भी दीप प्रज्वलित कर मां गंगा को नमन किया। इसके बाद सभी विशिष्ट अतिथियों ने क्रूज़ पर सवार होकर मां गंगा की आरती के साथ घाटों पर सजी देव दीपावली के अद्भुत नज़ारे का अवलोकन किया। देव दीपावली पर बुधवार की शाम काशी के अर्धचंद्राकार गंगा घाटों पर जब शाश्वत ज्योति की लौ प्रज्वलित हुई, तो पूरा शहर दिव्यता और भव्यता के अद्भुत संगम में डूब गया। मां गंगा की गोद से निकलती आस्था की सीढ़ियों पर जलते लाखों दीपों की रोशनी ने ऐसा दृश्य प्रस्तुत किया, मानो स्वर्ग स्वयं धरती पर उतर आया हो। गोधूलि बेला में उत्तरवाहिनी गंगा की लहरों पर जब दीपों की सुनहरी आभा झिलमिलाई, तो काशी की आत्मा एक बार फिर सनातन संस्कृति की उजास से आलोकित हो उठी।

योगी सरकार द्वारा इस बार 10 लाख दीपों का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन जन सहभागिता से यह संख्या बढ़कर 15 से 25 लाख दीपों तक पहुंच गई। इन दीपों में 1 लाख गाय के गोबर से निर्मित पर्यावरण अनुकूल दीप भी शामिल थे। घाटों, तालाबों, कुंडों और देवालयों पर दीपों की श्रृंखला ने काशी को सुनहरी माला की तरह सजा दिया। गंगा पार की रेत पर कोरियोग्राफ और सिंक्रोनाइज ग्रीन क्रैकर्स शो ने पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 का कार्यक्रम जारी

लखनऊ,एजेंसी

एशिया के सबसे बड़े शिक्षा बोर्ड के रूप में शामिल उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल (10वीं) और इंटरमीडिएट (12वीं) बोर्ड परीक्षाओं की तिथि बुधवार को घोषित कर दी है। परिषद की सचिव भावना सिंह के स्तर से जारी आदेश के अनुसार आगामी वर्ष की परीक्षाएं 18 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर 12 मार्च 2026 तक चलेंगी।

इस बार परीक्षा कार्यक्रम पहले से ही घोषित कर दिया गया है, ताकि विद्यालयों और विद्यार्थियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके। माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट दोनों परीक्षाएं दो पालियों में आयोजित की जाएंगी। पहली पाली सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक होगी। हाईस्कूल (कक्षा 10) की परीक्षा का पहला प्रश्नपत्र हिंदी का होगा, जो 18 फरवरी को पहली पाली में आयोजित किया जाएगा।

इसके बाद 19 फरवरी को प्रारंभिक हिंदी तथा संस्कृत, 20 फरवरी को सामाजिक विज्ञान और 21 फरवरी को गृहविज्ञान एवं सिलाई जैसी विषयों की परीक्षाएं होंगी। गणित, विज्ञान, कला, संस्कृत, संगीत और कंप्यूटर जैसे विषयों की परीक्षाएं क्रमशः मार्च के पहले सप्ताह तक संपन्न होंगी। अंतिम परीक्षा 12 मार्च 2026 को निर्धारित की गई है।

इंटरमीडिएट (कक्षा 12) की परीक्षा का आरंभ भी 18 फरवरी को सामान्य हिंदी विषय से होगा। अगले दिन यानी 19 फरवरी को भौतिक विज्ञान, भूगोल, गृहविज्ञान आदि विषयों की परीक्षा होगी।

20 फरवरी को समाजशास्त्र एवं कृषि विज्ञान, 23 फरवरी को अंग्रेजी, 24 फरवरी को जीवविज्ञान और गणित की परीक्षाएं होंगी। इसके अलावा 27 और 28 फरवरी को अर्थशास्त्र, संगीत, कृषि एवं पशुपालन से संबंधित विषयों की परीक्षाएं आयोजित होंगी। मार्च के पहले सप्ताह में वाणिज्य, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र और कंप्यूटर जैसे विषयों की परीक्षाएं संपन्न होंगी। यूपी बोर्ड ने यह भी निर्देश दिए हैं कि सभी जिला विद्यालय निरीक्षक इस कार्यक्रम को अपने स्तर पर व्यापक रूप से प्रचारित करें और विद्यालयों को इसकी प्रति उपलब्ध कराएं।

गौरतलब है कि वर्ष 2025 में यूपी बोर्ड की परीक्षाएं फरवरी के अंतिम सप्ताह में शुरू हुई थीं, जबकि इस बार कार्यक्रम को एक सप्ताह पहले घोषित किया गया है। बोर्ड का कहना है कि समय से पहले कार्यक्रम घोषित करने का उद्देश्य परीक्षा प्रक्रिया को और अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाना है।

न्यूज ब्रीफ

टीवी चैनल के लिए सपा के 89 प्रवक्ता घोषित

अमृत विचार, लखनऊ : टीवी चैनल में समाजवादी पार्टी का पक्ष रखने के लिए सपा ने राजधानी लखनऊ के लिए 17 प्रवक्ताओं के साथ कुल 89 प्रवक्ताओं की घोषणा कर दी है। पार्टी हाई कमान द्वारा प्रवक्ताओं की सूची जिलेवार जारी की गयी है। पार्टी प्रवक्ता के अनुसार, बिहार चुनाव के अलावा आगामी चुनाव और राजनीतिक गतिविधियों पर चर्चा के लिए अधिकृत प्रवक्ता घोषित किए गए हैं।

बिजली कर्मियों का 14 को ध्यानाकर्षण प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : यूपीपीसीएल प्रबंधन द्वारा उपकेंद्रों के परिचालन और अनुरक्षण कार्य में तैनात लगभग 25 हजार आउटसोर्स कर्मचारियों की छटनी के विरोध में बिजली कर्मचारियों में रोष बढ़ता जा रहा है। इस मुद्दे सहित कई अन्य लंबित समस्याओं को लेकर निविदा संविदा कर्मचारी संघ 14 नवम्बर को प्रदेशभर में ध्यानाकर्षण प्रदर्शन करेगा। राजधानी में यह कार्यक्रम मध्यांचल वितरण निगम के एमडी कार्यालय के सामने आयोजित होगा। संघ के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि पावर कार्पोरेशन प्रबंधन ने 18 सितम्बर को जारी अपने ही आदेशों की अनदेखी की है। छटनी के बाद उपकेंद्रों के लिए कर्मचारियों की नई तैनाती से संबंधित मानक समिति की रिपोर्ट पांच माह बाद भी उपलब्ध नहीं कराई गई है। उन्होंने बताया कि 55 वर्ष की आयु का हवाला देकर कर्मचारियों को हटाना पूरी तरह मनमाना कदम है। उन्होंने आगे कहा कि मीटर रीडरों को प्रति बिल 16 रुपये भुगतान नहीं किया जा रहा है। वहीं, स्मार्ट मीटर लगाए जाने पर उन्हें अन्य कार्यों में समायोजित करने के बजाय हटाया जा रहा है।

मृदा कार्ड से सुधरेगी मिट्टी की सेहत

अमृत विचार, लखनऊ : रबी फसलों के लिए खेतों की मिट्टी की उर्वरा शक्ति परीक्षण कराकर बढ़ाई जाएगी। इससे किसान मिट्टी में पोषक तत्वों व अन्य होने वाली कमियों की जानकारी करके उसकी पूर्ति करेंगे। मिट्टी के कुल 4,800 नमूने परीक्षण कराने का लक्ष्य रखा है। इसमें प्रत्येक विकास खंड की छह ग्राम पंचायत चिह्नित की हैं। इन पंचायतों के अंतर्गत कुल 100 नमूने लिए जाएंगे। सहायक निदेशक मृदा परीक्षण/कल्चर लखनऊ मंडल डॉ. मनमोहन लाल ने बताया कि विशेष अभियान के तहत विभाग ने चिनहट विकास खंड में 100 फीसद नमूने ले लिए हैं। इन सभी का परीक्षण करके 15 दिन में रिपोर्ट कार्ड किसानों को वितरित करेंगे। किसान खेतों में डीएपी व एनपीके का अधिक इस्तेमाल करते हैं। इससे मिट्टी को नुकसान पहुंचता है और कीट मित्र मरने से उर्वरा शक्ति कमजोर हो जाती है। ऑर्गेनिक कार्बन व नाइट्रोजन कम है। इससे उपज कम होती है और लागत ज्यादा आती है। सभी किसान मिट्टी का परीक्षण जरूर कराएं।

जौनपुर में सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

जौनपुर, एजेंसी : वाराणसी-लखनऊ राजमार्ग पर मंगलवार देर रात हुई सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना जफराबाद थाना क्षेत्र के महारूपुर गांव के पास हुई। पुलिस के अनुसार, सुल्तानपुर का निवासी रामचल (36) वाराणसी से वाहन में माल लादकर लखनऊ जा रहा था, इस दौरान आधी रात के आसपास चालक को झपकी आने पर वाहन अनियंत्रित हो गया जहां सामने से आ रहे ट्रक से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर के बाद रामचल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसका सहायक जहूर अहमद मलिक (40) सामने से वाहन आता देख अपने वाहन से कूद गया और सिर के बल गिरने से उसकी भी मौत हो गई।

पहले पशुओं का चारा खाया, अब आए तो गरीबों का राशन खा जाएंगे

बिहार की चुनावी जनसभा में मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर कसा तंज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

बिहार में आयोजित चुनावी सभा में संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

- बोले, ठगी की दुकान खोलकर चुनाव के बहाने आपके बीच आए हैं महागठबंधन वाले

जंगलराज फिर नहीं आने देना है : योगी

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस व राजद ने बिहार के नागरिकों के सामने पहचान, बहन-बेटियों, व्यापारियों व उद्यमियों के सामने सुरक्षा का संकट खड़ा किया था तो किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर कर दिया। आज जो लोग घोषणाएं कर रहे हैं, वह लोग महागठबंधन बनाकर ठगी की दुकान खोलकर चुनाव के बहाने आपके बीच आए हैं, फिर से जंगलराज नहीं आने देना है।

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में तमाम व्यस्तताओं के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को भी बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार करने पहुंचे। योगी ने वहां भाजपा के विकास कार्यों को गिनाया तो राजद-कांग्रेस गठबंधन पर करारा प्रहार भी किया। मुख्यमंत्री सूचना परिसर लखनऊ से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, योगी ने वहां कहा कि कांग्रेस व राजद झूठे वायदे कर रहे हैं, पहले यह पशुओं का चारा खाए, अब अवसर दिया तो गरीबों का राशन खा जाएंगे। योगी ने अपील की कि कांग्रेस-राजद की घोषणा पर विश्वास न करना, क्योंकि जो राम का नहीं, वह हमारे किसी काम का नहीं। जो रामद्रोही है, वह हमारा भी विरोधी है। रामद्रोही रामराज्य नहीं ला सकता, वह जंगलराज ही लाएगा।

योगी के मुताबिक, बिहार में आज एनआईटी, आईआईएम, एम्स, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज आदि की लंबी श्रृंखला है। बिहार का नौजवान दुनिया में फिर से अपनी मेधा की छाप छोड़ रहा है और बिहार के विकास में भी योगदान दे रहा है। 11 वर्ष में मोदी जी ने विकास व विरासत का सम्मान किया है। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार की विकास योजनाओं को भी गिनाया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2005 के पहले बिहार में अपराध, जातीय संघर्ष, माओवाद, नक्सलवाद था। यूपी-बिहार के नाम पर देश-दुनिया में सम्मान नहीं मिलता था। बिहार में लालू प्रसाद यादव के शासन में 60 से अधिक जातीय नरसंहार, 30 हजार से अधिक अपहरण हुए। व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, संभ्रांत व्यक्ति सुरक्षित नहीं थे। बिहार के 30-40 फीसदी लोगों की आबादी गोरखपुर व वाराणसी में है, क्योंकि उस समय जंगलराज था, लेकिन नीतीश बाबू के नेतृत्व में 20 वर्ष में सुशासन की सुदृढ़ नींव रखी गई। बिहार में रोड, रेल, एयर कनेक्टिविटी के साथ अब वाटरवे की कनेक्टिविटी बिहार से होते हुए यूपी को जोड़ रही है। किसानों के उत्पाद हों या बिहार का मखाना, जल मार्ग से दुनिया के बाजारों में पहुंचाया जा रहा है।

गुरु नानक देव के संदेश देश की सामाजिक व्यवस्था की नींव : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गुरु नानक देव जी महाराज के प्रकाश पर्व पर लखनऊ में आयोजित समारोह के दौरान मुख्यमंत्री योगी को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंट करते सिख समुदाय के लोग।

- 556वें प्रकाश पर्व पर सिख गुरुओं के सम्मान में मुख्यमंत्री ने शीश नवाया

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को सिख पंथ के संस्थापक एवं प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 556वें प्रकाश पर्व पर राजधानी लखनऊ के डीएवी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने सिख गुरुओं के सम्मान में अपना शीश नवाया और दर्शन किए। समारोह में कमेटी की ओर से मुख्यमंत्री का स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु नानक देव जी भारत के एक उच्च कोटि के आध्यात्मिक महापुरुष थे, जिन्होंने 500 वर्ष पहले समाज के संगठन, समानता और सेवा का जो संदेश दिया, वही आज भारत की सामाजिक व्यवस्था की नींव है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उस काल में जब देश बाबर जैसे विदेशी आक्रांताओं की बर्बरता झेल रहा था, जब मंदिर तोड़े जा रहे थे, आस्था पर प्रहार हो रहे थे, तब भी गुरु नानक देव जी बिना भय, बिना दबाव समाज को मार्गदर्शन दे रहे थे। उन्होंने मिल-बांटकर खाने, गरीबों की मदद करने और एकजुट समाज बनाने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर समाज में एकता और धर्म की मजबूती का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज जब कुछ क्षेत्रों में धर्मांतरण जैसी गतिविधियां दिखाई देती हैं, तो हमें सिख पंथ की मूल भावना- एकता, संगठन और सेवा को और सशक्त करना होगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हम मजबूत रहेंगे, तो हर कोई हमारी आस्था का सम्मान करेगा। सिख गुरुओं और महापुरुषों का बलिदान हमारे लिए प्रेरणा है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई दी।

बिहार में भाजपा को 30 सालों की सरकार का हिसाब देना है : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

बिहार में मायावती की एंट्री, चुनावी सभा आज

अमृत विचार, लखनऊ : बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान में अब बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया और उप्र. की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की भी एंट्री हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बाद अब मायावती भी बिहार के रण में उतरने जा रही हैं। बसपा प्रमुख गुरुवार को कैमूर जिले के भभुआ में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगी। यह सभा भभुआ हवाई अड्डे के समीप आयोजित की जाएगी, जिसमें पड़ोसी जिलों और आसपास के विधानसभा क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों के पहुंचने की संभावना है। बसपा इस बार बिहार विधानसभा चुनाव अकेले अपने दम पर लड़ रही है और लगभग सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और मायावती के भतीजे आकाश आनंद, राज्यसभा सांसद व राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर रामजी गौतम, तथा अनिल सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता लगातार बिहार में प्रचार अभियान में जुटे हुए हैं। बसपा की इस सक्रियता से चुनावी माहौल में नया उत्साह और सियासी हलचल बढ़ गई है। मायावती की भभुआ रैली बसपा के लिए बिहार में नए राजनीतिक समीकरणों की दिशा तय कर सकती है।

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि पूरे बिहार में इंडिया गठबंधन के पक्ष में बदलाव की बयार चल रही है। पूरा देश बिहार की तरफ देख रहा है। बिहार की जनता ने हमेशा देश को संदेश देने का काम किया है। बिहार में सरकार बदलेगी। इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे। नयी सरकार में नौजवानों को नौकरी और रोजगार मिलेगा।

सपा प्रमुख ने बुधवार को बिहार में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में चार चुनावी जनसभा को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में बिहार की जनता केंद्र की भाजपा सरकार के 10 साल और प्रदेश की एनडीए सरकार के 20 सालों का हिसाब देगी। बिहार में भाजपा को 30 सालों की सरकार का हिसाब देना है। भाजपा ने बिहार को महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और पलायन के अलावा कुछ नहीं दिया है। भाजपा ने बिहार के बजट की लूट की है। बिहार का बजट बिहार के विकास पर खर्च होना चाहिए। बिहार से भाजपा का बंडलराज खत्म करना है।

अखिलेश यादव ने कहा कि बिहार के चुनाव में जनता के बीच तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनने को लेकर उत्साह है। तेजस्वी यादव सामाजिक न्याय के राज की स्थापना करेंगे। सभी को नौकरी और रोजगार मिलेगा, सभी को सम्मान और न्याय मिलेगा। हर घर को 200 यूनिट बिजली मुफ्त देंगे।

श्रमिकों की बेटियों के विवाह पर मिलेंगे 85 हजार रुपये

प्रदेश सरकार ने बढ़ाई कन्या विवाह सहायता राशि, आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन और निशुल्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सामान्य विवाह पर 65,000 अंतर्जातीय पर 75,000 व सामूहिक पर 85,000 की मदद

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने निर्माण श्रमिकों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। राज्य के भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित कन्या विवाह सहायता योजना में आर्थिक सहायता राशि में बढ़ोतरी की गई है। अब सामान्य विवाह के लिए 65 हजार रुपये, अंतर्जातीय विवाह के लिए 75 हजार रुपये और सामूहिक विवाह के लिए 85 हजार रुपये प्रति जोड़े की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त 15 हजार रुपये आयोजन के लिए अलग से उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि श्रमिक परिवार समाज की रीढ़ हैं। उनकी बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग देना सरकार का मानवीय कर्तव्य है। सरकार का प्रयास है कि कोई भी श्रमिक बेटी बिना चिंता के अपने जीवन का नया अध्याय शुरू कर सके। इसी क्रम में सामूहिक विवाह कार्यक्रमों की संपूर्ण व्यवस्था श्रम विभाग एवं बोर्ड द्वारा की जाएगी, ताकि श्रमिक परिवारों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। विवाह आयोजन में सुरक्षा, आवास, परिवहन और भोजन की सभी व्यवस्थाएं विभाग द्वारा सुनिश्चित की जाएंगी।

बोर्ड की सचिव पूजा यादव ने बताया कि भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड का उद्देश्य हर पंजीकृत श्रमिक तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। कन्या विवाह सहायता राशि में वृद्धि से श्रमिक परिवारों को सीधा और ठोस लाभ मिलेगा। वर्तमान में 1.88 करोड़ से अधिक श्रमिक बोर्ड में पंजीकृत हैं।

पंजीकृत श्रमिक मात्र 20 रुपये एकमुश्त पंजीकरण शुल्क और 20 रुपये वार्षिक अंशदान देकर योजनाओं के पात्र बन सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन एवं निःशुल्क है। श्रमिक www.upbocwboard.in वेबसाइट या जन सेवा केंद्रों के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

नर्सिंग कॉलेजों की खाली सीटों पर होगी सीधी भर्ती

अमृत विचार, लखनऊ : नर्सिंग कॉलेजों में जीएनएम पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए कॉलेज प्रशासकों को छूट मिल गयी है। कॉमन इंट्रेंस परीक्षा और काउंसिलिंग के माध्यम से सभी सीटें फुल न होने के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने छूट दी है। उप्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी के रजिस्टार डॉ.अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि जो अथ्यर्थी इंट्रेंस परीक्षा दिए हैं और दाखिला नहीं पाए हैं, उन्हें पुनः मौका मिलेगा। मालूम हो कि प्रदेश में आठ सरकारी और 450 निजी नर्सिंग कॉलेज हैं। इनमें कुल 20648 सीटों में अभी तक 5082 सीटें रिक्त हैं।

आयोजन | सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान के तहत 10 से विधानसभा क्षेत्र स्तर पर शुरू होंगी पदयात्राएं

यात्रा समापन तक साथ रहेंगे भाजपा के 1000 कार्यकर्ता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पार्टी पदाधिकारियों ने तैयारी को लेकर किया वर्चुअल संवाद

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान के तहत 10 नवंबर से विधानसभा स्तर पर प्रारंभ होने वाली पदयात्राएं प्रत्येक विधानसभा में 8 किलोमीटर की यात्रा तय करते हुए शहर, गली, गांव तक पहुंचेगी। भाजपा के 1000 से अधिक कार्यकर्ता यात्रा प्रारंभ स्थान से लेकर समापन तक साथ रहेंगे। इसके साथ ही विभिन्न सामाजिक संगठन, व्यापारी संगठन, एनजीओ, मजदूर, किसान, अधिवक्ता, शिक्षक, युवा तथा महिलाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले संगठन भी पदयात्रा में साथ चलेंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह के साथ प्रदेश, क्षेत्र एवं जिला टीम के साथ बुधवार को वर्चुअल संवाद किया। सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान के तहत 10 नवम्बर से विधानसभा स्तर क्षेत्र पर प्रारंभ होने वाली पदयात्राओं की तैयारियों की समीक्षा के साथ प्रभावी कार्यक्रमों की कार्ययोजना पर चर्चा हुई। सुनील बंसल ने कहा कि पद यात्राओं में प्रत्येक 2 किलोमीटर पर पड़ाव रहेगा। इस तरह पूरी यात्रा के दौरान कुल 4 पड़ाव होंगे। प्रथम पड़ाव पर पौधरोपण के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। द्वितीय पड़ाव पर किसी खिलाड़ी, साहित्यकार, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी नेता, अभिनेता, अधिवक्ता जैसे किसी विशिष्ट व्यक्ति का उद्बोधन होगा। जबकि तृतीय पड़ाव पर गायन, नाटक सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सरदार पटेल के योगदान का मंचन किया जाएगा।

पार्टी नेताओं के साथ वर्चुअल संवाद करते धर्मपाल सिंह, साथ में अन्य।

मतदाता पुनरीक्षण अभियान में मुस्तैदी से जुटें

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बुधवार को मतदाता पुनरीक्षण अभियान की बैठक को सम्बोधित करते कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पदाधिकारी तथा जनप्रतिनिधि को अभियान में मुस्तैदी से जुटना है और हर गांव, हर घर, हर व्यक्ति तक पहुंचकर सभी पात्र लोगों का नाम मतदाता सूची में जुड़वाना है। धर्मपाल सिंह बाराबंकी में मंडल अध्यक्षों एवं विधानसभा संयोजको को सम्बोधित कर रहे थे।

आयुष्मान के क्लेम में मरीज व डॉक्टर के फोटो भी लगेंगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए ई-केवाईसी व बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत योजना) को डिजिटली सुदृढ़ बना दिया गया है। अब क्लेम प्रस्तुत करते समय अस्पतालों को मरीज और डॉक्टर की तस्वीरें पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य कर दिया गया है। एनआईएचए (नेशनल इन्फॉर्मेशन हेड क्वार्टर एजेंसी) और एसआईएलए (सिस्टम इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड लॉजिस्टिक एजेन्सी) ने इसे तकनीकी रूप से सशक्त बनाया है। सुरक्षा के उपायों से इन पोर्टल्स में सेंधमारी आसान नहीं होगी।

उप्र. में योजना संचालन की नोडल एजेंसी (स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड) की मुख्य कार्यपालक अधिकारी अर्चना वर्मा ने बुधवार को बताया कि अब आयुष्मान भारत योजना से जुड़े सभी पोर्टलों पर आधार-आधारित ई-केवाईसी को अनिवार्य कर दिया गया है। इससे योजना में किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिलेगी। इसके अलावा पोर्टलों पर उपयोगकर्ताओं के पासवर्ड सुरक्षित रखने के अलावा बायोमेट्रिक सत्यापन भी लागू कर दिया गया है। जिससे पोर्टल्स पर दो-स्तर से सत्यापन और डेटा सुरक्षा में वृद्धि होगी। इसके अलावा उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा आर्टिफिशियन इंटेलिजेंस तकनीकी का उपयोग कर अस्पतालों द्वारा प्रस्तुत दावों की पहचान की जाएगी। संदिग्ध कार्ड्स के भौतिक सत्यापन के लिए जिला अधिकारियों को भेजा जाएगा। मुख्य कार्यपालक अधिकारी अर्चना वर्मा ने बताया कि नियमों के सख्त होने से मरीजों को इलाज में गुणवत्ता और प्रामाणिकता मिलेगी।

फेंका शिशु का शव कुत्तों ने नोचकर खाया

बरेली/मानपुर, अमृत विचार : शीशगढ़ थाना क्षेत्र में गांव बंजरिया के बाहर झाड़ियों में किसी ने शिशु का शव फेंक दिया। शव को कुत्ते नोंच कर खा रहे थे। बुधवार सुबह जब इसकी जानकारी ग्रामीणों को हुई तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

जिंदा को मरा दिखाकर 1.23 करोड़ का किया गोलमाल, चार गिरफ्तार

सरकारी पेंशन के नाम पर फर्जी तरीके से लगा रहे थे विभाग को चूना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आंवला पुलिस ने गिरोह का किया भंडाफोड़, सभी आरोपी भेजे गए जेल

> जिंदा लोगों को कागजों में मृत दिखा कर फर्जी विधवा और वृद्धावस्था पेंशन पास करा कर सरकारी विभाग को 1.23 करोड़ रुपये का चूना लगाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। आरोपियों से मिले साक्ष्य के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।
> –अंशिका वर्मा, एसपी दक्षिणी

अमृत विचार : जिंदा लोगों को कागजों में मृत दिखा कर फर्जी विधवा और वृद्धावस्था पेंशन पास करा कर 1.23 करोड़ रुपये का चूना लगाने वाले गिरोह का आंवला पुलिस ने भंडाफोड़ करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चारों आरोपियों को बुधवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से सभी को जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बसंत बिहार कालोनी के हरीश कुमार, मोहल्ला शास्त्री गली के शांतिस्वरूप, ग्राम बिलौरी के मुनीष और ग्राम सेंधा, थाना भमौरा निवासी प्रमोद के रूप में हुई है।

बुधवार को पुलिस लाइन सभागार में एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने प्रेसवार्ता कर बताया कि गिरोह के लोग लोगों को पेंशन का लालच डालकर आधार कार्ड और कागजात जुटाते थे। फिर जनसेवा केंद्र पर फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र भी तैयार करवा दिए जाते थे। किसी को मृत दिखाकर उसके नाम पर पेंशन स्वीकृत कराई जाती थी। उसके बाद रकम सीधे अपने और परिचितों के बैंक खातों में डाल दी जाती थी। पुलिस की जांच में सामने आया कि गैंग पिछले चार साल से सक्रिय था और अब तक 56 लोगों को विधवा पेंशन और दो को वृद्धावस्था पेंशन के नाम पर फर्जी लाभार्थी बनाकर रकम हड़प चुका था। हरीश जनसेवा केंद्र और एसबीआई मित्र चलाता था। दस्तावेजों की जालसाजी का काम वहीं से होता था, जबकि शांतिस्वरूप, मुनीष और प्रमोद गांव-गांव घूमकर गरीब और अनपढ़ लोगों को पैसा डबल करने और महामाया योजना जैसे नामों का लालच देकर आधार कार्ड और दस्तावेज जुटाते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्रों की छह कॉपियां बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज है।

गिरोह के सदस्यों का अलग-अलग था काम

पुलिस पूछताछ में आरोपी हरीश ने बताया कि वह जनसेवा केंद्र ग्राम बिलौरी थाना आंवला में संचालित करता था। वह एसबीआई मित्र के रूप में कार्यरत भी था। सभी आरोपी क्षेत्र से जो कागज इकट्ठे करते थे। जनसेवा केंद्र पर ही असली कागजों को फर्जी रूप में तैयार किया जाता था। जिसके डिजिटल साक्ष्य भी बरामद हुए हैं। शान्तिस्वरूप लोगों से आधार कार्ड प्राप्त कर हरीश के जनसेवा केंद्र पर देता था। इस तरह गुमराह कर प्राप्त होने वाली सहायता धनराशि को अपने खातों में जमा करा लिया गया। आरोपियों के कब्जे से आधार कार्ड, छह फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र की फोटो कॉपी समेत अन्य कागजात बरामद हुए हैं। हरीश पर तीन, शान्तिस्वरूप पर तीन और मनीष और प्रमोद पर एक-एक मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

अजीम और अंकुर ने पाया दूसरा स्थान

बरेली, अमृत विचार : बिजनौर के नहटौर में हुई उत्तर प्रदेश श्री एवं उत्तराखंड श्री शरीर सोष्ठव प्रतियोगिता में बरेली के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसमें रामपुर के नईम उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड श्री बने। बरेली के अजीम फिजिक में उत्तर प्रदेश रनरअप रहे। बॉडी बिल्डिंग उत्तर प्रदेश मेन फिजिक में बरेली के अंकुर त्यागी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

यूपी फिटनेस एंड बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद घिल्डियाल ने बताया कि शिव चौहान ने 60 से 65 किग्रा में द्वितीय, शबाब ने 70 से 75 किग्रा में द्वितीय, राजन वर्मा ने 55 से 60 किलोग्राम में तृतीय, नवाजिश ने 75 से 80 किग्रा में तृतीय , गौरव आजाद ने 80 से 85 किलोग्राम में प्रथम स्थान प्राप्त कर बरेली का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में प्रदेश महासचिव अल्ताफ हुसैन, डॉ. नजमुन नबी, अलीम मुहम्मद, विपिन बाबा, सलीम अख्तर रहे। मुशाहिद टीम के मैनेजर एवं कोच के रूप में रहे। 29 नवंबर को मिस्टर रुहेलखंड बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता का आयोजन संभल में किया जाएगा।

पुलिस ने 31 बदमाशों की खोली हिस्ट्रीशीट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- सात बदमाश अकेले फरीदपुर क्षेत्र के, होगी नियमित निगरानी

अमृत विचार : जिले में लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी, गोकशी, हत्या, लूट, डकैती जैसी संगीन वारदातों में शामिल रहे 31 शातिर अपराधियों की पुलिस ने बी क्लास की हिस्ट्रीशीट खोली है। इनमें सबसे ज्यादा सात बदमाश फरीदपुर थाना क्षेत्र के हैं। अब पुलिस इन अपराधियों की नियमित निगरानी रखेगी। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि जिन बदमाशों की हिस्ट्रीशीट खोली गई उनमें कुछ अपराधी मौजूदा समय में जेल में भी बंद हैं।

जिन अपराधियों की अपराधियों की बी क्लास की हिस्ट्रीशीट खोली गई है उनमें बड़े उर्फ अजरुद्दीन निवासी दुनका थाना शाही, तौफीक अहमद निवासी गांव बसई, शाही, महेंद्रपाल निवासी गांव मंडनपुर, मीरगंज, रोहित यादव निवासी भुर्जी ओला, आंवला, नाजिम अली निवासी फूटा दरबाजा, आंवला, निजाम उर्फ निजामुद्दीन निवासी मनौना, आंवला, अफरोज अहमद निवासी गांव मथुरापुर, सीबीगंज, राजा निवासी सरनिया, सीबीगंज, हनीफ उर्फ बिल्ला निवासी गांव भिंडौलिया, बिथरी चैनपुर शामिल हैं। इसके अलावा खुर्शीद निवासी गांव अंगूरी टांडा, सुभाषनगर, सैफी निवासी खुशबू एन्क्लेव, बारादरी, लक्ष्मी नारायण उर्फ मुन्ना निवासी शाहदाना, बारादरी, दिनेश उर्फ कल्लू निवासी मोहल्ला कानून गोयान हाल निवासी श्यामगंज, बारादरी, फरहान निवासी मोहल्ला एजाजनगर गौटिया, बारादरी, प्रेम सिंह निवासी गांव ढकिया, अलीगंज, मकबूल निवासी महोलिया, अलीगंज, नेकसू उर्फ पूरन लाल निवासी गांव कुडरिया फैजुल्लापुर, अलीगंज, अचल निवासी गांव जोगीठेर, अलीगंज, नुरैन निवासी गांव अवदपुर, बिशारतगंज, साबिर निवासी गांव दुआवट, हाफिजगंज, बुंदन निवासी गांव बरखन, नबावगंज, अनिल निवासी गांव हिमकरा, नबावगंज, तौसीफ निवासी गांव प्रहलादपुर, क्योलड़िया, नदीम निवासी फरीदापुर चौधरी अन्य के नाम शामिल है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना सं0 50/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी०) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से ''खुली'' निविदा आमंत्रित करते है। **क्र.सं. :–1., कार्य का विवरण:–** इज्जतनगर लोको शेड में सीएनसी शेड के पास 50 टन क्षमता वाली ईओटी क्रेन के लिए गैन्ट्री रेल के प्रावधान के साथ बे नं0 1 एवं 2 का विस्तार, बे नं0 4 एवं 5 में कैटवॉक को हटाना एवं वर्क क्षेत्र में भराई का कार्य एवं अन्य विविध कार्य।, **अनुमानित लागत रूपयो मे:–** रु. 4,52,12,758.29, **बयाना राशि रूपयो में:–** रु. 3,76,100/–, निविदा प्रपत्र का मूल्य. **शून्य** स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि **08 माह**, **1.** ई–निविदा दिनांक **25.11.2025** को **15.00 बजे** तक आन लाइन जमा कर सकेंगे।, **2.** ई–निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के **IREPS** वेब साईट **www.ireps.gov.in** पर देखे।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0) इज्जतनगर
मुजाधि/डब्लू–320

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय ग्राम पंचायत मानपुर अहियापुर वि.खं. क्यारा, बरेली

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्म ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 मे अन्तर्गत ग्राम पंचायत मानपुर अहियापुर में निम्नलिखित कार्य कराये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है–

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	योजना का नाम
1	हसमत अली के घर से शहलीन के घर तक सी.सी. निर्माण कार्य।	397722/-	2 प्रतिशत	मनरेगा
2	मेवाराम के घर से चन्दन के घर तक सी.सी. निर्माण कार्य।	397964/-	2 प्रतिशत	मनरेगा

उपयुक्त कार्य ग्राम पंचायत मानपुर अहियापुर की निगरानी में कराया जायेगा पंजीकृत फर्म को सामग्री की आपूर्ति कार्य स्थल पर कराये जाने हेतु दिनांक 16.11.2025 से 12.11.2025 दोपहर 2 बजे तक सीलबन्द निविदा आमंत्रित की जाएगी तथा 13.11.2025 को अपराहन दो बजे कार्यालय में ग्राम प्रधान और जनप्रतिनिधियों के सामने मोहरबंद लिफाफों को खोला जाएगा।

ग्राम प्रधान सचिव

बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल लि., बीसलपुर (पीलीभीत)

पत्रांक: बी.के.एस./क्रय/2025–26/1823 दिनांक: 05.11.2025

ई-निविदा सूचना

इस मिल समिति में वर्ष 2025–26 में अनुभवी पार्टियों से मिल के तीनों व्यायलरों के फर्नेस, चैम्बर एवं वैट स्क्रवर के ऐश पौण्ड में एकत्रित राखी को हटाने संबंधी कार्य, प्रेसमड (मैली) बिक्री कार्य हेतु दिनांक 14.11.2025 तक ई–निविदाएं निर्धारित धरोहर राशि जमा करने के उपरांत आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा की नियम एवं शर्ते व विस्तृत विवरण www.etender.up.nic.in से एवं संघ कार्यालय लखनऊ की वेबसाइट www.upsugarfed.org से डाउनलोड की जा सकती है। यदि आवश्यक हुआ तो एल–1 / एच–1 बिडर्स से निगोसियेशन किया जा सकता है। अद्योहस्ताक्षरी को निविदा की शर्तों में परिवर्तन करने एवं बिना कारण बताये एक या समस्त ई–निविदायें निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

डॉ. हरी कृष्ण गुप्ता
प्रधान प्रबन्धक

लिलौर झील में नौका विहार और फैमिली ट्रेन शुरू

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पशुधन मंत्री ने अफसरों के साथ फैमिली ट्रेन और ट्रैक का किया उद्घाटन

अमृत विचारः डीएम अविनाश सिंह के प्रयासों से बुधवार से ऐतिहासिक लिलौर झील किनारे पर्यटकों के लिए फैमिली ट्रेन और नौका विहार का संचालन शुरू हो गया। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार और मंडलायुक्त भूपेंद्र एस चौधरी और डीएम सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में फीता काटकर ट्रेन का शुभारंभ किया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि ने पर्यटक विश्राम गृह, मंडपम और ट्रेन स्टेशन यार्ड का शिलान्यास किया। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने झील में नौका विहार करने के साथ फैमिली ट्रेन में सफर करने का आनंद लिया। जनप्रतिनिधियों ने भूमि पूजन कर यहां बनने वाले पर्यटक गेस्ट हाउस की भी नींव रखी।

इस अवसर पर मंत्री धर्मपाल ने कहा कि महाभारत काल में इस यक्ष सरोवर का उल्लेख किया गया है, यह भोग की भूमि नहीं, बल्कि योग की भूमि है। लिलौर झील का विकास धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में किया जाएगा, अब यह मनोरम झील पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनेगी, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा, यहां के स्थानीय लोग होम स्टे नीति के अंतर्गत पर्यटकों को नियम के अनुसार अपने घर में भी फूडिंग/लाउजिंग की सुविधा उपलब्ध कराकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

ममरी ,अमृत विचारः मोहम्मदी रोड पर महेशपुर गांव के आगे कठिना नदी पुल के पास एक सड़क दुर्घटना में भतीजे और भाभी की अस्थियां लेकर जा रहे दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए।

रामपुर जंगल निवासी 40 वर्षीय कृष्ण कुमार 29 अक्टूबर को अपने पिता राम औतार की डायलशिश कराने मां रामकली के साथ कार से लखीमपुर आ रहे थे। रास्ते में कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई थी। हादसे में कृष्ण कुमार और रामकली की मौत हो गई थी। इसके बाद घर में 10वां और तेरहवीं का कार्यक्रम हुआ। बुधवार की सुबह राम औतार के छोटे भाई पुत्तूलाल वर्मा पोते अवनीश के साथ बाइक से गोमती अस्थियां लेकर जा रहे थे। कठिना पुल से पहले ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी भेजा, जहां उपचार के दौरान पुत्तूलाल वर्मा की की मौत हो गई, जबकि अवनीश घायल हो गया।

चीनी मिल के सामने जाम में फंसे वाहन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

गुलरिया चीनी मिल के पास राजमार्ग पर जाम में फंसे वाहन। ● अमृत विचार

- गन्ना ट्रॉलियों और ट्रकों की लंबी कतार से पुलिस के छूटे पसीने

अमृत विचारः गुलरिया चीनी मिल के सामने बुधवार को गन्ना लेकर पहुंचे ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और ट्रकों की लंबी लाइन लग गई। मिल के गेट के पास गन्ने की ट्रालियों के खड़े होने से राजमार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। देखते ही देखते जाम कई किलोमीटर तक फैल गया, जिससे आम राहगीर और छोटे वाहन चालक घंटों तक फंसे रहे।

चीनी मिल पेराई सत्र शुरू होने के बाद राजमार्गों पर जाम लगने का सिलसिला अब शुरू हो गया है। आड़े-तिरछे गन्ना भरे वाहनों के खड़े कर दिए जाने से अक्सर जाम की समस्या पैदा हो जाती है। बुधवार को भी कुछ यही हुआ। लखीमपुर-पलिया राजमार्ग पर गुलरिया चीनी मिल के पास गन्ना भरे वाहनों के आड़े-तिरछा खड़ा होने से भीषण जाम लग गया। हालात यह हो गए कि कुछ ही देर में दोनों तरफ कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। जाम में छोटे वाहन भी फंस गए। पड़रिया तुला और बिजुआ चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और मिल कर्मचारियों के साथ मिलकर जाम हटाने के प्रयास में जुट गई, लेकिन गाड़ियों की अधिक संख्या के चलते जाम खोलने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। राहगीरों का कहना था कि हर साल पेराई सत्र शुरू होते ही गुलरिया चीनी मिल के सामने यही हाल रहता है। मिल प्रबंधन और सुरक्षा कर्मियों की लापरवाही के चलते सड़क पर गन्ने की ट्रालियां खड़ी कर दी जाती हैं, जिससे जाम की स्थिति बनती है। भीरा थाना पुलिस भी यातायात बहाल करने में जुटी रही, मगर देर शाम तक जाम पूरी तरह से नहीं खुल सका। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मिल गेट के बाहर यातायात व्यवस्था के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति से बचा जा सके।

कार्यालय जिलाधिकारी, खीरी।
(खनन अनुभाग)

संख्या–3012 /खनिज/विज्ञप्ति–सा0 बालू/2025–26 दिनांक 03–11–2025

संशोधित सूचना/शुद्धि पत्र

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय जिलाधिकारी खीरी के पत्र संख्या–3009/खनिज/विज्ञप्ति/सा0बालू/2025–26 दिनांक 30.10.2025 को जारी विज्ञप्ति को अपरिहार्य कारणों से संशोधित किया जा रहा है। अतः नवीन शुद्धि पत्र के माध्यम जनपद–खीरी में प्रवाहित नदियों के तल में बालू के निम्न विवरण के अनुसार रिक्त खनन क्षेत्रों को उ0प्र0 उप खनिज (परिहार) नियमावली–2021 के नियम–23 के उप नियम–(1) के प्राविधानों के अन्तर्गत उपलब्ध घोषित किया जाता है।

उत्तर प्रदेश उप खनिज (परिहार) नियमावली–2021 के अध्याय–4 के नियम 23(1) के प्राविधानों के अन्तर्गत ई–निविदा सह–ई–नीलामी प्रणाली के माध्यम से खनन पट्टे पर स्वीकृत किये जाने हेतु निम्नलिखित क्षेत्र उपलब्ध है–

1– क्षेत्र का विवरण :–

क्र0 सं0	उपखनिज का नाम	नदी का नाम	क्षेत्र का विवरण: तहसील	ग्राम	गाटा सं0/खण्ड सं0/जोन सं0	क्षेत्रफल (हे0 में)	जियो कोआर्डिनेटस	नियमावली 2021 के अनुसूची–1 के अनुसार रायल्टी दर (रू0 प्रति घनमीटर)	खनन योग्य आकलित उप खनिज का भण्डार (घनमी0 प्रतिवर्ष)	प्रथम वर्ष में आंकलित भण्डार की कुल रायल्टी रूपयों में (कालम–9 में अंकित घनमी0 प्रतिवर्ष को कालम– 10 में अंकित रायल्टी की दर से गुणा करने पर उपलब्ध सकल धनराशि) (रूपये में)	अर्नेष्टमनी (कालम 11 में अंकित सकल धनराशि का 25 प्रतिशत) (रूपये में)
1	2	3	4	5	6	7	8	10	11	12	13
01	सा0 बालू	शारदा नदी	लखीमपुर	सर्वा शिवपुरी	183अ	13.06हे0	A-28° 7′13.18″N 80° 50′40.28″E B-28° 7′9.51″N 80° 51′3.24″E C-28° 6′59.17″N 80° 50′59.16″E D-28° 7′4.58″N 80° 50′47.22″E	55.00	1,56,720.00	86,19,600.00	21,54,900.00
02	सा0 बालू	शारदा नदी	लखीमपुर	सर्वा शिवपुरी	183ब	13.06हे0	A-28° 7′9.51″N 80° 51′3.24″E B-28° 6′59.17″N 80° 50′59.16″E C-28° 6′50.82″N 80° 51′9.91″E D-28° 7′2.99″N 80° 51′14.38″E	55.00	1,56,720.00	86,19,600.00	21,54,900.00
03	सा0 बालू	शारदा नदी	लखीमपुर	सर्वा शिवपुरी	193ब	13.47हे0	A-28° 7′6.61″N 80° 51′31.76″E B-28° 7′4.64″N 80° 51′42.40″E C-28° 7′1.67″N 80° 51′45.87″E D-28° 6′52.34″N 80° 51′39.19″E E-28° 6′57.42″N 80° 51′27.47″E	55.00	175110.00	96,31,050.00	24,07,763.00

ई–निविदा सह ई–नीलामी की कार्ययोजना एवं अवधि निम्नानुसार सम्पादित की जायेगी :–

प्रेस विज्ञप्ति (विज्ञप्ति का प्रकाशन)	06.11.2025
प्रथम चरण ई–निविदा (ई–टेण्डर) की अवधि	दिनांकः 08.12.2025 (पूर्वाह्न 10:00 बजे) से 12.12.2025 (अपरान्ह 17:00 बजे) तक
प्रथम चरण में प्राप्त ई–निविदा (बिड) का खोला जाना एवं उसका मूल्यांकन	15.12.2025 पूर्वाह्न 11:00 बजे से क्रमांक–1 से 2 पर विज्ञापित क्षेत्र 16.12.2025 पूर्वाह्न 11:00 बजे से क्रमांक–3 पर विज्ञापित क्षेत्र
द्वितीय चरण ई–नीलामी की अवधि।	15.12.2025 अपरान्ह 01:00 बजे से 15:00 बजे तक क्रमांक–1 एवं 2 पर विज्ञापित क्षेत्र 16.12.2025 अपरान्ह 01:00 बजे से 15:00 बजे तक क्रमांक–3 पर विज्ञापित क्षेत्र

ई–निविदा सह ई–नीलामी से सम्बन्धित सम्पूर्ण प्रक्रिया एवं शर्तो की जानकारी ऑनलाइन एम0एस0टी0 सी0 के ई आक्शन पोर्टल WWW.mstcecommerce.com पर अपलोड करा दिया गया है। जिसे सम्बन्धित सभी निविदादाता/बोलीदाता द्वारा देखा जा सकता है। उक्त से सम्बन्धित सम्पूर्ण प्रक्रिया एवं शर्तो की जानकारी किसी भी कार्य दिवस में खनिज कार्यालय लखीमपुर खीरी एवं कार्यालय अपर जिलाधिकारी वि0एवं रा0 कलेक्ट्रेट खीरी से प्राप्त की जा सकती है।

UP-239937 दिनांक 04.11.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(दुर्गा शक्ति नागपाल)
जिलाधिकारी, लखीमपुर–खीरी।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत

पत्रांक 2390/31ए दि0 27/10/2025

अल्प कालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत द्वारा लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत योग्य ठेकेदारों से प्रतिशत दरों पर बिड आमंत्रित की जाती है। बिड प्रस्तुत करते समय निविदा के आई0टी0बी0 में उल्लिखित शर्तो के अनुसार बिड अपलोड करें।
2.

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षाऋतु सहित)	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	पीलीभीत	वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत जनपद पीलीभीत में धनाराघाट नदी में पान्टून निर्माण हेतु प्रयागराज से पान्टून निर्माण सामग्री ढुलाई का कार्य।	27.00	2.70	600+300+GST18% (Rs. 900+162= Rs. 1062.00)	12 माह	A,B,C&D (Bridge Work)

3. बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 07.11.2025 से दि0 15.11.2025 को मध्यान्ह 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है, जिनकी तकनीकी बिड तद्दिनांक 15.11.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।
निविदा से सम्बन्धित जानकारी http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगी।

UP-239813 दिनांक 03.11.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(राजेश चौधरी)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लोनिवि, पीलीभीत।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–लखीमपुर खीरी।

पत्रांक. 1060/ग्रा0अभि0वि0/निविदा पत्रा0–1/2025–26, दिनांक. 10.10.2025

निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश, की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–लखीमपुर खीरी के अन्तर्गत जनपद लखीमपुर खीरी में निम्नलिखित कार्यों हेतु उ0प्र0 ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग में ए,बी,सी, डी0 श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से प्रतिशत दरों में अधोलिखित कार्य की ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0/लाट सं0	विकास खण्ड	कार्य का नाम	लागत लाख में	2 प्रतिशत धरोहर धनराशि लाख में	निविदा पत्र का मूल्य (समस्तकरों सहित रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5	6	7
		विधायक निधि				
01	लखीमपुर	ग्राम पंचायत बैरागर में राम प्रकाश के मकान से राम सागर के मकान तक इण्टरलाकिंग मार्ग व नाली का निर्माण कार्य, 270 मी0। वि0ख0 लखीमपुर	22.845	0.450	944.00	2 माह
02	लखीमपुर	ग्राम पंचायत बाजपेयी के मजरा बाबूराम पुर्वा में खड़न्जे से विश्राम के मकान होते हुए सुरेश के घर के तक मिट्टी खड़न्जा व नाली निर्माण कार्य, 160 मी0। वि0ख0 लखीमपुर	12.090	0.250	856.00	2 माह
03	नकहा	ग्राम पंचायत दोनवा के मजरा दोनवा पुरवा में शिव कुमार के मकान से मातारानी स्थान तक दोनों तरफ नाली एवं इण्टरलाकिंग कार्य, 180 मी0। वि0ख0 नकहा	16.980	0.340	944.00	2 माह
04	लखीमपुर	जनपद लखीमपुर–खीरी कलेक्ट्रेट सभागार के सामने पार्क में तिरंगा व सौंदर्यीकरण का निर्माण कार्य। लखीमपुर न0पा0	15.000	0.300	944.00	2 माह

1. वेब साइट पर निविदा की उपलब्धता तिथि- 11.11.2025 से 17.11.2025 तक
2. ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्राप्त करने की अन्तिम तिथि एवें समय–17.11.2025 समय –12.00 बजे दोपहर तक
3. ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि एवें समय 17.11.2025 समय – 12.30 बजे दोपहर से
4. निविदा आमंत्रण कर्ता को संशोधन/शुद्धि पत्र जारी करने का आई0 टी0 बी0 क्लाज–9 के अनुसार अधिकार है, जो आन लाइन उपलब्ध रहेगा जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं होगा। समस्त इच्छुक बिडर्स को सलाह दी जाती है कि वे ई–टेण्डर पोर्टल को नियमित रूप से अवलोकन करते रहें और अन्य आवश्यक जानकारी एवें निविदा प्रपत्र डाउन लोड करने हेतु विवरण वेबसाइट http:// etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

UP-239795 दिनांक 03.11.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(हेमंत सक्सेना) अधिशासी अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–लखीमपुर खीरी।

अब ट्रेनों में ईको प्लेट में मिलेगा यात्रियों को खाना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- रेलवे बोर्ड ने दिए निर्देश, स्टेशनों पर लगेंगी प्लास्टिक क्रशिंग मशीनें
- इज्जतनगर मंडल में योजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा

अमृत विचार : पर्यावरण संरक्षण की दिशा में रेलवे ने एक और कदम उठाया है। पूर्वोत्तर रेल प्रशासन ने यात्रियों को अब सिंगल-यूज प्लास्टिक की जगह ईको-फ्रेंडली प्लेटों में भोजन परोसने की तैयारी की है। रेलवे बोर्ड से मिले निर्देशों के तहत इज्जतनगर मंडल में इस योजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। इसकी शुरुआत वंदेभारत, तेजस और शताब्दी जैसी प्रीमियम ट्रेनों से होगी। बाद में अन्य मेल, एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों में भी इसे लागू किया जाएगा।

इज्जतनगर मंडल के अफसरों के अनुसार रेलवे ने 50 माइक्रोन से कम मोटाई वाले सिंगल-यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। इसके लिए स्टेशनों पर यात्रियों और खानपान ठेकेदारों को पहले से ही निर्देश जारी किए जा चुके हैं। प्लेट, कप, चम्मच और पैकिंग सामग्री अब बायोडिग्रेडेबल या पेपर आधारित होगी। इसका उद्देश्य पर्यावरण को स्वच्छ रखना और प्लास्टिक कचरे को कम करना है। स्टेशनों पर स्वचालित प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनें भी लगाई जा रही हैं। ये मशीनें प्लास्टिक की खाली बोतलों को नष्ट कर उन्हें पुनर्चक्रण के लिए तैयार करेंगी। बरेली, इज्जतनगर जैसे प्रमुख स्टेशनों पर ये मशीनें जल्द ही काम करना शुरू कर देंगी। रेलवे ठेकेदारों और कैटरिंग यूनिटों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त पैकेजिंग अपनाएं। सीपीआरओ पीके सिंह ने बताया कि रेलवे का लक्ष्य है कि आने वाले महीनों में मंडल के सभी स्टेशनों और ट्रेनों को 'प्लास्टिक-फ्री जोन' घोषित किया जाए।

सम्मन अपील
व अदालत श्रीमान कमिश्नर महोदय

अपील/निगरानी नम्बर सी 20181200000 1269 जिला बरेली सन् अपीलान्ट उत्तम सेन बनाम माल देई रेस्पान्डेन्ट

अपील/निगरानी वनाराजी फैसला व डिग्री मुकदमा माल मुकदमा मुकदमा नं. सन् मुबर्खा माह सन् बनाम 1. माल देई पत्नी बुलाकी राम निवासी ग्राम जगत तह. बहेड़ी 2. इमरती देवी पत्नी नत्थू लाल 3. कृष्णा देवी पत्नी राम नारायन 4. जयन्ती प्रसाद पुत्र रोशन लाल 5. जगन्नाथ पुत्र ईश्वरी समस्त निवासी ग्राम वसावनपुर परगना शाही तहसील मीरगंज जिला बरेली 6. भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम वसावनपुर परगना शाही तहसील मीरगंज बरेली द्वारा प्रधान। मुत्तलका हो कि अपील निगरानी वनाराजी डिग्री व फैसला तारीख मुकदमा वाला में अपीलान्ट/ निगरानीकर्ता ने पेश की है जिसमें तारीख 10.11.2025 वास्ते समाअत अपील/ निगरानी मुकर्रर की है अगर आप तारीख पर हाजिर अदालत न होंगे तो आपकी गैरहाजिरी में समाअत अपील/निगरानी तय की जावेगी।

आज तारीख 03.11.25 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया।

जज/कमिश्नर

लैपटॉप जब्त कर लौटी टीम

बरेली, अमृत विचार : सीजीएसटी की टीम शास्त्री नगर में उद्यमी भाइयों के यहां 12 घंटे तक हर बिंदु पर जांच कर देर रात नोयडा के लिए रवाना हो गई। सूत्रों के अनुसार टीम ने उद्यमी भाईयों से गहनता से पूछताछ की और अपने साथ उद्यमियों का लैपटॉप और लेनदेन से जुड़े दस्तावेज साथ ले गई है। जांच के दौरान क्या अनियमितताएं सामने आई हैं इसका खुलासा जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

सीजीएसटी की टीम मंगलवार को सुबह ही उद्यमी भाईयों के यहां पहुंची थी। टीम ने 12 घंटे तक सिर्फ घर पर ही दस्तावेज और उपकरण की जांच की, परसाखेड़ा स्थित फैक्ट्री पर नहीं गई।

अमृत विचार

गुरुवार, 6 नवंबर 2025

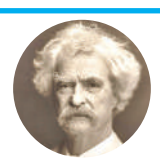

भले ही आप कपड़े पहनने में लापरवाह हैं, पर अपनी आत्मा को दुरुस्त रखिए।

—मार्क ट्वेन, अमेरिकी लेखक

रेलवे पर सवाल

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की रेल दुर्घटना ने यह सवाल फिर से उठाया है कि भारतीय रेल की सुरक्षा-संरक्षा प्रणाली क्यों चूक रही है! जांच के प्रारंभिक संकेत मानव त्रुटि या सिग्नलिंग की खामी बता रहे हैं, पर असली दोषी का पता तब चलेगा जब ब्लैक बॉक्स, सिग्नल लॉग, ड्राइवर की ड्यूटी रिकॉर्ड, ट्रैक सर्किट और नियंत्रण-कक्ष के डेटा की बारीकी से तकनीकी जांच के बाद रेल सुरक्षा आयुक्त की रिपोर्ट आएगी। इससे तय होगा कि हादसे में मानवीय भूल का हाथ था या तकनीकी प्रणाली की विफलता। यदि रेलवे द्वारा आधुनिक तकनीक और उच्चस्तरीय सिग्नलिंग सिस्टम के दावे के बाद भी आमने-सामने की टक्कर हो रही है, तो बेशक हमारी सुरक्षा संस्कृति ही दोषपूर्ण है। रेलवे में सिग्नलिंग इंटरलॉकिंग की किंचित नाकामी ट्रेन को गलत ट्रैक पर भेज सकती है। सिग्नल सिस्टम में खामी का मतलब है कि ट्रैक सर्किट, इंटरलॉकिंग प्रणाली ने ठीक से काम नहीं किया। ये ठीक से काम करें, इसके लिए हार्डवेयर सुधार के साथ 'रियल टाइम रिमोट मॉनिटरिंग' जैसी व्यवस्थाएं लागू करना जरूरी हैं। हालांकि लोको पायलट की थकान, संचार की कमी या समय-संवेदनशील निर्णयों में विलंब से भी दुर्घटनाएं होती हैं। दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों पर विभागीय कार्रवाई का प्रावधान है। निलंबन, बर्खास्तगी, दंडात्मक अभियोजन तक, लेकिन सच्चाई यह है कि अधिकांश जांच रिपोर्टें बरसों-बरस फाइलों में पड़ी रहती हैं। रेल सुरक्षा आयुक्त की अनुशंसाओं पर कार्रवाई का प्रतिशत अत्यंत अल्प है। भारतीय रेलवे की ऑडिट रिपोर्टें बताती हैं कि बड़ी संख्या में दुर्घटनाओं में मानव-त्रुटि मुख्य कारण होने के बावजूद जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया धीमी और बेहद अपारदर्शी है। इसीलिए दोषियों और कारणों की पहचान के बावजूद सुधार तत्परता से लागू नहीं होते।

हर बड़े हादसे के बाद उच्चस्तरीय समितियां बनती हैं, नई घोषणाएं होती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर बदलाव, सुधार की रफ्तार बेहद धीमी रहती है। रेल मंत्रालय ने वर्षों पहले एंटी कोलिजन डिवाइस 'कवच' लगाने की योजना बनाई थी, ताकी इस तरह आमने-सामने की टक्कर न हो। अब तक यह कुछ हजार किलोमीटर रूट और सीमित संख्या में लोकोमोटिव तक ही सीमित है। बजटीय सीमाएं, तकनीकी संगतता और विशाल नेटवर्क इसके विस्तार में बाधा हैं, किंतु जान-माल की सुरक्षा के आगे प्राथमिकता स्पष्ट होनी चाहिए। हर चालित ट्रेन में 'कवच' या इसी तरह की स्वचालित सुरक्षा प्रणाली अनिवार्य हो। रेलवे में गाड़ी का पटरी से उतरना, सिग्नल फेल होना, लोकोमोटिव फाल्ट छोटी दुर्घटनाएं रोज घटती हैं, पर ये मीडिया में नहीं आतीं। न इन पर प्रशासनिक दबाव बनता है। छोटी लापरवाहियों पर उपेक्षा की यही प्रवृत्ति आगे चल कर बड़े हादसे का रूप ले लेती है।

जरूरी है कि रेल मंत्रालय हर छोटे हादसे की रिपोर्टिंग और त्वरित विश्लेषण के बाद जिम्मेदारी तय करने की व्यवस्था विकसित करे। लालखदान की रेल त्रासदी चेतावनी है कि भारतीय रेल में तकनीकी निवेश के साथ मानव प्रबंधन, जवाबदेही और पारदर्शिता को समान महत्व दिया जाए। सुरक्षा सिर्फ उपकरणों से नहीं, प्रणालीगत ईमानदारी और सतर्कता से आती है।

प्रसंगवश

महज अतीत की धरोहर नहीं भविष्य की नींव हैं किताबें

समय के साथ हमारी पढ़ने की आदतें बदल रही हैं। एक दौर था, जब किताबें ही ज्ञान, कल्पना और चिंतन का मुख्य स्रोत थीं। अब वही भूमिका स्मार्टफोन, टैबलेट, गूगल और एआई उपकरणों ने ले ली है। सूचनाओं तक पहुंचना पहले से कहीं आसान हुआ है, पर इसी सुविधा ने गहराई से सोचने और समझने की क्षमता को चुनौती दी है। आज जब विद्यार्थी गूगल या एआई आधारित उपकरणों की मदद से तुरंत उत्तर प्राप्त कर लेते हैं, तब सवाल करना, विषय को गहराई से समझना और उस पर चिंतन करना पीछे छूटता जा रहा है। ज्ञान का सतही उपभोग गहन अध्ययन के महत्व को कमजोर कर सकता है।

आज का जीवन तेज और सूचना-भरा है। हर चीज अब तेज हो गई है। खबरें, मनोरंजन, सीखना और पढ़ना भी। डिजिटल माध्यमों ने शिक्षा और जानकारी दोनों को लोकतांत्रिक बना दिया है। अब कोई भी व्यक्ति, किसी भी समय, किसी भी विषय पर जानकारी प्राप्त कर सकता है। यह बदलाव हमारी जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। यूनेस्को और ओईसीडी के अध्ययन बताते हैं कि इंटरनेट ने ज्ञान के प्रसार को पहले से कहीं अधिक व्यापक बना दिया है।

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर जीएलए यूनिवर्सिटी, मथुरा

फिर भी शोध दर्शाते हैं कि स्क्रीन पर पढ़ना और कागज पर पढ़ना दो अलग अनुभव हैं। स्क्रीन मस्तिष्क को 'तेज प्रोसेसिंग मोड' में रखती है, जहां उद्देश्य केवल जानकारी छांटना होता है, उसे आत्मसात करना नहीं। परिणामस्वरूप, पूरी जानकारी या तर्क की सूक्ष्म परतें याद नहीं रहतीं और एकाग्रता बार-बार टूटती है। यही वह बिंदु है, जहां किताबों की भूमिका और अहम हो जाती है। किताबें हमें धीमा करती हैं, ठहरना सिखाती हैं और अर्थ को आत्मसात करने का अभ्यास कराती हैं।

अधिकांश विद्यार्थी अब पूरा अध्याय या कहानी के बजाय केवल 'महत्वपूर्ण प्रश्न' या 'सारांश' पर निर्भर हो जाते हैं। संक्षिप्त नोट और पावरपॉइंट स्लाइडें परीक्षा के लिए सुविधाजनक हो सकती हैं, लेकिन सोचने और विश्लेषण करने की क्षमता को कमजोर करती हैं। गहन अध्ययन की जगह केवल जानकारी का उपभोग हावी हो जाता है। ज्ञान तब ही जीवित रहता है, जब उसे पढ़ने, समझने और तर्क करने की प्रक्रिया के साथ जोड़ा जाए। ऐसे में विद्यालयों में नियमित 'पठन सत्र' या पुस्तकालय सत्र भाषा कौशल, एकाग्रता और तर्कशक्ति बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

किताबें केवल सूचना नहीं देतीं, वे सोचने का तरीका सिखाती हैं। ये हमें गहराई से किसी और के दृष्टिकोण से दुनिया देखने की क्षमता देती हैं। शोध बताते हैं कि 'डीप लर्निंग' मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करता है जो सहानुभूति, स्मृति और आलोचनात्मक सोच से जुड़े हैं। किताबें हमारी कल्पना, विवेक और संवाद की क्षमता को बढ़ाती हैं और हमें भावनात्मक और बौद्धिक दोनों स्तरों पर विकसित करती हैं।

तकनीक और किताबों को विरोध में नहीं देखा जाना चाहिए। सही उपयोग से तकनीक किताबों तक पहुंच आसान बना सकती है। राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय, ई-पाठशाला और दीक्षा जैसे प्लेटफॉर्म लाखों पुस्तकों और शैक्षणिक संसाधनों को विद्यार्थियों तक पहुंचा रहे हैं। ई-पुस्तकें और श्रव्य पुस्तकें (ऑडियो बुक्स) पढ़ाई को कहीं भी, कभी भी संभव बना देती हैं। समस्या तब आती है जब तकनीक सोचने का विकल्प बन जाए। जब विद्यार्थी केवल एआई आधारित सारांश और गूगल से तुरंत उत्तर लेते हैं, तब ज्ञान सतही बन जाता है। तकनीक तभी सहायक है, जब वह जिज्ञासा और गहराई को बढ़ाए, न कि प्रतिस्थापित करे।

भारत के दोस्तों पर ना 'पाक' पड़ोसी की नजर

दिग्विजय सिंह

कानपुर

ऑपरेशन सिंदूर में मिली करारी हार से बौखलाया पाकिस्तान भारत को अब हर तरफ से घेरने की कोशिश कर रहा है। इसके लिए अपने मित्र राष्ट्रों के दुश्मन देशों से भी हाथ मिलाने को आतुर है। इसका ताजा उदाहरण उत्तर कोरिया है। भारत और उत्तर कोरिया के रिश्ते बहुत ही अच्छे हैं। 2018 में तत्कालीन विदेश मंत्री ने उत्तर कोरिया का दौरा किया था, हालांकि इस दौरे के बाद अमेरिका ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी, लेकिन भारत ने नजरअंदाज कर दिया था। अब पाकिस्तान उत्तर कोरिया से अपने राजनयिक रिश्ते बहाल करने जा रहा है। माना जा रहा है कि इस रिश्ते की बहाली के साथ ही दोनों देश गुपचुप तरीके से सैन्य समझौते भी कर सकते हैं।

बांग्लादेश का जन्म ही भारत के हाथों हुआ था। इस बात का एहसान बांग्लादेश के हुक्मरान मानते आए हैं। पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए दमन का दुख हर बांग्लादेशी नागरिक के मन में रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद, वहां पाकिस्तान का प्रभाव बढ़ा है। बांग्लादेश की राजनीति में पाकिस्तानी हस्तक्षेप की झलक साफ दिखती है। यहां तक कि पाकिस्तान के सैनिक बांग्लादेशी सैनिकों को प्रशिक्षित कर रहे हैं और अब कई बड़े सैन्य समझौते भी दोनों देशों के बीच होने जा रहे हैं। भारत के इस पड़ोसी देश में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियां बढ़ी हैं, जो भारत के लिए शुभ संकेत नहीं हैं, हालांकि भारत इसकी काट निकालने में जुटा हुआ है।

बांग्लादेश पर पाकिस्तानी प्रभाव का ही असर है कि आए दिन वहां के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस भारत के विरुद्ध अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। भारत के कई हिस्सों को बांग्लादेश का बताकर नया नक्शा भी जारी कर रहे हैं। बांग्लादेश में मिली सफलता के बाद पाकिस्तान ने आर्मेनिया को अपने पक्ष में करने की पुरजोर कोशिश की है। आर्मेनिया और अजरबैजान की दुश्मनी जग जाहिर है। अजरबैजान ने आर्मेनिया के कुछ भूभाग पर कब्जा भी कर रखा है। आर्मेनिया को जहां भारत हर मोर्चे पर समर्थन करता है, तो आर्मेनिया भी हर मंच पर भारत की बात को प्रमुखता से उठाता है। दोनों देशों के बीच न सिर्फ व्यापारिक रिश्ते मजबूत हैं, बल्कि रक्षा संबंध भी प्रगाढ़ हैं। यही वजह है कि अजरबैजान भारत को हर मंच पर नीचा दिखाने की कोशिश करता है।

पहलगाम हमले की निंदा जब पूरी दुनिया ने की थी, तब भी अजरबैजान पाकिस्तान के साथ खड़ा नजर आया था। आर्मेनिया ने भारत से बड़ा रक्षा सौदा करने की तैयारी की है। इससे अजरबैजान परेशान है। इन सबके बीच ही पाकिस्तान ने आर्मेनिया से रिश्ते सुधारने की कवायद शुरू की है। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने जा रहे हैं। अब तक भारत से नजदीकी के कारण ही पाकिस्तान उसे मान्यता नहीं देता था, लेकिन शहबाज शरीफ के देश ने अब अपनी नीति बदल दी है। चीन में एससीओ समिट से इतर आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान और पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने राजनयिक संबंध स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। आर्मेनिया के इस कदम से रूस, तुर्की और ईरान की सीमा से लगे इस क्षेत्र में भारत के लिए समीकरण बदल सकते हैं, हालांकि पाकिस्तान के हर कदम पर भारत की नजर है।

भारत ने भी पाकिस्तान के दोस्त अजरबैजान से रिश्ते में गर्मजोशी लाने की नीति पर काम शुरू कर दिया है। इसका असर भी दिखने लगा है। बीते अक्टूबर में आयोजित हुई कॉन्फ्रेंस ऑन इंटरैक्शन एंड कॉन्फिडेंस बिल्डिंग मेजर्स इन एशिया की अध्यक्षता अजरबैजान ने की थी। भारत की कूटनीति का ही असर है कि अजरबैजान ने इसकी अध्यक्षता भारत को देने का प्रस्ताव रखा है। उसके इस प्रस्ताव से पाकिस्तान और चीन को झटका लगा है। भारत-अजरबैजान अपने व्यापारिक रिश्ते भी सुधारने में लगे हैं। इन सबके बीच ही पाकिस्तान ने अब उत्तर कोरिया वाला दांव चला है।

अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच दुश्मनी जग जाहिर है। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन कई मौकों पर अमेरिका और साउथ कोरिया को धमकाते रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कई अवसर पर उन पर तल्ख टिप्पणी कर चुके हैं। उत्तर कोरिया की ताकत को दुनिया के लिए खतरा माना जाता है, लेकिन भारत इससे बहुत प्रभावित नहीं दिखता है, क्योंकि दोनों देशों के बीच दशकों पुराने संबंध हैं। भारत ने जुलाई 2021 में कोविड महामारी के कारण उत्तर कोरिया स्थित दूतावास को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था, हालांकि 2024 में इसे बहाल कर दिया गया था।

अब पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से नजदीकियां बढ़ानी शुरू की हैं। अमेरिका से दुश्मनी के बाद भी पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से राजनयिक रिश्ते स्थापित करने का फैसला किया है। पाकिस्तान के इस फैसले पर दुनिया के कई देशों की नजर है। भारत लगातार उत्तर कोरिया और पाकिस्तान के बीच संदिग्ध परमाणु और मिसाइल रिश्ते पर अंगुली उठाता रहा है और कार्रवाई की मांग करता रहा है। कोरोना काल से बंद चल रहे पाकिस्तान के दूतावास को पुनः बहाल करने के उत्तर कोरिया के निर्णय से एशिया में परमाणु प्रसार के खतरे को लेकर चिंता बढ़ गई है। माना जाता है कि उत्तर कोरिया ने ही पाकिस्तान को मिसाइल की तकनीक दी थी और पाकिस्तान ने किम जोंग उन को परमाणु तकनीक उपलब्ध कराई थी।

2017 में अमेरिका ने भारत से उत्तर कोरिया के साथ अपने राजनयिक संपर्क कम करने को कहा था, तब तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने नकार दिया था। भारत, उत्तर कोरियाई राजनयिकों को प्रशिक्षण भी देता रहा है। साथ ही कई महत्वपूर्ण मौकों पर मदद भी की है।

पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से नजदीकियां बढ़ानी शुरू की हैं। अमेरिका से दुश्मनी के बाद भी पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से राजनयिक रिश्ते स्थापित करने का फैसला किया है।

आमने

मैं जो कह रहा हूं वह सौ फीसदी सच है। एक पूरे राज्य को चुरा लिया गया। सभी सर्वेक्षणों में हरियाणा में कांग्रेस की जीत की संभावना जताई गई थी, लेकिन नतीजे एकदम उलट आए। मैं जेन जी से कहना चाहता हूं कि देखिए कैसे आपके भविष्य की चोरी की जा रही है।

-राहुल गांधी, सांसद

सामने

लोकसभा में विपक्ष के नेता अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए प्रेस को संबोधित कर रहे हैं। बिहार में मतदान होना है, लेकिन वे हरियाणा के किस्से सुना रहे थे। कांग्रेस के पास बिहार में कुछ नहीं बचा है और इसीलिए ध्यान भटकाने के लिए वे हरियाणा का मुद्दा उठा रहे हैं।

-किरन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री

कांग्रेस से बेहतर प्रदर्शन कर सकती है माले

यशोदा श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार

बिहार के चुनावी गणित को देखें, तो यहां दो परिदृश्य गौर करने लायक हैं। एक तो यह कि यहां लोकसभा और विधानसभा चुनावों में वोटरों का रुझान बिल्कुल अलग है, खास तौर पर भाजपा के लिए। दूसरा यह कि बिहार में कम्युनिस्ट दलों का वर्चस्व अभी भी कायम है। पहले बिहार के लोकसभा व विधानसभा के चुनावी अंकगणित पर गौर करते हैं। 2004 के चुनावों से देखें, तो यह तस्वीर साफ नजर आती है कि लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में वोटर का मूड भिन्न होता है। विधानसभा चुनाव में किसी भी अकेले दल को सत्ता की चाबी नहीं थमाती। वह क्षेत्रीय दलों को तरजीह तो देती है, लेकिन बहुमत से दूर रखती है।

वह चाहे जदयू हो या आरजेडी। 2004 में लोकसभा की मात्र पांच सीट जीतने वाली भाजपा 2005 के विधानसभा चुनाव में 37 सीट जीत लेती है। लोकसभा चुनाव के मुकाबले विधानसभा चुनाव में वोट प्रतिशत भी इनका बढ़ जाता है। 2009 में लोकसभा की 12 सीट जीतने वाली भाजपा को 2010 के विधानसभा चुनाव में 91 सीट पर सफलता मिलती है।

इसी तरह 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा जब 22 सीट जीतती है, तो 2015 के विधानसभा चुनाव में इसे मात्र 53 सीटों पर ही कामयाबी मिलती है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 17 सीटें जीतती है, तो 2020 के विधानसभा चुनाव में उसे 74 सीटों पर सफलता मिलती है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 12 सीटों पर जीती थी। अब 2025 के इसी महीने में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में भाजपा के हिस्से में कितनी सीटें आती हैं, यह देखना है।

मैदान में यूं तो कई क्षेत्रीय दल भाग्य आजमा रहे हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला एनडीए और इंडिया गठबंधन में ही है। सबसे दिलचस्प यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को खुद को महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे बनाए जाने का भय सता रहा है। ऐसे में उनके वोटर चिराग पासवान की पार्टी के साथ खेल न कर दें, यह आशंका भी बनी हुई है। नीतीश कुमार की यह आशंका और बलवती हुई होगी, जब प्रधानमंत्री मोदी ने इंडिया गठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि आरजेडी ने कांग्रेस के कनपटी पर कट्टा रखकर' तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने को मजबूर किया है।

मोदी की इस टिप्पणी के बाद नीतीश कुमार और उनके समर्थक इस बात को लेकर भयभीत हैं कि इसका मतलब एनडीए में जो मोदी चाहेंगे वही होगा। अर्थात पर्ची वाला भी मुख्यमंत्री हो सकता है। वोटरों की चुप्पी के बीच चुनाव बाद किस गठबंधन को कितनी सीटें हासिल होती हैं, यह तो अहम है ही, लेकिन सरकार किसके नेतृत्व में बनती है, यह देखना बेहद दिलचस्प होगा।

बिहार विधानसभा चुनाव का जो दूसरा परिदृश्य है, वह भी कम दिलचस्प नहीं है। उत्तर भारत के प्रदेशों में कम्युनिस्ट दलों का लगभग खात्मा हो चुका है, लेकिन बिहार इससे अछूता है। 2020 के विधानसभा में इस दल के 12 विधायक थे। अभी जो चुनाव चल रहा है, उसमें भाकपा माले इंडिया गठबंधन का बड़ा साझेदार है। उसके 20 उम्मीदवार मैदान में हैं। ये भले ही कम सीटों पर लड़ते हैं, लेकिन जीतने का इनका स्ट्राइक रेट बढ़िया होता है। पिछले चुनाव में इस दल के दो-चार उम्मीदवार बहुत मामूली वोटों से हारे थे।

पिछले विधानसभा चुनाव में भाकपा माले की हारी हुई एक सीट भोरे भी है, जहां से इस बार जेएनयू छात्रसंघ के प्रेसिडेंट रहे 29 वर्षीय धनंजय को पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है। भोरे विधानसभा क्षेत्र पश्चिमी बिहार के गोपालगंज जिले में स्थित है। बिहार का यह जिला यूपी के देवरिया और कुशीनगर से सटा हुआ है। गोपालगंज जिले का भोरे विधानसभा क्षेत्र कम्युनिस्टों का गढ़ माना जाता है। पिछले चुनाव में कम्युनिस्ट उम्मीदवार रहे जितेंद्र पासवान बिहार के डीजीपी रहे जदयू उम्मीदवार सुनील कुमार से 472 वोटों के मामूली अंतर से हारे थे। स्थानीय लोगों ने इस चुनाव परिणाम को संदिग्ध माना था।

इस बार फिर पार्टी ने जितेंद्र पासवान को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन उन्हें नामांकन के दिन ही 2017 के एक पुराने मामले में गिरफ्तार कर लिया गया, लिहाजा वे नामांकन दाखिल नहीं कर पाए। जितेंद्र पासवान की गिरफ्तारी के बाद माकपा ने जेएनयू के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष धनंजय को उम्मीदवार बनाया है।

इधर, जितेंद्र पासवान की गिरफ्तारी को जदयू उम्मीदवार की हार के डर से प्रतिशोध की कार्रवाई करार दिया गया और इसके पीछे जेडीयू उम्मीदवार सुनील कुमार और नीतीश कुमार का हाथ माना गया। मात्र 472 वोटों से जीतने वाले पूर्व डीजीपी सुनील कुमार, नीतीश कुमार मंत्रिमंडल में शिक्षा मंत्री थे। यूपी सीमा से सटे बिहार के इस विधानसभा क्षेत्र का चुनाव बेहद दिलचस्प है, क्योंकि यहां जदयू उम्मीदवार सुनील कुमार जैसे धनबल के मुकाबले जनता मैदान में है।

रिटायर्ड आईपीएस सुनील कुमार 1987 बैच के आईपीएस हैं। 2020 में वे पहली बार जदयू के टिकट पर चुनाव लड़े और जीते। फिर बिहार के शिक्षा मंत्री बने। 1997 में यहां माले कार्यकर्ता उमेश पासवान की हत्या के बाद यह क्षेत्र कम्युनिस्टों का गढ़ बन गया। माले का स्ट्राइक रेट कांग्रेस से अच्छा हो, तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

भाकपा माले इंडिया गठबंधन का बड़ा साझेदार है। उसके 20 उम्मीदवार मैदान में हैं। ये भले ही कम सीटों पर लड़ते हैं, लेकिन जीतने का इनका स्ट्राइक रेट बढ़िया होता है।

सोशल फोरम

खत्म होते रिश्ते और बिखरते परिवार

पक्के सामाजिक मनुष्य रूपी जीवों की समझ और सोच बिल्कुल अनोखी होती है। इनकी उम्र बीत जाती है समाज की अच्छाई, रिश्तों की अच्छाई, शादी ब्याह की अच्छाई, बच्चों और रिश्तेदारों की अच्छाई ढूंढने में और उसका बखान करने में। कोई लड़का-लड़की अगर बिना शादी किए लिव इन रिलेशन में रह रहे होते हैं और उनके रिश्तों में कुछ गड़बड़ हो जाए, वो एक-दूसरे को मार दें या कुछ भी खून कत्ल हो जाए उनके बीच, तो ये पारिवारिक प्राणी कमेंट करने को टूट पड़ेंगे, "और रहो ऐसे रिश्तों में", "और असामाजिक संबंधों में रहो, ऐसा ही होगा"....। फलाना-धिमाका बोलते हैं ये, जबकि शादियों में रोज इतने खून-कत्ल होते हैं, जितने रोड एक्सीडेंट में भी नहीं होते। आप फैमिली कोर्ट में जा कर वहां के हालत देखिए कभी, जबरदस्त भीड़ होती है।

सिद्धार्थ ताबिश

लेखक

हजारों लोग परेशान कोर्ट के चक्कर लगाया करते हैं तलाक़ के लिए। लाखों केस पेंडिंग होते हैं। जिन मर्दों के ऊपर ये कोर्ट केस चल रहे होते हैं, उनकी नौकरी, घर, रुपया पैसा सब इसी में बर्बाद हो जाता है और वो कोर्ट के चक्कर लगा-लगा के अपनी आधी उम्र बिता देता है। फैमिली कोर्ट जा कर देखिए, भयावह दृश्य होता है। वो सब लिव इन वाले लोग नहीं हैं।

अनाथालयों में चले जाइए, देखिए कितने बच्चे, जो शादी नामक संस्था से पैदा हुए थे, किस तरह का जीवन जी रहे होते हैं। ये वो बच्चे होते हैं जो जाने कितने अरमान और जाने कितनों ने 'घर के चिराग' और 'वारिस' के लिए पैदा किए होते हैं। भीड़ है लावारिस बच्चों की इस दुनिया में। इन्हें अपना बच्चा ही मानव जाति के अस्तित्व को बचाने वाला एकमात्र मनुष्य दिखता है।

कभी वृद्धाश्रम जा कर देखिए, आपको शायद ही वहां कोई ऐसा बुजुर्ग मिले, जिसने 'एकल' जीवन चुना हो और उसने शादी न की हो। लगभग सभी आपको बाल-बच्चे, नाती-पोते वाले बुजुर्ग मिलेंगे। ये सारे अपने बच्चों द्वारा मार के भगाए गए बुजुर्ग होते हैं। वृद्धाश्रम का कॉन्सेप्ट ही घर से भगाए गए वृद्धों के लिए है, जहां कोई जाना नहीं पसंद करता है। आप जिस चीज को प्रेम कहते और बोलते हैं, वो सब सिर्फ 'आदत' होती है बस! केला-0सेब लेकर आपको अस्पताल में देखने आने वाले लोग वैसे ही होते हैं, जो आपकी शादी में आपके न्योते का लिफाफा देने पहुंचते हैं। इसमें कोई अच्छाई नहीं है, बस 'आदत' है ये!

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

नकली बादल से हल नहीं होती असली समस्या

जब भीषण चक्रवात मोंथा ने सारे देश को भिगो दिया था और बादल दिल्ली के आसपास ही मंडरा रहे थे, वायु प्रदूषण से हताश दिल्ली महानगर पर नकली बरसात करवा कर हवा साफ करवाने का प्रयास असफल ही रहा। याद करें डेढ़ महीने पहले ही राजस्थान में जयपुर के करीब बीते दो दशक से पूरी तरह सूखी जमवा रामगढ़ की झील को भरने के लिए कृत्रिम बारिश का प्रयोग एक तमाशे से अधिक नहीं रहा। वहां कई-कई बार ड्रोन उड़ाए और चार बार असफल रहने के बाद नाममात्र की बूंदें गिरीं, जिसने झील के तल को गीला तक नहीं किया।

पहले दिल्ली सरकार दीपावली के ठीक अगले दिन कृत्रिम बादल से पानी बरसाने की बात कर रही थी और यह होता, तो एसिड रैन या तेजाब की बारिश की बड़ी संभावना थी। कैसी विडंबना है कि समाज और सरकार दोनों के स्तर पर वायु प्रदूषण कम करने के कोई प्रयास होते नहीं दिखते, उलटे जब आतिशबाजी के धुएं से दम घुटने लगा, तो तकनीक के बदौलत एक छद्म प्रयास किया जा रहा है।

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

दिवाली के एक हफ्ते बाद भी दिल्ली समग्र की कोई चार करोड़ जनसंख्या जिस वायु में सांस ले रही है, वह न केवल उनकी उम्र घटा रही है, बल्कि विभिन्न गंभीर बीमारियों के इलाज में खर्च भी बढ़ा रही है। सालों से चर्चा होती रही है कि इस शहर को गैस चेंबर बनाने में सड़कों पर जाम, अनियोजित निर्माण से उड़ती धूल का बड़ा हिस्सा है। निरंकुश आतिशबाजी ने इसमें रासायनिक जहर को और जोड़ दिया और इस तरह से हवा को दूषित करने को काबू करने का कोई निर्णायक उपाय नहीं हो रहे हैं। ऐसे में नकली बादलों का भ्रम एकबारगी आंकड़ों में भले हवा साफ दिखा दे, लेकिन हालात उससे भी बदतर होने की संभावना है।

जिस कृत्रिम बरसात का झांसा दिया जा रहा है, उसकी तकनीक को समझना जरूरी है। इसके लिए हवाई जहाज से सिल्वर-आयोडाइड और कई अन्य रासायनिक पदार्थों का छिड़काव किया जाता है, जिससे सूखी बर्फ के कण तैयार होते हैं। असल में सूखी बर्फ ठोस कार्बन डाइऑक्साइड ही होती है। सूखी बर्फ की खासियत होती है कि इसके पिघलने से पानी नहीं बनता और यह गैस के रूप में ही लुप्त हो जाती है। यदि परिवेश के बादलों में थोड़ी भी नमी होती है, तो यह सूखी बर्फ के कणों पर चिपक जाते हैं और इस तरह बादल का वजन बढ़ जाता है, जिससे बरसात हो जाती है ।

एक तो इस तरह की बरसात के लिए जरूरी है कि वायुमंडल में कम से कम 40 फीसदी नमी हो, फिर यह थोड़ी सी देर की बरसात ही होती है। इसके साथ यह खतरा बना रहता है कि वायुमंडल में कुछ ऊंचाई तक जमा स्मॉग और अन्य छोटे कण फिर धरती पर आ जाएं। साथ ही सिल्वर आयोडाइड, सूखी बर्फ के धरती पर गिरने से उसके संपर्क में आने वाले पेड़-पौधे, पक्षी और जीव ही नहीं, नदी-तालाब पर भी रासायनिक खतरा संभावित है। वैसे भी दिल्ली के आसपास जिस तरह सीएनजी वाहन अधिक हैं, वहां बरसात नए तरीके का संकट ला सकती हैं। चिंता की बात यह है कि आक्सॉइड ऑफ नाइट्रोजन गैस वातावरण में मौजूद पानी और ऑक्सीजन के साथ मिल कर तेजाबी बारिश कर सकती है।

यह वैश्विक रूप से प्रामाणिक तथ्य है कि नकली तरीके से बरसात करवाना कई बार बहुत भारी पड़ता है, फिर उस दिल्ली एनसीआर में, जहां कुछ मिनट की बरसात से सड़कों पर जाम लग जाता है, जो दिल्ली की हवा में सबसे अधिक जहर घोलता है। जाहिर है बरसात से जितना प्रदूषण कम नहीं होगा, उससे अधिक बरसात के कारण वाहनों के ठिठकने से उपजे धुएं से बढ़ेगा ही।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

अमृत विचार कैम्पस

बीमारियों की जांच के लिए अब न तो पैथोलॉजी लैब में लाइन लगाने की जरूरत होगी और न ही रिपोर्ट के लिए अगले दिन का इंतजार करना पड़ेगा। यह बड़ा बदलाव संभव होगा आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों की पहल से। दरअसल आईआईटी कानपुर ने एक ऐसी अत्याधुनिक पोर्टेबल डायग्नोस्टिक डिवाइस विकसित की है, जो हमारे रोजमर्रा के जीवन और स्वास्थ्य व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाली साबित हो सकती है। यह छोटा-सा उपकरण किसी भी व्यक्ति के रक्त, मूत्र, पसीने और लार के सैंपल से न सिर्फ विभिन्न रोगों की जांच कर सकता है, बल्कि मिट्टी और पेय पदार्थों में मौजूद प्रदूषण की पहचान करके भी तत्काल रिपोर्ट उपलब्ध कराने में भी सक्षम है। इन्हीं विशेषताओं के कारण माना जा रहा है कि आईआईटी कानपुर की यह खोज भारत को सस्ती, तेज और सटीक जांच तकनीक के क्षेत्र में बड़ी पहचान दिला सकती है। 'जेब में लैब' जैसी यह डिवाइस आने वाले समय में स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों क्षेत्रों में नया अध्याय लिख सकती है।

- मनोज त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

जेब में लैब
पलक झपकते बीमारियों की जांच

पोर्टेबल रीडआउट यूनिट फॉर केमिरसिस्टव सेंसर दिया नाम

आईआईटी कानपुर के बायो साइंस और बायो इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. संतोष कुमार मिश्र के निर्देशन में शोध छात्र अनिमेष कुमार सोनी तथा नेहा यादव द्वारा तैयार इस डिवाइस को पोर्टेबल रीडआउट यूनिट फार केमिरसिस्टव सेंसर नाम दिया गया है। इसके जरिए बॉयोलाजिकल और केमिकल दोनों तरह के मालिक्यूल की जांच की जा सकती है। डिवाइस का पेटेंट आवेदन स्वीकृत हो चुका है। अनिमेष के अनुसार कागज की चिप और डिवाइस सेंसर को अलग-अलग रसायनों की जांच के लिए विशेषीकृत किया गया है। हर जांच के लिए अलग-अलग डिवाइस और चिप का प्रयोग किया जाता है।

डिवाइस की सबसे बड़ी विशेषता

आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित डायग्नोस्टिक डिवाइस की सबसे बड़ी विशेषता इसकी पोर्टेबिलिटी है। यानी यह एक 'जेब में समा जाने वाली लैब' जैसी है, जिसे लेकर किसी भी गांव, दूरस्थ इलाके या आपदा प्रभावित क्षेत्र में पहुंचा जा सकता है और वहां मौके पर जांच की जा सकती है। इस पोर्टेबल डिवाइस से जांच रिपोर्ट कुछ ही मिनटों में मोबाइल स्क्रीन पर मिल जाती है। ऐसे में माना जा रहा है कि यह डिवाइस ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए वरदान साबित हो सकती है, जहां संसाधनों की कमी के कारण अक्सर रोग की पहचान में देरी होती है, जिसका नुकसान मरीजों को उठाना पड़ता है।

तीन हजार की डिवाइस और 20 रुपये की कागज चिप

तीन हजार रुपये में तैयार होने वाली इस डिवाइस से की जाने वाली जांच भी बेहद सस्ती है। जांच के लिए कागज से बनी चिप का प्रयोग किया जाता है, जिससे जांच परिणाम तुरंत मिल जाते हैं। जांच प्रक्रिया तत्काल पूरी किए जाने से रक्त, मूत्र या लार के नमूनों के दूषित या बिगड़ने का खतरा भी नहीं रहता है। इस डिवाइस को कोई भी डॉक्टर अपनी क्लीनिक पर रख सकता है। इसके लिए कागज पर कार्बन इलेक्ट्रोड चिप बनाई गई है, जिसकी लागत 15 से 20 रुपये है।

मलेरिया, डेंगू, टायफाइड की आसानी से जांच

आईआईटी कानपुर की शोध टीम के अनुसार यह डायग्नोस्टिक डिवाइस बायोसेन्सिंग तकनीक पर आधारित है। यानी यह शरीर के तरल पदार्थों में मौजूद बायोमार्कर्स की पहचान करके बीमारी का पता लगाती है। इसके चलते इसकी मदद से मलेरिया, डेंगू, टायफाइड जैसी संक्रामक बीमारियों के अलावा कई प्रकार के सूक्ष्म संक्रमण और प्रदूषक तत्वों की भी पहचान आसानी से और फटाफट की जा सकती है।

रिचार्जेबल डिवाइस का सोलर पैनल से भी संचालन

इस डिवाइस का इंटरफेस बेहद आसान है, इसके लिए किसी तकनीकी प्रशिक्षण की जरूरत नहीं पड़ती। बस सैंपल की एक बूंद डालते ही डिवाइस में लगे सेंसर सक्रिय हो जाते हैं और कुछ मिनटों में ही परिणाम उपलब्ध करा देते हैं। खास बात यह है कि यह डिवाइस रिचार्जेबल है और बिजली न होने की स्थिति में सोलर पैनल से भी संचालित की जा सकती है।

ग्रामीण भारत के लिए 'मेडिकल टेस्ट ऑन द स्पॉट'

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित पोर्टेबल डायग्नोस्टिक डिवाइस तकनीक से ग्रामीण भारत में रोग पहचान की प्रक्रिया में क्रांतिकारी सुधार होगा, जहां पहले जांच के लिए सैंपल शहर भेजे जाते थे, वहीं अब 'मेडिकल टेस्ट ऑन द स्पॉट' संभव होगा। यही नहीं, पर्यावरणविद् भी इस नवाचार को लेकर खासे उत्साहित हैं, क्योंकि यह मिट्टी, पानी और खाद्य पदार्थों में प्रदूषण का विश्लेषण करके, उन्हें सुरक्षित रखने का एक सस्ता और तेज साधन बन सकती है।

तकनीक हस्तांतरण का काम अंतिम चरण में

आईआईटी कानपुर के बायो साइंस और इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि पोर्टेबल रीडआउट यूनिट फॉर केमिरसिस्टव सेंसर के जांच परिणाम सटीक पाए गए हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र के अलावा इसकी मदद से खेतों की मिट्टी और पेय पदार्थों में मौजूद रसायनों की पहचान भी की जा सकती है। इससे दूध और शीतल पदार्थ की गुणवत्ता जांच भी संभव है। इस डिवाइस को बाजार में पहुंचाने के लिए तकनीक हस्तांतरण की दिशा में काम अंतिम चरण में है।

जॉब अलर्ट

पंजाब एंड सिंध बैंक
- पद का नाम : एमएसएमई रिलेशनशिप मैनेजर
- पदों की संख्या : 30
- योग्यता : स्नातक
- आयु सीमा : 25 से 33 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि : 26-11-2025
- आधिकारिक वेबसाइट : punjabandsind.bank.in

पंजाब नेशनल बैंक (PNB)
- पद का नाम : स्थानीय बैंक अधिकारी
- पदों की संख्या : 750
- वेतन मैट्रिक्स : रु. 48480-85920
- योग्यता : कोई भी स्नातक
- आयु सीमा : 20 से 30 वर्ष
- ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि : 23-11-2025
- आधिकारिक वेबसाइट : pnb.bank.in

प्रादेशिक सेना
- पद का नाम : सैनिक
- पदों की संख्या : 1529
- योग्यता : 12वीं, 10वीं, 8वीं
- आयु सीमा : 18 से 42 वर्ष
- आवेदन प्रारंभ तिथि : 15-11-2025
- आवेदन की अंतिम तिथि : 14-12-2025
- आधिकारिक वेबसाइट : regionalarmy.in

कैंपस में पहला दिन
'बड़े' होने की हुई शुरुआत

स्कूल से कॉलेज तक का सफर जैसे किसी बंद कमरे से खुली हवा में कदम रखना हो। स्कूल की ड्रेस, भारी बैग और रोज-रोज के होमवर्क से आजादी का एहसास अलग ही था। उस दिन सुबह जब आईने में खुद को देखा तो लगा- अब मैं बड़ा हो गया हूं। कॉलेज के पहले दिन दिल में उत्साह भी था और थोड़ी-सी घबराहट भी थी। नए माहौल, नए लोग और नए शिक्षक सब कुछ नया था। गेट पर खड़े होकर कुछ पल के लिए ठिठक गया, मानो कोई नया अध्याय शुरू होने से पहले दिल खुद को संभाल रहा हो। कैंपस में कदम रखते ही चारों ओर हंसी, बातें और परिचय का शोर। कोई अपने दोस्तों के साथ फोटो खिंचवा रहा था, तो कोई क्लास ढूंढने में व्यस्त। पहली क्लास में जब प्रोफेसर साहब ने 'वेलकम टू कॉलेज लाइफ' कहा, तो लगा जैसे किसी ने जिंदगी के अगले दरवाजे खोल दिए हों। यहां किताबों के साथ-साथ रिश्ते, अनुभव और आत्मविश्वास भी पढ़ना था। स्कूल की तरह सख्त अनुशासन नहीं, बल्कि सोचने और अपने विचार रखने की आजादी थी। ब्रेक के समय कैंटीन में समोसे और चाय के साथ नई दोस्ती की शुरुआत हुई। कुछ ही घंटों में अजनबी चेहरे अपनापन देने लगे। शाम को जब घर लौटा तो थकान नहीं, बल्कि चेहरे पर एक अलग-सी चमक थी। कुछ नया पाने की, कुछ बनने की। आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं, तो एहसास होता है कि कॉलेज का पहला दिन ही असल में 'बड़े होने' की शुरुआत थी, जहां किताबों से ज्यादा जिंदगी सिखाई जाती है।

-शिव शंकर सोनी
शिक्षक, मवई, अयोध्या

नोटिस बोर्ड

- डॉ. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर दिव्यांगजन (कानपुर) में पूर्व छात्र समागम आयोजित होगा। 8 नवंबर को होने वाले समारोह की तैयारियां संस्थान में चल रहीं है।
- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कौशल विकास व जीवन कौशल से संबंधित पाठ्यक्रमों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत नैसकॉम से स्किल प्रशिक्षण के लिए आगामी 12 नवंबर (बुधवार) को एमबीपीजी कॉलेज (हल्द्वानी) में कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।
- एचडीएफसी बैंक और संभव फाउंडेशन के सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिटेल एग्जीक्यूटिव, होटल मैनेजमेंट ऑपरेशन्स आदि क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए एमबीपीजी कॉलेज (हल्द्वानी) के करियर काउंसलिंग सेल की ओर से 14 नवंबर को एकदिवसीय प्रशिक्षणात्मक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

यूजीसी नेट: बेहतरीन करियर अवसरों की चाबी

यूजीसी नेट एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित परीक्षा है, जिसे पास करने के बाद उम्मीदवारों के लिए करियर के अनेक द्वार खुल जाते हैं। खासतौर पर उन युवाओं के लिए यह परीक्षा बेहद महत्वपूर्ण है, जो शिक्षा और शोध के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। इस परीक्षा को सफलतापूर्वक पास करने के बाद आप उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं और एक सम्मानजनक करियर की शुरुआत कर सकते हैं। *- फीचर डेस्क*

असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का मौका

यूजीसी नेट पास करने के बाद उम्मीदवार देश के किसी भी कॉलेज या विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त हो सकते हैं। सरकारी कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर की शुरुआती वेतनमान लगभग 57,700 रुपये प्रतिमाह होता है। इसके अलावा विभिन्न भत्ते भी मिलते हैं, जिसके चलते कुल वेतन 75,000 रुपये से लेकर 1 लाख रुपये प्रतिमाह तक पहुंच जाता है। उच्च शिक्षा में अध्यापन को भारत में अत्यंत सम्मानजनक पेशा माना जाता है।

रिसर्च संस्थानों में उज्ज्वल भविष्य

CSIR, ICAR, DRDO, ICMR जैसे देश के नामी शोध संस्थानों में भी NET या JRF धारकों को रिसर्च में काम करने का मौका मिलता है। यहां शुरुआती सैलरी लगभग 50,000 रुपये प्रतिमाह होती है। रिसर्च का क्षेत्र उन छात्रों के लिए आदर्श है, जो नए ज्ञान की खोज और नवाचार करना चाहते हैं।

टॉप कंपनियों में भी मिलता है अवसर

यूजीसी नेट स्कोर के आधार पर उम्मीदवारों को कई प्रतिष्ठित सरकारी कंपनियों में नौकरी पाने का अवसर भी मिलता है। इनमें ONGC, NTPC, BHEL, IOCL जैसी कंपनियां शामिल हैं। यहां HR, मार्केटिंग, फाइनेंस और रिसर्च विभागों में जॉब मिल सकती है। इन पदों पर शुरुआती सैलरी 50,000 रुपये से शुरू होती है, जो अनुभव के साथ 1.5 लाख रुपये प्रतिमाह तक पहुंच सकती है।

प्रमोशन और नेतृत्व का अवसर

असिस्टेंट प्रोफेसर से शुरुआत करने वाले उम्मीदवार समय के साथ प्रमोशन पाकर एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर और आगे चलकर डीन या वाइस चांसलर जैसे पदों तक पहुंच सकते हैं। यह एक ऐसा करियर है, जिसमें न केवल वेतन और लाभ बढ़ते हैं, बल्कि सम्मान और प्रतिष्ठा भी निरंतर बढ़ती जाती है।

JRF के साथ रिसर्च में शानदार शुरुआत

यदि उम्मीदवार यूजीसी नेट के साथ जेनरल रिसर्च फैलोशिप (JRF) भी क्वालिफाई कर लेते हैं, तो उन्हें रिसर्च फील्ड में जाने का सुनहरा अवसर मिलता है। JRF के तहत रिसर्च करने वाले छात्रों को आकर्षक स्टाइपेंड भी प्रदान किया जाता है। पहले दो वर्षों में 37,000 रुपये प्रतिमाह और इसके बाद 42,000 रुपये प्रतिमाह तक स्टाइपेंड मिलता है। इसके साथ ही पीएचडी करने का अवसर भी स्वत: प्राप्त हो जाता है।

सौर विनिर्माण क्षमता 125 गीगावाट पार कर जाने की उम्मीद

नई दिल्ली। देश में सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 2025 तक 125 गीगावाट को पार कर जाने की उम्मीद है। यह 40 गीगावाट की घरेलू मांग से तीन गुना से भी अधिक है। वैश्विक शोध और परामर्श कंपनी वुड मैकेंजी ने यह बात कही है। यह वृद्धि सरकार की उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का नतीजा है, जिसने विनिर्माण के तेजी से बढ़ाने में मदद की है। हालांकि, उद्योग को अब अत्यधिक क्षमता के जोखिम का सामना करना पड़ रहा है।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 6 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

अमेजन इंडिया ने गोदाम शुल्क 11% बढ़ाया

नई दिल्ली। अमेजन इंडिया ने अपने गोदाम भंडारण शुल्क को 11% बढ़ाकर 50 रुपये प्रति घन सेंटीमीटर प्रति माह कर दिया है। यह शुल्क 15 नवंबर, 2025 से प्रभावी होगा। कंपनी ने उच्च परिचालन लागत का हवाला देते हुए यह कदम उठाया है। इस साल की शुरुआत में अमेजन इंडिया ने 135 श्रेणियों में 1.2 करोड़ से ज्यादा कम-मूल्य वाली वस्तुओं (300 रुपये तक) के लिए रेफरल शुल्क हटाया था। साथ ही, 300 से 500 रुपये कीमत वाली वस्तुओं पर शुल्क 1% या उससे कम कर दिया था। फैशन और छोटे उपकरणों जैसी उच्च मूल्य श्रेणियों में 7% तक की कटौती लागू की गई है। अमेजन ने कहा कि 2025 में उसकी कुल शुल्क वृद्धि दर में काफी कमी आई है, लेकिन कई विक्रेताओं ने बढ़ती लागत और बार-बार होने वाले संशोधनों पर चिंता व्यक्त की।

ऋण मांग में 27% की वृद्धि : बजाज फिनसर्व

नई दिल्ली। बजाज फिनसर्व की इकाई बजाज फाइनेंस ने त्योहारों के दौरान रिकॉर्ड संख्या में उपभोक्ता ऋण वितरित की जानकारी दी। मात्रा के हिसाब से 27% और मूल्य के हिसाब से 29% की वृद्धि दर्ज की गई। बजाज फाइनेंस ने कहा कि यह सरकार के जीएसटी सुधारों और व्यक्तिगत आयकर में बदलावों के परिणाम को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ाना है। बजाज फाइनेंस ने 22 सितंबर से 26 अक्टूबर तक 63 लाख ऋण बांटे हैं। इस अवधि में कंपनी ने 23 लाख नए ग्राहक हासिल किए, जिनमें से 52% नए ऋण लेने वाले थे। इस प्रकार वित्तीय समावेशन को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाया।

टेस्ला ने शरद को बनाया भारत प्रमुख

नई दिल्ली। अमेरिका की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला ने लैम्बॉर्गिनी इंडिया के पूर्व प्रमुख शरद अग्रवाल को अपने भारतीय परिचालन का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया है। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब कंपनी भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने पर विचार कर रही है। टेस्ला ने जुलाई में मुंबई में अपना पहला अनुभव केंद्र खोला और अगस्त में दिल्ली के एरोसिटी में दूसरा केंद्र खोला। जुलाई में मॉडल वाई पेश करने के बाद कंपनी ने इसकी आपूर्ति शुरू कर दी है।

एफटीए में डेयरी, एमएसएमई के हितों पर ध्यान : गोयल

केंद्रीय उद्योग मंत्री बोले- भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित वार्ता में हुई है उल्लेखनीय प्रगति

- चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर वेलिंगटन गए हैं केंद्रीय मंत्री

ऑकलैंड, एजेंसी

ऑकलैंड में भारत-न्यूजीलैंड बिजनेस फोरम के दौरान अपने समकक्ष टॉड मैक्ले के साथ केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व अन्य अधिकारी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत अपने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में डेयरी और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की लगातार सुरक्षा करता है। गोयल ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित एफटीए पर जारी वार्ता में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इस समय दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी चौथे दौर की बातचीत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, भारत कभी भी डेयरी, किसानों और एमएसएमई के हितों से समझौता नहीं करता है। हम हमेशा इन संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की सुरक्षा करते हैं। न्यूजीलैंड विश्व का प्रमुख डेयरी उत्पादक देश है, और ऐसे में इस क्षेत्र में बाजार पहुंच बढ़ाने की उसकी मांग को लेकर भारत की स्थिति महत्वपूर्ण मानी जा रही है। न्यूजीलैंड की चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर वेलिंगटन पहुंचे गोयल ने कहा कि दोनों देशों ने व्यापार समझौते में एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान करने पर सहमति जताई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत ने अब तक किसी भी व्यापार समझौते में डेयरी या कृषि क्षेत्र में साझेदार देश को शुल्क रियायत नहीं दी है।

उन्होंने कहा, हम ऐसे मुद्दों को नहीं छूते हैं। हम एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान करते हैं। वार्ता के अगले चरणों को लेकर वाणिज्य मंत्री ने कहा, हो सकता है कि हमें बहुत अधिक चरणों की जरूरत न पड़े। इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति पहले ही हो चुकी है। व्यापार समझौते की दिशा में ठोस चर्चा चल रही है। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि भारत कृषि प्रौद्योगिकी, खासकर डेयरी मशीनरी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसर देख सकता है। एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे गोयल ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच रक्षा, कृषि, अंतरिक्ष, शिक्षा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में सहयोग की बड़ी संभावनाएं हैं।

समझौते के लिए भारत-अमेरिका कर रहे चर्चा

पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए लगातार चर्चा जारी है। बातचीत अच्छी चल रही है और लगातार जारी है, कई संवेदनाशील मुद्दे हैं, कई गंभीर मुद्दे हैं तो स्वाभाविक है कि थोड़ा समय लगेगा। अमेरिका और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए अब तक पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारतीय अधिकारियों का दल गत माह अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ व्यापार वार्ता करने के लिए वॉशिंगटन गया था। तीन दिवसीय वार्ता 17 अक्टूबर को समाप्त हुई। फरवरी में भारत-अमेरिका के नेताओं ने अधिकारियों को द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत का निर्देश दिया था। उन्होंने पहले चरण को 2025 की शरद ऋतु तक पूरा करने की समय सीमा तय की है। ये विचार-विमर्श महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50% का शुल्क लगाने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए हैं।

बैंकों का लाभ 9% बढ़कर 49,456 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसबीआई को छोड़कर सभी 12 बैंकों ने सितंबर तिमाही में 45,547 करोड़ रुपये कमाए

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अगुवाई में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सामूहिक रूप से रिकॉर्ड 49,456 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है। यह दो बैंकों द्वारा लाभ में गिरावट दर्ज किए जाने के बावजूद सालाना आधार पर 9% की वृद्धि को दर्शाता है। सभी 12 बैंकों (पीएसबी) ने मिलकर वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई- सितंबर तिमाही में 45,547 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था।

शेयर बाजारों के अनुसार, एसबीआई ने 49,456 करोड़ की कमाई में 40% का योगदान दिया। एसबीआई ने 2025-26 की दूसरी तिमाही में 20,160 करोड़ का लाभ दर्ज किया, जो गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10% अधिक है। चेन्नई स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक ने 58% की वृद्धि दर्ज की और 1,226 करोड़ का लाभ कमाया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 33% की वृद्धि के साथ 1,213 करोड़ कमाया। बैंक ऑफ बड़ौदा और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को छोड़कर अन्य बैंक लाभ में रहे। बैंक ऑफ बड़ौदा का लाभ 8% घटकर 4,809 करोड़ रुपये रह गया। वहीं यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का लाभ 10% घटकर 4,249 करोड़ रुपये रह गया। बैंक ऑफ महाराष्ट्र और पंजाब एंड सिंध बैंक ने 23% और केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और इंडियन बैंक ने क्रमशः 19, 14 और 12% की वृद्धि दर्ज की।

नवंबर से घट सकता है रूसी तेल का आयात

नई दिल्ली, एजेंसी

- रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों पर 21 नवंबर से लागू होने वाले नए अमेरिकी प्रतिबंधों को लेकर भारत ले सकता है निर्णय

भारत नवंबर के अंत से रूसी कच्चे तेल की सीधी खरीद में कटौती करने जा रहा है। यह कदम रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों पर 21 नवंबर से लागू होने वाले नए अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद उठाया जा रहा है। विश्लेषकों ने यह संभावना जताई है।

विश्लेषकों ने कहा कि देश के कुल रूसी तेल आयात में आधे से अधिक हिस्सा रखने वाली भारतीय रिफाइनरी इकाइयां नए अमेरिकी प्रतिबंधों के अनुपालन में रूसी तेल की प्रत्यक्ष खरीद में कटौती कर सकती हैं। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल), मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचएमईएल) शामिल हैं। अमेरिका ने रूसी पेट्रोलियम कंपनियों-रोसनेफ्ट और ल्यूकऑयल पर 21 नवंबर से कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इसके तहत इन कंपनियों की सभी अमेरिकी संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन पर रोक लगा दी गई है।

इसके अलावा अन्य देशों की संस्थाएं भी अगर इनके साथ बड़े लेनदेन करती हैं तो उन पर भी द्वितीयक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। रिलायंस का रोसनेफ्ट के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौता है, जबकि एमआरपीएल और एचएमईएल ने भी रूसी तेल की भविष्य की खेप स्थगित करने की घोषणा की है। वर्ष 2025 की पहली छमाही में भारत ने रूस से कुल 18 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का आयात किया जिसमें इन कंपनियों की आधे से अधिक हिस्सेदारी है। हालांकि, रोसनेफ्ट की आंशिक हिस्सेदारी वाली नायरा एनर्जी की वडिनार रिफाइनरी (गुजरात) अपने मौजूदा रूसी तेल खरीद तरीके को बनाए रखेगी। यह रिफाइनरी पहले से यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के दायरे में है और रूसी कच्चे तेल पर निर्भर है। नौवहन सूचना फर्म 'केप्लर' के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, रूसी कच्चे तेल की खेपों में गिरावट दिखेगी।

भारत के लिए व्यापक स्वर्ण नीति अपनाने का समय

नई दिल्ली, एजेंसी

एसबीआई ने जारी की एजः द ग्रेट ग्लोबल गोल्ड रश नामक रिपोर्ट

सोने की कीमतों के नई ऊंचाइयों पर पहुंचने के बीच इसके लिए एक व्यापक नीति की जरुरत है क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े सर्राफा बाजारों में से एक है जो पीली धातु के प्रति सांस्कृतिक लगाव व निवेश मांग से प्रभावित है। बुधवार को जारी एक अध्ययन में यह बात कही गई।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आर्थिक अनुसंधान विभाग द्वारा जारी 'कमिंग ऑफ (ए टर्बुलेंट) एजः द ग्रेट ग्लोबल गोल्ड रश' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया कि भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक अनिश्चितता व कमजोर अमेरिकी डॉलर के कारण सोने की कीमत नई ऊंचाइयों पर पहुंच रही है। 2025 में अब तक की कीमतों में 50% से अधिक की वृद्धि हुई है। अक्टूबर में कुछ दिन के लिए कीमतें 4,000 डॉलर प्रति औंस से नीचे आ गईं, लेकिन नवंबर में फिर से 4,000 डॉलर प्रति औंस से पार चली गईं। सोने की घरेलू आपूर्ति भारत में कुल सोने की आपूर्ति का एक अंश है। विश्व स्वर्ण परिषद के अनुसार, 2024 में कुल आपूर्ति में आयात का योगदान 86% होगा। भारत सबसे बड़े स्वर्ण बाजारों में से एक है जो सोने के प्रति सांस्कृतिक आकर्षण, निवेश की मांग और मुद्रास्फीति से बचाव तथा सुरक्षित निवेश सहित अन्य आर्थिक कारकों से प्रभावित है।

भारत में सोने की कुल उपभोक्ता मांग 2024 में बढ़कर 802.8 टन हो गई जो वैश्विक स्वर्ण मांग का 26% है। इससे भारत, चीन के बाद दूसरे स्थान पर आ गया। चीन की उपभोक्ता मांग 815.4 टन थी। अध्ययन अनुसार चीन की सोने पर राष्ट्रीय नीति है, जिसका एक विशिष्ट उद्देश्य है। यह अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य में सोने के व्यापार, भंडारण, मूल्यांकन और उपयोग के तरीके को नया रूप देने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण रखता है। यह कई आर्थिक एवं भू-राजनीतिक प्राथमिकताओं को साथ संबोधित करने के लिए समन्वित दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है। अमेरिका और जर्मनी जैसे देश कुल भंडार का 77% से अधिक सोने के रूप में रखते हैं।

डीएलसी के लिए लगेगा शिविर

एसबीआई ने पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) के लिए शिविर का आयोजन किया, जिसमें 500 प्रमाण पत्र जारी किए गए। इसका उद्घाटन राज्यमंत्री (कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन) जितेंद्र सिंह ने किया। इस मौके पर पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग के सचिव वी श्रीनिवास, एसबीआई के डीएमडी (लेनदेन बैंकिंग और नई पहल) शमशेर सिंह और एसबीआई के सीजीएम (सरकारी व्यापार सेवा और समाधान इकाई) अमृतेश मोहन उपस्थिति थे।

राष्ट्रीय

रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर राहुल फैलाना चाहते हैं अराजकता : राजनाथ

रक्षा मंत्री बोले- कांग्रेस नेता के पास तालाब में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा

बांका/जमुई/गयाजी, एजेंसी

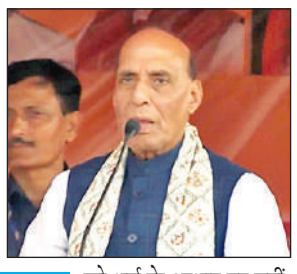

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को आरोप लगाया कि राहुल गांधी रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर देश में अराजकता फैलाना चाहते हैं। सिंह ने बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता के पास अब तालाब में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने हाल में कांग्रेस नेता के चुनावी अभियान के दौरान मछली पकड़ने की कोशिश पर तंज कसा। रक्षा मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी बिना किसी आधार के निर्वाचन आयोग जैसे संवैधानिक संस्थानों पर निशाना साध रहे हैं।

बिहार संग्राम

बिहार के जमुई जिले में जनसभा में सिंह ने कहा, राहुल को क्या हो गया है? वे रक्षा बलों में आरक्षण की बात उठा रहे हैं। वे देश में अराजकता फैलाना चाहते हैं। हमारे सशस्त्र बल इन सब चीजों से ऊपर हैं। भारत के सैनिकों का केवल एक धर्म है- 'सैन्य धर्म'। भाजपा आरक्षण के पक्ष में है। हमने गरीबों और समाज के पात्र वर्गों को आरक्षण दिया है। राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया था कि निजी क्षेत्र, न्यायपालिका, नौकरशाही और सशस्त्र बलों में पिछड़ी जातियों, आदिवासी और अल्पसंख्यकों का बहुत कम प्रतिनिधित्व है, जबकि 10% आबादी इन पर नियंत्रण रखती है।

सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को यह समझना चाहिए कि देश चलाना बच्चों का खेल नहीं है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर को रोका गया है, खत्म नहीं किया गया। अगर आतंकवादी भारत पर फिर हमला करने की कोशिश करेंगे तो उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हमारे सैनिकों ने आतंकियों को धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उनके कर्मों के आधार पर मारा। भारतीय सेना ने आतंकियों के ठिकानों को नष्ट किया... मैं मारे गए आतंकियों की संख्या नहीं बताना चाहता, पर यह तीन अंकों से कहीं अधिक है। भारत को कोई उकसाने की कोशिश करता है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

चारा खाया, अब गरीबों का राशन खाएगा राजद : योगी

गया। भाजपा के स्टार प्रचारक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोगों ने पहले पशुओं का चारा खाया और अब अगर सत्ता में आए तो गरीबों का राशन खाने की फिराक में है। उन्होने कहा कि 2005 के पहले बिहार में अपराध, जातीय संघर्ष, माओवाद, नक्सलवाद था। यूपी-बिहार के नाम पर देश-दुनिया में सम्मान नहीं मिलता था। बिहार में लालू प्रसाद यादव के शासन में 60 से अधिक जातीय नरसंहार, 30 हजार से अधिक अपहरण हुए। व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, संभ्रांत व्यक्ति सुरक्षित नहीं थे। बिहार के 30-40 प्रतिशत लोगों गोरखपुर व वाराणसी में है, क्योंकि उस समय जंगलराज था, लेकिन नीतीश के नेतृत्व में 20 वर्ष में सुशासन की सुदृढ़ नींव रखी गई। बिहार में रोड, रेल, एयर कनेक्टिविटी के साथ अब वाटरवे की कनेक्टिविटी बिहार से होते हुए यूपी को जोड़ रही है। किसानों के उत्पाद हों या बिहार का मखाना, जल मार्ग से दुनिया के बाजारों में पहुंचाया जा रहा है।

पहले व दूसरे चरण के 27% प्रत्याशियों पर गंभीर आपराधिक मामले

पटना। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार चुनाव के पहले और दूसरे चरण के 2,600 उम्मीदवारों में से 697 (27%) पर गंभीर आपराधिक मामले हैं। यह आंकड़ा 2020 के चुनाव की तुलना में अधिक है, जब 25% उम्मीदवारों ने इसकी घोषणा की थी। इस बार उम्मीदवारों की संख्या भले ही कम हो, लेकिन दागी चेहरों का प्रतिशत बढ़ा है। एडीआर के अनुसार, सीपीएम के 4 में से 4 उम्मीदवार, सीपीआई के 9 में से 6, सीपीआई (एमएल) के 20 में से 13, कांग्रेस के 60 में से 32, लोजपा (रामविलास) के 28 में से 14, आरजेडी के 140 में से 69, भाजपा के 101 में से 49, जन सुराज पार्टी के 231 में से 100, जदयू के 101 में से 26, आप के 83 में से 21 और बीएसपी के 180 में से 28 उम्मीदवार के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि हर पार्टी ने आपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों को टिकट दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 94 उम्मीदवारों ने अपने ऊपर महिलाओं पर अत्याचार से जुड़े मामले घोषित किये हैं, जिनमें 5 पर दुष्कर्म का आरोप हैं। वहीं 52 ने हत्या और 165 ने हत्या के प्रयास के मामले घोषित किये हैं।

राजग वोट चोरी से सरकार बनाना चाहता है : प्रियंका

बेतिया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार में वोट चोरी से सरकार बनाना चाहता है। उन्होंने दावा किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं हैं। प. चंपारण जिले के वाल्मीकि नगर और चनपटिया की जनसभाओं में प्रियंका ने कहा कि राजग जानता है कि जनता उससे ऊब चुकी है, इसलिए वह वोट चोरी में लिप्त है। आज देश में हालात ऐसे हैं, जैसे अंग्रेजों के शासनकाल में हुआ करते थे, मुझे संदेह है कि भविष्य में इस देश में चुनाव भी होंगे या नहीं। प्रियंका ने कहा कि राजग सब कुछ बर्बाद कर देगा, यह भी साफ नहीं है कि आगे चुनाव होंगे या नहीं, आप चुप क्यों हैं? इन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाइए।

मतदान से पहले जनसुराज का उम्मीदवार भाजपा में

मुंगेर। प्रथम चरण के मतदान से पहले जनसुराज के उम्मीदवार संजय सिंह ने भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा के मुंगेर प्रभारी राजेश झा के अनुसार, संजय सिंह ने भाजपा उम्मीदवार कुमार प्रणय और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने कहा कि उनका यह निर्णय विकास और स्थिर सरकार की दिशा में उठाया गया कदम है। संजय सिंह ने कहा कि वह प्रधानमंत्री की नीतियों से प्रभावित हैं और राजग के साथ विकास कार्य करना चाहते हैं।

हरियाणा का चुनाव चोरी हुआ था, सरकार वैध नहीं : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी पर बुधवार को हरियाणा की मतदाता सूची के आंकड़े सामने रखे और दावा किया कि गत वर्ष अक्टूबर में हुए विधानसभा चुनाव को 25 लाख फर्जी मतों के जरिये चोरी हुआ था। उन्होंने निर्वाचन आयोग पर भाजपा के साथ मिलीभगत का आरोप भी लगाया और कहा कि न सिर्फ हरियाणा की सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वैध रूप से पद पर नहीं हैं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी सरकार में वैध रूप से नहीं हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा में वोट चोरी को लेकर वह जो बातें कर रहे हैं वो सौ फीसदी सबूत पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सर्वेक्षणों में कांग्रेस की जीत की संभावना थी, लेकिन कांग्रेस की तय जीत को हार में बदला गया। उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री के बयान का वीडियो दिखाया, जिसमें सैनी ने सरकार बनाने की व्यवस्था होने की बात की थी। राहुल ने दावा किया कि हरियाणा में पांच अलग-अलग तरीकों से 25,41,144 फर्जी मतों से वोट चोरी हुई। डुप्लीकेट वोटर की संख्या 5,21,619 रही। फर्जी पते वालों की संख्या 93,174 थी, बल्क वोटर 19,26,351 थे। उन्होंने कहा कि फॉर्म 6 और 7 का भी दुरुपयोग हुआ। फॉर्म 6 और फॉर्म 7 के जरिये वोटरों को जोड़ा और घटाया जाता है। महादेवापुरा और आलंद के खुलासे के बाद निर्वाचन आयोग ने इसका डेटा देना बंद कर दिया है।

बिहार में होना है मतदान और राहुल बता रहे हरियाणा की कहानी : रीजीजू

भाजपा ने हरियाणा चुनाव में वोट चोरी संबंधी राहुल गांधी के दावों को बुधवार को झूठा और निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और कांग्रेस नेता पर अपनी नाकामियों को छिपाने तथा देश को बदनाम करने के लिए निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाने का आरोप लगाया। भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने गांधी पर 'जेन जेड' को भड़काने का प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे प्रयास कभी सफल नहीं होंगे, क्योंकि देश के युवा इतने समझदार हैं कि वे ऐसे उकसावे में नहीं आएंगे। उन्होंने भाजपा मुख्यालय में कहा, हरियाणा चुनावों के दौरान उनकी वरिष्ठ नेता कुमारी सैलजा ने कहा था कि कांग्रेस जीत नहीं पाएगी, क्योंकि हरियाणा कांग्रेस के नेता चाहते थे कि पार्टी हार जाए। तीन दिन पहले कांग्रेस के पूर्व नेता ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और कहा कि कांग्रेस हरियाणा चुनाव इसलिए हारी, क्योंकि उसके नेता काम नहीं कर रहे थे। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने भी कहा था। रीजीजू ने कहा कि बिहार में मतदान होने वाला है और वह हरियाणा की कहानी बता रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि बिहार में (कांग्रेस के लिए) कुछ नहीं बचा है। इसीलिए वह जनता का ध्यान भटकाने के लिए हरियाणा का मुद्दा लेकर आए हैं।

हरियाणा को लेकर राहुल के दावे निराधार: ईसी

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने कहा कि कांग्रेस नेता द्वारा हरियाणा में मतदाता सूची को लेकर लगाए गए आरोप निराधार हैं क्योंकि प्रदेश में न तो उनकी पार्टी के बूथ एजेंट की ओर से अपील दायर की गई और न ही एक से अधिक मतदान की शिकायत हुई थी। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने सवाल किया कि कांग्रेस के बूथ एजेंट ने अक्टूबर 2024 में हुए हरियाणा चुनावों में कई बार वोट डालने वाले मतदाताओं को चिह्नित क्यों नहीं किया। कांग्रेस नेता के आरोपों का खंडन करते हुए एक अधिकारी ने कहा, मतदाता सूची में संशोधन के दौरान कांग्रेस के बूथ स्तरीय एजेंट द्वारा कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं उठाई गई? बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) राजनीतिक दलों द्वारा मतदाता सूची में अनियमितता को चिह्नित करने के लिए नियुक्त किए जाते हैं। मतदाता सूचियों के विरुद्ध शून्य अपील दायर हुई थीं और वर्तमान में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में केवल 22 चुनाव याचिकाएं लंबित हैं। कुल 23 चुनाव याचिकाएं दायर की गईं, जिनमें से एक को बाद में वापस ले लिया गया।

बिलासपुर ट्रेन हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हुई, 20 घायल

बिलासपुर (छत्तीसगढ़)। बिलासपुर रेलवे स्टेशन के करीब मंगलवार को हुए रेल हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है, जबकि 20 लोग घायल हैं। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि 'मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट' (एमईएमयू) यात्री ट्रेन कोरबा जिले के गेवरा से पड़ोसी जिले बिलासपुर जा रही थी।

अधिकारियों ने कहा, दुर्घटना में छह महिलाओं सहित 11 लोगों की मौत हुई है तथा 20 अन्य घायल हो गए हैं। 11 मृतकों में से पांच में रेलगाड़ी के लोको पायलट विद्या सागर, लवकुश शुक्ला, रंजीत प्रभाकर, शीला यादव और प्रिया चंद्र है। मृतकों में से चार महिलाओं और दो पुरुषों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। 20 घायलों में नौ महिलाएं और दो वर्षीय बच्चा हैं। यात्री ट्रेन की सहायक लोको पायलट रश्मि राज और ट्रेन मैनेजर अशोक कुमार दीक्षित तथा मालगाड़ी के गार्ड शैलेश चंद्र भी अस्पताल में हैं। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि रेलगाड़ी का एक डिब्बा मालगाड़ी के एक डिब्बे के ऊपर चढ़ गया था।

घूस के पैसे से शेयरों में निवेश कर कमाया लाभ अपराध से अर्जित आय है : हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- ईडी की अपील पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि घूस के पैसे से शेयर बाजार में निवेश कर कमाए लाभ को अपराध से अर्जित आय माना जाएगा और यह धन शोधन अपराध है। अदालत ने कहा कि यदि किसी ने रिश्वत की राशि को निवेश किया है, तो उसकी कीमत बढ़ने पर भी उस धन का अवैध स्रोत शुद्ध नहीं होता और यह बढ़ी हुई राशि भी उसी अवैध स्रोत से जुड़ी होती है।

न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने तीन नवंबर को दिए फैसले में कहा, धन शोधन सतत अपराध है, जो अवैध धन अर्जित करने की प्रारंभिक क्रिया तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें उस धन के विभिन्न लेनदेन भी शामिल है। पीठ ने कहा कि यदि कोई अधिकारी रिश्वत लेकर उसे शेयर बाजार, रियल एस्टेट या मादक पदार्थ के धंधे में लगाता है, तो धन की अवैधता समाप्त नहीं होती और ऐसी पूरी राशि जब्ती योग्य होती है। यह फैसला ईडी की अपील पर दिया गया, जिसमें उसने फतेहपुर कोल ब्लॉक आवंटन से संबंधित मामले में एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती दी थी। ईडी ने 122.74 करोड़ की संपत्ति को जब्त किया था कि एम/एस प्रकाश इंडस्ट्रीज ने धोखाधड़ी से कोल ब्लॉक आवंटन पाया और शेयर की कीमतें बढ़ाईं।

वर्ल्ड ब्रीफ

जमैका में तूफान मेलिसा से 30 लोगों की मौत, 15 लाख प्रभावित

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि जमैका और आसपास के इलाकों में आए भीषण चक्रवाती तूफान मेलिसा ने भारी तबाही मचाई है और इसके कारण 30 लोगों की मौत हो गई और 15 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने बताया कि जमैका में सड़कें, बिजली और संचार व्यवस्था बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। लगभग एक सौ तीस सड़कें अवरुद्ध हैं और कई क्षेत्रों में बिजली तथा मोबाइल नेटवर्क ठप पड़े हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर भी इसका गंभीर असर पड़ा है क्योंकि कई अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम का अनुमान है कि जमैका में लगभग साढ़े तीन लाख लोगों को खाद्य पदार्थों की सहायता की आवश्यकता पड़ सकती है।

अंतरिक्ष में गए चीन के चालक दल की वापसी सुरक्षा के लिए टाली

बीजिंग। चीन के अंतरिक्ष स्टेशन पर तैनात दल की बुधवार को निर्धारित वापसी को टाल दिया गया है। ऐसा संदेह है कि अंतरिक्ष यान पर सूक्ष्म अंतरिक्ष मलबे का प्रभाव पड़ा है। यह घोषणा 'चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी' (सीएमएसए) ने की। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि वापसी में देरी का निर्णय अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा और मिशन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। चीन अपने अंतरिक्ष स्टेशन के दल को हर छह महीने में बदलता है। शनिवार को शेनझोउ-20 अंतरिक्ष यान ने शेनझोउ-21 दल के साथ कक्षा में कार्यभार हस्तांतरण पूरा किया था और उसका बुधवार को पृथ्वी पर लौटने का कार्यक्रम था। शेनझोउ-20 में वर्तमान अंतरिक्ष दल सवार है।

बोस्निया में एक इमारत में आग लगने से 10 की मौत, कई घायल

साराजेवा। बोस्निया के उत्तरपूर्वी शहर तुजला में एक आवासीय इमारत में आग लगने से मंगलवार को कम से कम 10 लोगों की मौत हो गयी। एक अधिकारी और बोस्निया मीडिया ने यह जानकारी दी। दैनिक समाचार पत्र 'दनेवनी अवाज' ने बताया कि इमारत की एक ऊपरी मंजिल पर आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गयी। अभी तक कम से कम 20 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया तथा कई और लोगों के हताहत होने की आशंका है। कैंटोनल नेता इरफान हालिलागिक ने समाचारपत्र को दिए एक बयान में पुष्टि की कि मौतें हुई हैं लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने लोग मारे गए। हालिलागिक ने कहा, हम अब विचार कर रहे हैं कि निवासियों को कहां ठहराया जाए। अखबार और अन्य बोस्नियाई मीडिया संगठनों ने भीषण आग की खबरें पुलिस सूत्रों के हवाले से प्रकाशित की हैं।

उलानबटोर में फंसे 228 यात्री लेकर एअर इंडिया का विमान दिल्ली आया

नई दिल्ली, एजेंसी

- सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रहे विमान ने की थी आपात लैंडिंग

एअर इंडिया का एक विमान मंगोलिया की राजधानी उलानबटोर में फंसे 228 यात्रियों और चालक दल के 17 सदस्यों को लेकर बुधवार सुबह दिल्ली पहुंचा। तकनीकी समस्या के कारण सोमवार को सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रहे विमान का मार्ग परिवर्तित कर उसे मंगोलिया की राजधानी ले जाया गया, जिसके बाद यात्री वहां फंस गए थे।

एक अधिकारी ने बताया कि उलानबटोर से यात्रियों को लेकर एअर इंडिया का राहत विमान बुधवार सुबह करीब आठ बजकर 24 मिनट पर राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा। राहत उड़ान संख्या एआई183 बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के साथ संचालित की गई। घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने सोमवार को कहा था कि उलानबटोर ले जाए गए बोइंग 777 विमान में 228 यात्रियों और चालक दल के 17 सदस्यों सहित 245 लोग सवार थे। एयरलाइन ने बुधवार को एक बयान में कहा, एहतियाती तौर पर मार्ग परिवर्तन के बाद मंगोलिया के उलानबटोर में फंसे एआई174 के यात्रियों और चालक दल को लेकर राहत उड़ान सुबह दिल्ली में उतरी। संबंधित अधिकारियों के अलावा एअर इंडिया ने भी अपने यात्रियों को मार्ग परिवर्तन के दौरान उनके धैर्य और समझदारी के लिए धन्यवाद दिया।

भारतवंशियों की उपलब्धियां

दुनिया में भारत का परचम

अमेरिका के ताजा चुनाव में न्यूयॉर्क के मेयर चुने गए जोहर ममदानी, वर्जीनिया की लेफ्टिनेंट गवर्नर बनीं गजाला हाशमी और ओहायो के सिनसिनाटी शहर के मेयर पद के चुनाव में आफताब पुरेवैल की जीत ने दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश में एक बार फिर भारतवंशियों का डंका बजा दिया है। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब भारतीय मूल के लोगों ने दूसरे देशों में राजनीतिक के शीर्ष पदों पर कब्जा जमाया है। इतिहास उठाकर देखें तो पता चलता है कि दुनिया के लगभग 29 देशों में भारतीय मूल के लोग राजनीति के शीर्ष पदों पर रह चुके हैं या अब भी हैं, इनमें से आठ से ज्यादा देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी शामिल हैं। इनमें ब्रिटेन, मॉरीशस, गुयाना, सिंगापुर और आयरलैंड शामिल हैं। भारतवंशियों ने दूसरे देशों में राजनीति के अलावा व्यवसाय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा की दम पर धाक जमाई है।

दूसरे देशों का नेतृत्व

- भारतीय मूल के ऋषि सुनक को वर्ष 2022 में यूनाइटेड किंगडम का प्रधानमंत्री चुना गया था।
- लियो वराडकर ने 2017 से 2020 और 2022 से 2024 आयरलैंड के प्रधानमंत्री का पद संभाला।
- मॉरीशस में अनिरुद्ध जगन्नाथ, नवीन रामगुलाम, प्रविंद जगन्नाथ कई बार प्रधानमंत्री चुने गए।
- त्रिनिदाद और टोबैगो में कमला प्रसाद-बिस्सेसर वर्ष 2010 से 2015 के बीच प्रधानमंत्री चुने गए।
- गुयाना में 1990 से अब तक चेदी जगन, बर्रत जगदेओ, इरफान अली भारतीय मूल के राष्ट्रपति।
- सूरीनाम में वर्ष 2020 में भारतीय मूल के चंद्रिका प्रसाद संतोखी राष्ट्रपति पद संभालने का मौका।
- सेशेल्स में वेवेल रामकलावन, फिजी में महेंद्र चौधरी और सिंगापुर में श्रीनाथन ने भी नेतृत्व किया।

लोकप्रियता में भी आगे

- फिजी में महेंद्र चौधरी जातीय संघर्ष में अपने दृढ़ रुख के कारण पहले भारतीय मूल के प्रधानमंत्री बने।
- आयरलैंड में लियो वराडकर पश्चिमी यूरोप के पहले खुले तौर पर समलैंगिक भारतवंशी प्रधानमंत्री।
- गुयाना का नेतृत्व करने वाले भारतवंशी चेदी जगन को स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक माना जाता है।
- मॉरीशस में प्रविंद जगन्नाथ भारतीय मूल के सबसे लंबे समय तक सत्ता में रहने वाले नेताओं में एक थे।

भारत को क्या लाभ

- वैश्विक पहचान और मजबूत छवि, ऋषि सुनक, प्रविंद जगन्नाथ जैसे नेता भारत हितैषी नीति के लिए जाने जाते हैं।
- उद्यमी विदेश में भारत में निवेश के सेतु, सिलिकॉन वैली में भारतीय निवेशक भारत के स्टार्टअप्स को फंड देते हैं।
- सांस्कृतिक प्रभाव बढ़ा है। दिवाली और होली जैसे भारतीय त्योहारों को कई देशों में आधिकारिक मान्यता मिली है।
- भारतीय प्रवासी समुदाय दूसरे देशों में भारत की नीतियों के समर्थन में लॉबिंग करता है, अंतर्राष्ट्रीय लाभ प्राप्त होते हैं।

दुनिया के दूसरे देशों में भारतवंशियों की स्वीकार्यता

- अमेरिका, कनाडा, यूके जैसे उच्च आय वाले देशों में भारतीय मूल के लोगों को सफल, शिक्षित और भरोसेमंद समुदाय माना जाता है।
- कैरेबियाई और अफ्रीकी देशों में शुरू में भेदभाव था, अब भारतीय समुदाय स्थानीय राजनीति व अर्थव्यवस्था में मुख्यधारा में आया है।
- मध्य पूर्व में भारतीय मूल के लोग मुख्यत: श्रमिक और तकनीकी कामगार हैं, और वहां उनका प्रभाव सीमित है, लेकिन वे सम्मानित हैं।

यहां भी आगे : राजनीति के अलावा भारतवंशी कई अन्य क्षेत्रों में भी अगुवाई कर रहे हैं। सुंदर पिचाई गूगल के सीईओ हैं और सत्य नडेला माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ। यूएस की टेक पॉलिसी में अर्जुन रामपाल, वेंचर कैपिटल में विनोद खोसला का नाम आता है। साइंस एंड रिसर्च में नोबल पुरस्कार विजेता वेंकटरमण रामकृष्णन, व्यापार और वित्त में लक्ष्मी मित्तल का नाम आता है।

न्यूयॉर्क का मेयर बनते ही ममदानी ने ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर दी चुनौती

चुनाव जीतने के बाद नेहरू को किया याद, कहा- पुराने से नए युग में रखेंगे कदम

न्यूयॉर्क, एजेंसी

ममदानी की विजय के बाद उनके समर्थक जश्न मनाने न्यूयॉर्क की सड़कों पर उतर आए।

न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुने गए जोहरान ममदानी ने अपने तेजतर्रार विजयी भाषण में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर चुनौती दी, 'राजनीतिक वंशवाद' को खत्म करने की बात कही और पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के शब्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि शहर पुराने से नए युग की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी जीत अत्याचार और मुनाफाखोरी के खिलाफ उम्मीद का प्रतीक है।

भारतीय मूल के ममदानी ने मंगलवार को चुनावों में निर्णायक एवं ऐतिहासिक जीत हासिल की। उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा तथा दिग्गज नेता एवं न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया, जो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। कुओमो को चुनाव की पूर्व संध्या पर ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त हुआ था। इस जीत के साथ ही ममदानी अमेरिका के सबसे बड़े शहर में मेयर बनने वाले पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम व्यक्ति बन गए।

ममदानी ने आधी रात के आसपास डाउनटाउन ब्रुकलिन के एक संगीत स्थल 'ब्रुकलिन पैरामाउंट' में अपने हज़ारों समर्थकों के सामने जोशीले विजयी भाषण में कहा, भविष्य हमारे हाथों में है। दोस्तों, हमने एक राजनीतिक वंश को उखाड़ फेंका है। उन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट और अपने समर्थकों के नारों के बीच कहा, न्यूयॉर्क, आज रात आपने कर दिखाया, यह बदलाव का जनादेश है। एक नई राजनीति का जनादेश। एक ऐसे शहर का जनादेश, जहां रहने का खर्चा हम वहन कर सकते हैं। और एक ऐसी सरकार का जनादेश जो बिल्कुल यही करती है।

ममदानी ने न्यूयॉर्क की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत की बात करते हुए भारत के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, आपके सामने खड़े होकर मुझे जवाहरलाल नेहरू के शब्द याद आते हैं। इतिहास में कभी-कभी ऐसा क्षण आता है जब हम पुराने से नए युग में कदम रखते हैं, जब एक युग समाप्त होता है और जब किसी राष्ट्र की लंबे समय से दबाई गई आत्मा को अभिव्यक्ति मिलती है। उन्होंने कहा... तो आइए अब हम स्पष्टता और दृढ़ विश्वास के साथ इस बारे में बात करें कि यह नया युग क्या लाएगा और किसके लिए लाएगा।

ट्रंप पर वार... अब आव्रजक ही चलाएंगे न्यूयॉर्क

ममदानी ने अपने विजय भाषण में ट्रंप को चुनौती दी, जिन्होंने राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में आव्रजन पर कड़ी कार्रवाई शुरू की है। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क को आव्रजकों द्वारा चलाया जाएगा और उनकी ऐतिहासिक जीत के बाद इसका नेतृत्व भी एक आव्रजक द्वारा किया जाएगा। अपने माता-पिता और पत्नी रमा दुवाजी के साथ ममदानी का लगभग 25 मिनट का भाषण बॉलीवुड फिल्म 'धूम' के लोकप्रिय भारतीय गीत 'धूम मचाले' के साथ समाप्त हुआ। उन्होंने कहा, मेरे मां और बाबा, आज मैं जो कुछ हूं, आपकी वजह से हूं। मुझे आपका बेटा होने पर बहुत गर्व है। और मेरी अद्भुत पत्नी रमा, मेरी जिंदगी : इस पल और हर पल, आपके सिवा मैं किसी और को अपने साथ नहीं देखना चाहता।

मेरे चुनाव प्रचार में न उतरने और शटडाउन के कारण हारे : ट्रंप

वाशिंगटन। ट्रंप ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ' पर पोस्ट में कहा कि चुनाव प्रचार से उनकी अनुपस्थिति और शटडाउन के कारण रिपब्लिकन पार्टी मेयर चुनाव हार गई। एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने मतदाता सुधारों का आह्वान किया। उन्होंने लिखा, रिपब्लिकन 'फिलिबस्टर' को समाप्त करें। कानून पारित कराने और मतदाता सुधार पर ध्यान केंद्रित करें। फिलिबस्टर एक संसदीय प्रक्रिया है, जिसमें विधायी निकाय के एक या अधिक सदस्य प्रस्तावित कानून पर बहस को इतना लंबा खींचते हैं कि निर्णय में देरी हो जाती है या उसे पूरी तरह से रोका जा सकता है।

डेमोक्रेटिक पार्टी ने जीत का जश्न मनाया

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और बराक ओबामा ने ममदानी और अन्य पार्टी नेताओं को चुनावी सफलता की बधाई दी। क्लिंटन ने लिखा, न्यूयॉर्क के अगले मेयर के रूप में चयन पर जोहरान ममदानी को बधाई। आपकी सफलता की कामना करता हूं, जब आप अपने चुनाव अभियान के जोश को एक बेहतर, न्यायसंगत और अधिक किफायती न्यूयॉर्क बनाने के प्रयास में बदलने के लिए काम करेंगे। ओबामा ने कहा, यह हमें याद दिलाता है कि जब हम मजबूत और दूरदर्शी नेताओं के साथ एकजुट होते हैं, जो महत्वपूर्ण मुद्दों को ध्यान में रखते हैं, तो हम जीत सकते हैं।

अमेरिकी के केंटुकी में विमान दुर्घटना, सात मरे, आसपास के इलाकों तक फैली आग

- कार्गो विमान में था 38000 गैलन जेट ईंधन, प्रशासन ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई

न्यूयॉर्क, एजेंसी

कार्गो विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद ऊपर उठता घना काला धुआं।

अमेरिका के केंटुकी में लुइसविले अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट मंगलवार को एक कार्गो विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। इस घटना में विमान में आग लग गई जो विमान के गिरने के साथ ही एक बड़े क्षेत्र में फैल गई।

संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) ने बताया कि यूपीएस के विमान 2976 में 38,000 गैलन जेट ईंधन और चालक दल के तीन सदस्य सवार थे। यह विमान लुइसविले के मुहम्मद अली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद स्थानीय समयानुसार शाम लगभग सवा पांच बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

गर्वनर एंडी बेशियर ने कहा कि इस विनाशकारी दुर्घटना में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए।

उन्होंने कहा कि यह संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने बताया कि विमान हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिससे दो व्यावसायिक प्रतिष्ठान प्रभावित हुए और क्षेत्र के अन्य व्यवसाय भी प्रभावित हुए। घटनास्थल से प्राप्त वीडियो में भीषण आग और दुर्घटनास्थल से काले धुएं का घना गुबार उठता दिखाई दिया। लुइसविले के अग्निशमन प्रमुख ब्रायन ओ'नील ने कहा कि सैकड़ों अग्निशमन कर्मियों ने आग पर लगभग काबू पा लिया है और संभावित पीड़ितों की तलाश में पूरे इलाके में ग्रिड दर ग्रिड तलाशी अभियान चला रहे हैं।

अमेरिका में सबसे लंबा 36 दिन का शटडाउन

वाशिंगटन। अमेरिका में एक अक्टूबर से शुरू हुआ शटडाउन बुधवार को 36वें दिन में प्रवेश कर गया। यह अमेरिका के इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन है। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान 2018 में 35 दिनों तक सरकारी कामकाज ठप रहा था। इस शटडाउन की वजह से 4.2 करोड़ गरीब अमेरिकियों की खाद्य सहायता (फूड स्टैंप) रुक गई है।

अमेरिकी वस्तुओं के आयात पर 24% टैरिफ को एक साल के लिए स्थगित करेगा चीन

बीजिंग, एजेंसी

- व्यापार वार्ता में बनी सहमति को लागू करने का लिया गया निर्णय

चीनी वित्त मंत्रालय ने कहा है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हाल ही में हुई व्यापार वार्ता के अनुरूप चीन 10 नवंबर से एक वर्ष के लिए अमेरिकी वस्तुओं पर अतिरिक्त 24 प्रतिशत आयात शुल्क को स्थगित करेगा।

मंत्रालय के मुताबिक चीन-अमेरिका व्यापार वार्ता के दौरान बनी सहमति को लागू करने के लिए आयात शुल्क कानून, सीमा शुल्क कानून, विदेश व्यापार कानून और अन्य प्रासंगिक कानूनों तथा विनियमों तथा अंतर्राष्ट्रीय कानून के मूल सिद्धांतों के अनुसार यह निर्णय लिया गया है। राज्य परिषद की स्वीकृति से 10 नवंबर, 2025 से अमेरिकी वस्तुओं पर 24 प्रतिशत का अतिरिक्त सीमा शुल्क एक वर्ष के लिए स्थगित कर दिया जाएगा। लेकिन अमेरिकी वस्तुओं पर 10 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लागू रहेगा।

मंत्रालय ने कहा कि इस स्थगन से दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक संबंधों के स्वस्थ और स्थिर विकास सुनिश्चित होगा। दोनों देशों के लोगों को लाभ पहुंचाने और वैश्विक समृद्धि में योगदान करने में मदद मिलेगी। बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा था कि अमेरिकी प्रशासन चीनी आयातों पर फेंटेनाइल से संबंधित शुल्कों में कटौती करेगा और चीनी उत्पादों पर कुछ पारस्परिक शुल्कों को स्थिर रखेगा। मंगलवार को जारी कार्यकारी आदेशों में उल्लिखित ये कदम अक्टूबर में दक्षिण कोरिया में एपेक सम्मेलन के दौरान जिनपिंग के साथ हुए व्यापक व्यापार समझौते के प्रमुख तत्वों को समाहित करते हैं।

इसके तहत चीन 10 नवंबर से अमेरिका से आयातित ज्वार, सोयाबीन, सूअर का मांस, बीफ़, जलीय उत्पादों, फलों, सब्जियों और डेयरी उत्पादों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क के साथ चिकन, गेहूं, मक्का और कपास पर 15 प्रतिशत शुल्क भी हटाएगा। इस समझौते के तहत चीन चार मार्च से घोषित सभी परस्पर शुल्कों को स्थगित कर देगा।

पाकिस्तान ने गुरु नानक जयंती मनाने सिख जत्थे के साथ जा रहे हिंदुओं को रोका

अमृतसर, एजेंसी

गुरु नानक देव की जयंती समारोह में भाग लेने भारतीय सिख तीर्थयात्रियों का पहला जत्था मंगलवार को अटारी-वाघा सीमा पार कर पाकिस्तान पहुंचा, लेकिन तीर्थयात्रियों की खुशी वाघा सीमा पर उस समय फीकी पड़ गई, जबएक बड़े सिख प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान में प्रवेश कर रहे 12 हिंदू तीर्थयात्रियों के एक समूह को सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बावजूद अचानक आगे बढ़ने से रोक दिया गया। पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा कि वे हिंदू होने के कारण आगे नहीं बढ़ सकते।

इन हिंदू तीर्थयात्रियों को भारत लौटना पड़ा। भारतीय अधिकारियों और संगठनों ने इस कार्रवाई की व्यापक रूप से निंदा की और इसे भेदभावपूर्ण बताया। हिंदू तीर्थयात्रियों के पास वैध वीजा थे और उन्होंने सभी आव्रजन और यात्रा प्रक्रियाएं पूरी कर ली थीं। पाकिस्तानी अधिकारियों ने उन्हें ननकाना साहिब जाने वाली बस में चढ़ने से रोक दिया और कहा कि केवल सिखों के रूप में सूचीबद्ध लोगों को ही यात्रा करने की अनुमति होगी। इसके बाद तीर्थयात्रियों को भारत वापस भेज दिया गया, और उनमें से एक ने इस घटना पर अपना अपमान और दुख व्यक्त किया।

गुरु पर्व मनाने पहुंचे पहले सिख जत्थे का स्वागत करते पाकिस्तानी अधिकारी।

भारत सरकार दे मुंहतोड़ जवाब : प्रो. चावला ने कहा कि जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज भी पाकिस्तान पहुंचे हैं। यह उनसे आशा की जाती है कि वे इस अन्याय को रोकते और पाकिस्तान की चाल का मुंह तोड़ जवाब देते। अफसोस ऐसा नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि अब भारत सरकार को चाहिए कि वे पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब दे और पाकिस्तान के केवल हिंदू श्रद्धालुओं को ही भारत यात्रा की आज्ञा दे।

हिंदू-सिखों में फूट डालने की नापाक चाल

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान जाने वाला यह पहला जत्था था और इस घटना को हिंदू और सिख समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने के एक जानबूझकर किया गया कृत्य माना जा रहा है। पंजाब की पूर्व स्वास्थ्य मंत्री प्रो. लक्ष्मीकांत चावला ने घटना की निंदा करते हुए कहा है कि पाकिस्तान में हिंदू श्रद्धालुओं को गुरुद्वारा दर्शन के लिए न जाने देना भारत में लोगों में फूट डालने का घृणित प्रयास है, जिसका केंद्र सरकार शीघ्र ही गंभीर नोटिस लेना चाहिए। पूर्व मंत्री ने कहा कि हिंदू और सिख जो एक ही मां के दो बेटे हैं, एक ही परंपरा से पैदा हुए हैं और जिनका परिवार भी एक है उनको बांटने के लिए पहले अंग्रेजों ने प्रयास किया। 1882 में पहले अंग्रेजों का थोपा हुआ प्रिंसिपल मैकालिफ इस काम को आगे बढ़ाता रहा और इसके बाद अपने ही देश के कुछ नेताओं ने समाज को बांटने की कमान संभाल ली। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के सभी प्रमुख गुरुद्वारों में विशेषकर अमृतसर श्री हरिमंदिर में अगर रोज के श्रद्धालुओं की संख्या देखी जाए तो हिंदू श्रद्धालु ज्यादा हैं, जो देश से भी आते हैं, विदेश से भी आते हैं। प्रो. चावला ने कहा कि वैसे तो हिंदू और सिख दो लिखने में ही कष्ट होता है, पर अगर राजनीतिक हितों ने उन्हें दो पक्ष बना ही दिया है तो पाकिस्तान को यह छूट नहीं दी जा सकती कि वह भारत से गए हिंदू श्रद्धालुओं को गुरु घर के दर्शन करने न जाने दे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 नवंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 14.54 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

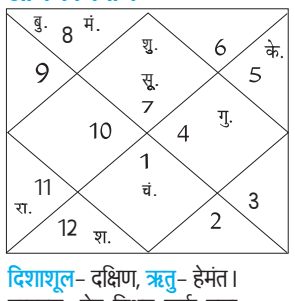

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- हेमंत। चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- भरणी 06.34 तक तत्पश्चात कृत्तिका 7 नवंबर 03.28 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष आज का दिन नई साझेदारियों के लिए शुभ है। कार्यक्षेत्र में दूसरों पर निर्भरता बढ़ सकती है। आपकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। पड़ोसियों से अपने संबंध अच्छे रखें। प्रेम संबंधों को लेकर पारिवारिक सहमति मिल सकती है।

वृष आज समाज में आपको उचित मान-सम्मान मिलेगा। रुका हुआ कार्य बनने से मानसिक अशांति दूर होगी। दांपत्य संबंधों की कड़वाहट दूर हो सकती है। ससुराल पक्ष से अपने संबंध अच्छे रखें। परिवार में उत्सव का वातावरण रहेगा।

मिथुन आज अपनी उपलब्धियों का दिखावा करने से बचें। वाहन चलाते समय चोट लग सकती है। जीवनसाथी के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। आपके ऊपर काम का दबाव बढ़ सकता है। गृहस्थ जीवन में शांति रहेगी। बच्चों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क आज कारोबार में नई शुरुआत कर सकते हैं। नौकरी कर रहे लोगों के ऊपर से काम का दबाव कम होगा। प्रेमीजन से विवाह को लेकर चर्चा कर सकते हैं। मित्रों और सहयोगियों की सहायता करने से आत्मिक संतुष्टि होगी।

सिंह आज अपनी जिम्मेदारियों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। किसी राजनीतिक चर्चा में सम्मिलित हो सकते हैं। अपनी दिनचर्या को अनुशासित रखें। प्रेमी जन से कोई वादा न करें।

कन्या आज कानूनी मामले उलझ सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत अच्छा है। उच्च शिक्षा में परेशानियां बढ़ सकती हैं। घर के छूटे कार्यों को लेकर तनाव हो सकता है। आर्थिक नुकसान होने की संभावना बन रही है।

तुला आज कोई भी बड़ा निर्णय सोच-समझकर ही लें। अनावश्यक चर्चाओं से दूरी बनाकर रखें। दांपत्य संबंधों में संवादहीनता जैसी परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। नजदीकी लोगों की सलाह को अनसुना करना नुकसानदेह हो सकता है।

वृश्चिक आज व्यवसाय में आपको बड़ा धन लाभ हो सकता है। पिछले काफी समय से चली आ रही उलझनों से राहत मिलेगी। ननिहाल पक्ष से शुभ समाचार मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन काफी रोमांटिक रहेगा। गले में कफ की शिकायत हो सकती है।

धनु आज आपकी कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। अचानक नए कार्यों की शुरुआत न करें। आपको सभी कार्य समय पर करने चाहिए। अटका हुआ धन वापस मिलेगा। अपने स्वभाव में लचीलापन रखना आवश्यक है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मकर आज निवेश के दौरान सावधानी रखें। दार्शनिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों से नुकसान होगा। उच्च रक्तचाप के कारण समस्या होगी। अधिकारी वर्ग के साथ तनाव हो सकता है। नए प्रेम संबंधों को लेकर समस्या होगी।

कुंभ आज अपनी गलतियों को छिपाने के बजाय उन्हें दूर करने का प्रयास करें। रियल एस्टेट से जुड़े लोग नए सौदों को जांच-परख कर ही करें। जाने-अनजाने में आपसे कुछ त्रुटियां हो सकती हैं। आपको सिरदर्द और वायरल बुखार की समस्या हो सकती है।

मीन आज आपकी बातों से लोग प्रभावित होंगे। जॉब में स्थायित्व की भावना बढ़ेगी। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे। आपके नए मित्र बन सकते हैं। आपको मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा। आपको अधिकारियों से सहायता लेनी चाहिए।

सुडोकू-152

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1				2	3	
	2	4						
			2	6	7			
5			3	7				
7								8
3				9	4			
			8	5	1			
	3					7	2	
	6	5				9		

सुडोकू - 151 का हल

9	1	5	6	2	8	3	4	7
3	4	8	5	1	7	6	9	2
6	7	2	3	4	9	8	5	1
2	6	4	9	7	3	1	8	5
8	3	1	4	5	2	7	6	9
5	9	7	8	6	1	2	3	4
1	5	6	7	3	4	9	2	8
7	8	3	2	9	5	4	1	6
4	2	9	1	8	6	5	7	3

अर्शदीप सिंह विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं। उन्होंने पावरप्ले में अधिकतर विकेट लिए हैं। हम बस उनसे यही कहते हैं कि वे कड़ी मेहनत करें और जब भी उन्हें मौका मिले, उसके लिए तैयार रहें।
–मोर्ने मोर्कल

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार 6 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सऊदी अरब के रियाद में डब्ल्यूटीए टेनिस फाइनल्स के महिला एकल मैच के दौरान कजाकिस्तान की एलेना रयबाकिना रूस की एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा के शॉट को रोकती हुई।

रिचा घोष को सोने की परत वाली गेंद और बल्ला देगा कैब

कोलकाता : बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) भारत की विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष को महिला विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिये यहां शनिवार को ईडन गार्डस पर एक भव्य सम्मान समारोह में खास तौर से बनाए गए सोने की परत चढा बल्ला और गेंद प्रदान करेगा। भारत की ऐतिहासिक खिताबी जीत की शिल्पकारों में से एक रिचा ने आठ पारियों में 133.52 की स्ट्राइक रेट से 235 रन बनाए। वह टीम के लिये सर्वाधिक रन बनाने वाली पांच बल्लेबाजों में से थी। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और महान तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के हस्ताक्षर वाला बल्ला उन्हें भारतीय क्रिकेट में अतुलनीय योगदान के लिये प्रदान किया जाएगा।

वेस्टइंडीज ने सात रन से न्यूजीलैंड को हराया

आकलैंड : वेस्टइंडीज ने कम स्कोर वाले पहले टी-20 मैच में बुधवार को न्यूजीलैंड को सात रन से हरा दिया। कप्तान शाई होप ने 39 गेंद में 53 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर छह विकेट पर 164 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने दसवें ओवर तक दो विकेट खोकर 70 रन बना लिये थे लेकिन इसके बाद टीम की लय बिगड़ गई।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथा टी-20 मुकाबला आज, भारत का पड़ला भारी

शुभमन गिल की निगाह बड़े स्कोर पर

कैरारा (गोल्ड कोस्ट), एजेंसी

अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले शुभमन गिल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में बड़ा स्कोर बनाने की कोशिश करेंगे जिसमें भारतीय टीम जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। तीन मैचों के बाद शृंखला 1-1 से बराबर है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की टीम कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में थोड़ा कमजोर नजर आ रही है। पिछले मैच में जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति से स्पष्ट अंतर नजर आया था, जब भारत 186 रन के लक्ष्य को हासिल करके शृंखला बराबर करने में सफल रहा था। चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया को ट्रेविस हेड की भी कमी खलेगी क्योंकि सलामी बल्लेबाज को एशेज की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड में खेलना है। ऑस्ट्रेलिया की टीम के इन दोनों प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में भारत के पास गाबा में अंतिम मैच से पहले 2-1 की बढ़त हासिल करने का यह सबसे अच्छा मौका है। हालांकि, भारतीय टीम प्रबंधन को टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की फॉर्म थोड़ी परेशान कर सकती है, क्योंकि उन्होंने अब तक ऑस्ट्रेलिया के वर्तमान दौरे में छह मैच खेले हैं और एक भी अर्धशतक नहीं लगाया है। एकदिवसीय एजेंसी की शुरुआत से अब तक उनके स्कोर का क्रम 10, 9, 24, नाबाद 37, 5 और 15 है। अभी तक केवल एक बार वह अच्छी फॉर्म में दिखे थे। वह कैनबरा में था जब उन्होंने कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ अच्छी साझेदारी की थी। बारिश के कारण यह मैच रद्द कर दिया गया था। गिल को फुल लेंथ की गेंदों से परेशानी हो रही है, जिनमें मूवमेंट की झलक दिख रही है। चिंता की बात यह है कि गिल अभी तक अपनी चिर परिचित लय में नहीं दिखे हैं। भारत के लिए अच्छी बात यह है कि अभिषेक शर्मा ने विश्व के नंबर एक टी20 बल्लेबाज की अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन किया है और टीम को उनसे एक बार फिर एक और जोरदार पारी की उम्मीद होगी। गिल को एक सप्ताह के भीतर लाल गेंद से खेलना शुरू करना होगा और अगर वह किसी भी प्रारूप में खेल रहे हों तो कुछ रन बनाने से उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले और तीसरे मैच में अच्छी शुरुआत के साथ अपनी पुरानी फॉर्म की झलक दिखाई है लेकिन अब वह बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगली सीरीज से पहले उन्हें एक महीने का ब्रेक मिलेगा। इस बीच, उम्मीद की जा रही है कि सूर्यकुमार पुडुचेरी के खिलाफ मुंबई की ओर से रणजी ट्रॉफी मैच खेलेंगे। अर्शदीप सिंह के शामिल होने से गेंदबाजी विभाग अधिक मजबूत दिखता है, जबकि कुलदीप यादव को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए वापस भेज दिया गया है।

समय दोपहर 1:45 बजे से

स्पिन का सामना करने के लिए अच्छी तैयारी जरूरी : मैथ्यू शॉर्ट

गोल्ड कोस्ट : ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट मौजूदा टी-20 शृंखला में भारतीय गेंदबाजों का सामना करने के अवसर का आनंद ले रहे हैं, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारी के लिए उपमहाद्वीपीय परिस्थितियों में स्पिन के अनुकूल ढलना महत्वपूर्ण होगा। शॉर्ट मौजूदा सीमित ओवरों की शृंखला का अभिन्न हिस्सा रहे हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया अगले साल फरवरी से मार्च के दौरान भारत और श्रीलंका में होने वाले टी 20 विश्व कप के लिए अपनी टीम को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहा है। शॉर्ट ने चौथे टी-20 मैच से पहले कहा सुधार करने के अपने अलग-अलग तरीके होते हैं। विश्व कप भारत और श्रीलंका में खेला जाना है और इसे देखते हुए स्पिन के खिलाफ खेलना मेरे लिए अच्छी बात है। मुझे लगता है कि इसमें थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है।

शुभमन गिल व अभिषेक शर्मा।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), जोश फिलिप (विकेट कीपर), मिशेल ओवेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट कुहनेमन, एडम ज़म्पा, महली बियर्डमैन, बेन ड्वार्शिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मार्कस स्टोइनिस।

ऐसी कोई समस्या नजर नहीं आती है। वाशिंगटन सुंदर की मौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजी मजबूत नजर आती है। वाशिंगटन ने पिछले मैच में 23 गेंद पर नाबाद 49 रन बनाकर भारत को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए कप्तान मिशेल मार्श और टिम डेविड पर काफी हद तक निर्भर रहेगी। हेड की अनुपस्थिति में मार्श मैथ्यू शॉर्ट को अपना सलामी जोड़ीदार बना सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को हालांकि अपने गेंदबाजी विभाग में बदलाव करने पड़ सकते हैं क्योंकि सीन एबॉट अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और बेन ड्वार्शुइस या महली बियर्डमैन में से किसी एक को उनकी जगह पर लाया जा सकता है। टीम प्रबंधन का मुख्य मुद्दा हमेशा से यह रहा है कि कुलदीप व अर्शदीप दोनों को एक साथ नहीं खिलाया जा सकता। पर फिलहाल

ऑस्ट्रेलिया में सीरीज के एक मैच के दौरान विकेट लेने के बाद जश्न मानते अर्शदीप सिंह।

अर्शदीप सिंह जानते हैं हमारी योजना : मोर्कल

- भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल बोले- हम आजमा रहे हैं अलग-अलग संयोजन

कैरारा (गोल्ड कोस्ट), एजेंसी

भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने बुधवार को कहा कि अर्शदीप सिंह को चयन मामलों में भले ही परेशानी का सामना करना पड़ा हो, लेकिन यह तेज गेंदबाज इस बात को अच्छी तरह से समझता है कि टीम प्रबंधन बड़ी तस्वीर को देखते हुए अलग-अलग संयोजन आजमा रहा है। अर्शदीप को होबार्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में अंतिम एकादश में शामिल किया गया था।

उन्होंने शानदार वापसी की और वह मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए थे। उन्हें पहले दो मैचों में अंतिम एकादश में नहीं चुना गया, क्योंकि उन्हें और कुलदीप यादव को एक साथ नहीं खिलाया जा सकता और दुबई की परिस्थितियों के कारण सितंबर में एशिया कप में भी वे पहली पसंद नहीं थे। गौरतलब है कि अर्शदीप टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 100 से अधिक विकेट लेने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज़ हैं।

मोर्कल ने गुरुवार को यहां होने वाले चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच से पहले संवाददाताओं से कहा अर्शदीप अनुभवी हैं और उन्हें पता है कि हम बड़ी तस्वीर को देख रहे हैं और अलग-अलग संयोजनों को आजमा रहे हैं। उन्हें पता है कि वह विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और उन्होंने पावरप्ले में अधिकतर विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा हम जानते हैं कि वह टीम के लिए कितने अमूल्य खिलाड़ी है, लेकिन हमें अन्य संयोजनों पर भी गौर करने की जरूरत है और वह इस बात को समझते हैं। मोर्कल ने हालांकि स्वीकार किया कि अर्शदीप जैसी क्षमता वाले गेंदबाज के लिए यह आसान नहीं रहा है। उन्होंने कहा यह आसान काम नहीं है लेकिन कभी-कभी कड़े फैसले करने पड़ते हैं। हम बस उनसे यही कहते हैं कि वे कड़ी मेहनत करें और जब भी उन्हें मौका मिले, उसके लिए तैयार रहें। टी20 विश्व कप से पहले अब सीमित मैच ही बचे हैं। मोर्कल ने कहा इसलिए, हमारे लिए यह देखना ज़रूरी है कि दबाव की परिस्थितियों में खिलाड़ी कैसा प्रदर्शन करते हैं।

फिटनेस साबित करने के बाद पंत की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित, शमी को नहीं मिली जगह

स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने पैर के फ्रेक्चर से उबरकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी दो मैचों की घरेलू श्रृंखला के लिये भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की जबकि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एक बार फिर टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे।

पंत को जुलाई में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान चोट लगी थी और वह वेस्टइंडीज के खिलाफ अगली श्रृंखला नहीं खेल सके थे। उन्होंने हाल ही में बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए टीम की कप्तानी की और दूसरी पारी में 90 रन बनाए। शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम में उन्होंने एन जगदीशन की जगह ली। बंगाल के लिये तीन रणजी मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले शमी को टीम में जगह नहीं मिल सकी है। पैंतीस वर्ष के शमी ने उत्तराखंड और गुजरात के खिलाफ बंगाल की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए तीन मैचों में 93 ओवर डालकर 15 से अधिक विकेट लिए।

टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साइ सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतिश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और आकाश दीप।

भारत ए वनडे टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), रूतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रियान पराग, ईशान किशन, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, विपराज निगम, मानव सुतार, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, प्रभसिमरन सिंह।

पहला टेस्ट कोलकाता में 14 नवंबर से
दूसरा टेस्ट गुवाहाटी में 22 नवंबर से

चयनकर्ताओं को शायद लगा होगा कि अब वह टेस्ट क्रिकेट में लंबे स्पैल नहीं डाल सकेंगे चूंकि घरेलू क्रिकेट में भी स्पैल के बीच उन्होंने ब्रेक लिए।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद अगले छह महीने भारत को टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलना है जिसे देखकर लगता है कि शमी के लिये दरवाजे बंद हो चुके हैं। बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने भी कंधे की चोट से उबरकर वापसी की है। वह भारत ए टीम का भी हिस्सा हैं। भारत के पास तेज गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज हैं जबकि स्पिन की कमान रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और हरफनमौला वॉशिंगटन सुंदर के पास होगी।

चयनकर्ताओं ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए भारत ए वनडे टीम की भी घोषणा की है जिसमे तिलक वर्मा को कप्तान बनाया गया है। ये मैच 13, 16 और 19 नवंबर को राजकोट में होंगे।

स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के पास सीरीज जीतने का बड़ा मौका : बावुमा

बेंगलुरु : दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बावजूद भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज आसान नहीं होगी लेकिन उन्होंने कहा कि अपने बेहतरीन स्पिन आक्रमण के दम पर उनकी टीम के पास 25 साल बाद भारत में सीरीज जीतने का सुनहरा मौका है। दक्षिण अफ्रीका ने आखिरी बार 1999-2000 में दिवंगत हैंसी क्रोन्ये की कप्तानी में भारत में पहली टेस्ट शृंखला जीती थी। दो मैचों की शृंखला का दूसरा मैच 14 नवंबर से कोलकाता में खेला जाएगा। बावुमा ने कहा दक्षिण अफ्रीका टीम ने लंबे समय से भारत में टेस्ट शृंखला नहीं जीती है। इस बार हमारे पास सुनहरा मौका है। उन्होंने भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच दूसरे चार दिवसीय मैच से पहले चुनिंदा मीडिया से बातचीत में कहा विश्व चैम्पियन होने के नाते हमसे काफी अपेक्षाएं हैं। भारत में खेलना हमेशा कठिन होता है। भारत के पास बेहतरीन युवा खिलाड़ी हैं। बावुमा ने कहा विराट और रोहित ने लंबे समय तक भारत के लिए खेला और भारत को वहां पहुंचाया, जहां टीम आज है। युवा खिलाड़ी उनकी जगह लेने की कोशिश कर रहे हैं। यह हालांकि बहुत बड़ी चुनौती है। जहां तक हमारी बात है तो हम पूरी तैयारी के साथ आये हैं और हमें यहां मिलने वाली चुनौती का अहसास है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। बावुमा की नजरें अच्छे स्पिन आक्रमण के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों की कमी का फायदा उठाने पर भी लगी हैं। न्यूजीलैंड के स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों को हुई परेशानी उनकी नजरों से बच नहीं सकी है। बावुमा ने कहा गेंदबाजी हमेशा से हमारी ताकत रही है। हम इस बार बेहतर स्पिन आक्रमण के साथ आये हैं।

शर्मा और चक्रवर्ती पुरुष टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर

दुबई : सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी पुरुष टी-20 खिलाड़ियों की बुधवार को जारी रैंकिंग में बल्लेबाजों और गेंदबाजों में शीर्ष स्थान कायम रखा है।

अभिषेक बल्लेबाजों की रैंकिंग में 925 रेटिंग अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि इंग्लैंड के फिल साल्ट और भारत के तिलक वर्मा उनके बाद हैं। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव आठवें स्थान पर हैं। गेंदबाजों में चक्रवर्ती शीर्ष पर हैं जबकि आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड दसवें स्थान पर आ गए हैं। वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दूसरे और अफगानिस्तान के राशिद खान तीसरे स्थान पर हैं।

भारत का कोई अन्य गेंदबाज शीर्ष दस में नहीं है। हरफनमौलाओं की सूची में भारत के हार्दिक पंड्या चौथे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के सईम अयूब शीर्ष पर, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा दूसरे और वेस्टइंडीज के रोस्टन चेस तीसरे स्थान पर हैं।

कुलदीप, सिराज और राहुल की नजर अच्छी तैयारी पर

बेंगलुरु, एजेंसी

- भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए का मुकाबला आज से

भारत ए के कप्तान ऋषभ पंत पहले मैच की तरह अपनी फॉर्म और फिटनेस बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे जबकि मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी गुरुवार से यहां तेम्बा बावुमा की अगुवाई वाली दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच में लाल गेंद से महत्वपूर्ण मैच अभ्यास हासिल करने की कोशिश करेंगे।

पंत ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के इसी मैदान पर पिछले सप्ताह खेले गए पहले मैच में विकेटकीपर के रूप में 139.3 ओवर बिना किसी परेशानी के खेले और साथ ही बल्लेबाज के रूप में 133 गेंदें खेली। उन्होंने दूसरी पारी में 90 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी फॉर्म का भी अच्छा परिचय दिया। फिटनेस की चिंता पूरी तरह से पीछे छूट जाने के बाद बाएं हाथ का यह बल्लेबाज अब 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले एक बार फिर अपने खेल के चरम पर पहुंचने की कोशिश करेगा।

सिराज, केएल राहुल और कुलदीप स्वदेश लौटने से पहले भारत के ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा सफेद गेंद के दौरे का हिस्सा थे और अब वे दक्षिण अफ्रीका ए जैसी प्रतिस्पर्धी टीम के खिलाफ अपने लाल गेंद के कौशल को निखार सकते हैं।

स्मृति, जेमिमा हरमनप्रीत टीम की नई ब्रांड : घावरी

मुंबई : भारत के पूर्व तेज गेंदबाज करसन घावरी ने महिला वनडे विश्व कप विजेता भारतीय टीम की जमकर प्रशंसा करते हुए बुधवार को हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स और स्मृति मंधाना को भारतीय क्रिकेट का नया ब्रांड करार दिया।

भारतीय महिला टीम ने रविवार को नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का कोई टूर्नामेंट जीता। घावरी ने कहा भारतीय महिला टीम की जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। उन्होंने पूरे विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया विशेष कर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी दो मैच में उनका प्रदर्शन शानदार रहा। वह विश्व कप जीतने की असली हकदार थी।

ओलंपिक की तैयारी | अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ ने लॉस एंजेलिस 2028 के लिए ओलंपिक भार वर्गों का किया पुनर्गठन

मीराबाई चानू अपना भार वर्ग बदलने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) द्वारा सोमवार को घोषित लॉस एंजेलिस 2028 के लिए ओलंपिक भार वर्गों के पुनर्गठन के बाद भारतीय स्टार मीराबाई चानू को एक वर्ग ऊपर जाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

टोक्यो 2020 में महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाली और पेरिस 2024 में इसी वर्ग में चौथे स्थान पर रहने वाली मीराबाई चानू अब लॉस एंजेलिस में इस वर्ग में भाग नहीं ले पाएंगी। लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में भारोत्तोलन के लिए महिलाओं की न्यूनतम श्रेणी अब 53 किग्रा होगी। आईडब्ल्यूएफ ने लॉस एंजेलिस 2028 में 12 नए वर्गों की पुष्टि की है- पुरुषों और महिलाओं के लिए छह-छह। पेरिस 2024 में प्रत्येक लिंग के लिए पांच वर्ग थे।

लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक भारोत्तोलन भार वर्ग पुरुषः 65 किग्रा, 75 किग्रा, 85 किग्रा, 95 किग्रा, 110 किग्रा, 110 किग्रा महिलाः 53 किग्रा, 61 किग्रा, 69 किग्रा, 77 किग्रा, 86 किग्रा, 86 किग्रा पेरिस 2024 में, पुरुषों के लिए 61 किग्रा, 73 किग्रा, 89 किग्रा, 102 किग्रा और 102 किग्रा और महिलाओं के लिए 49 किग्रा, 59 किग्रा, 71 किग्रा, 81 किग्रा और 81 किग्रा थे। आईडब्ल्यूएफ ने अब एक साल से भी कम समय में दो बार भार वर्ग बदले हैं। भारत के मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा का मानना है कि यह बदलाव मीराबाई के पक्ष में काम कर सकता है। शर्मा ने कहा यह (49 किग्रा हटाना) मीराबाई के लिए अच्छी बात है क्योंकि 48 किग्रा तक अपना वजन कम करना एक कठिन प्रक्रिया थी। 31 वर्षीय मीराबाई ने इस साल 48 किग्रा वर्ग में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

ओलंपिक कार्यक्रम से हटा 49 किग्रा वर्ग

इस साल की शुरुआत में, आईडब्ल्यूएफ द्वारा ओलंपिक कार्यक्रम से 49 किग्रा वर्ग को हटाने के बाद, चानू 48 किग्रा वर्ग में आ गईं। 49 किग्रा वर्ग को तब से आईडब्ल्यूएफ के विश्व चैंपियनशिप जैसे आयोजनों में बहाल कर दिया गया है, लेकिन इसे ओलंपिक में शामिल नहीं किया जाएगा। मीराबाई चानू की सभी प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियां – जिनमें तीन विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप पदक और तीन राष्ट्रमंडल खेल पदक शामिल हैं – 50 किग्रा से कम भार वर्ग में ही आई हैं।